SANGITA-GITANJALI

BY

Rabindranath Tagore

ARRANGED WITH

MUSICAL NOTATION

IN

HINDI CHARACTERS

BY

Pandit Bhimarao Sastri

Kavyatirtha, Sankhyatirtha,

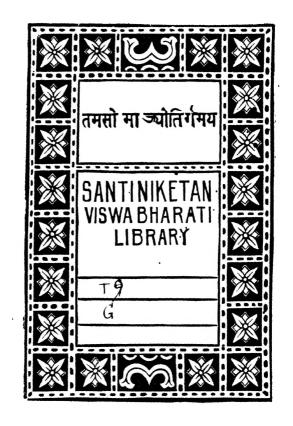
Professor of Music,

VISVABHARATI

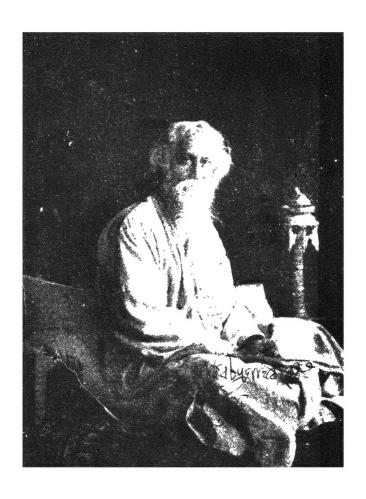
SANTINIKETAN

Price Rupees Three

1927



गीताञ्चली 🚃



श्री स्वान्द्रनाथ ठाकुर

Santiniketan, May 9, 1926.

My dear Panditji,

I am glad to see your Hindi edition of my Gitanjali in which you have accurately given in Hindi notation my songs which I composed in Bengali. I am particularly happy to find that the work has been done by you, for you have long been here and have taken much pains to master the songs of Gitanjali. The volume will be appreciated by all those who wish to learn these songs of mine.

Yours very sincerely, Rabindranath Tagore.

To

Pandit Bhimarao Sastri, Santiniketan.

निवेदन

ACOPONO

विश्वविख्यात डा॰ रवीन्द्रनाथ ठाकुरकी बनाई हुई गीतां-जिल किवता रूपसे प्रसिद्ध है। किन्तु संगीतमें भी यह एक ही प्रन्थ है। यह अमीतक हिन्दी-संसारमें संगीतके रूपसे अप्रसिद्ध था। किववर जिस प्रकार किव-सम्राट है वैसे ही संगीत-सम्राट भी है। उन्होंने अपनी बंगला किवताओं को स्वर स्वयं ही दिये हैं, और तद्नुसार ही यहां (शांतिनिकेतनमें) उनकी शिक्षा दी जाती है। गीतांजलिके गानके भावों तथा स्वरों का जिसक प्रकार सामंजस्य है, सो और कहीं नहीं पाया जाता। हमारी इच्छा हुई-कि इसका रसास्वादन हिन्दी संसार भी कर सके, इसी विचार-से स्वयं किववरके साथ रहकर इन गानों का स्वर साधन किया और आज देवनागरी लिपिमें स्वरलिप (Notation) करने का प्रयास किया है। इन गानों का चयन हमने बंगला गीतांजलि, अंग्रेजी गीतांजलि, तथा ब्रह्म-संगीत प्रभृति ग्रन्थोंसे किया है। 'बन्देमातरम्' तथा 'जनगण' इत्यादि गानोंका भी समावेश किया है। इस ग्रन्थका नाम स्वयं किववरने संगीत-गीतांजलि रक्खा है।

देवनागरी अक्षरोंमें प्रतिलिपि करते हुए वंगला उच्चारणको भी ठीक रक्खा है,नदुपरान्त कहीं कहीं त्रृटियां भी रह गई हैं,इस कारण कुछ बङ्गला उच्चारणकी नियमावली भी दी है। इसपर भी यदि त्रृटियां रह गई हों, नो पाटकगण हमें क्षमा करेंगे, और यदि हमें सूचित करनेका कष्ट करेंगे तो हमपर उनका बड़ा अनु-ग्रह होगा। अन्तमें श्रीयुत दीनेद्रनाथ ठाकुर महाशयको हार्दिक धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने स्वरिलिप करनेमें हमें विशेष सहा-यता दी है।॥ इति॥

> विनीत भीमराव शास्त्री

शांतिनिकेतन

वक्तव्य

वंगला एक स्वतन्त्र भाषा है, इसलिये इसकी उच्चारण रीति और लिपिमाला भी स्वतन्त्र है। तौनी इसे दैवनागरी अिपिमें लिखनेसे भारतवर्षके अन्यान्य प्रदेशोंमें भी इसका सौक्य हो सकता है, परन्तु बंगला उच्चारणका वैशिष्ट्य प्रकाश करना देवनागरों लिपिमें भा भुष्किल है। इसे देखकर ताकि छन्द और यतिमें काई भेद न पढ़े, इस विचारसे यथासाध्य बङ्गलामें जिस प्रकारका उच्चारण किया जाता है वैसे ही लिखनेकी कोशिश की है। इसपर भी बुटियां रह जानेकी संभावना है, इसलिये बंगलां उच्चारणके कुछ नियम दे दिये हैं।

वङ्गजा शब्दों के उचारणके साधारण नियम ।

१ बंगलामें अकारका उच्चारण हिन्दो अथवा मराठी अका-रके समान नहीं होता है, किन्तु प्रायः "अ" और "ओ" के बीचमें होता है, जैसे अंब्रोजीमें (No) के (o) कारके माफिक होता है, उसका चिन्ह (ॅ) यह रक्खा :—मंति=मित ।

२ वंगलामें क्षकारका उच्चारण पदके आदिने नित्य खकार होता है जैसे—क्षण=खण । किन्तु अन्यत्र उसका उच्चारण "क्ख" होगा, यथा—लक्षण=लक्खण॥

३ मकारके साथ जिस वर्णका योग हो वह वर्णे सातुनासिक द्वित्व हो करके मकारका लोप कर देगा जैसे:—पद्म=पहँ। किन्तु पदके आदि हो तो द्वित्व नहीं होता है, जैसे:—स्मृति=सुँति॥ ४ वकार और बकारको बकार ही पढ़ना चाहिये।

५ यकारका उच्चारण पदके बादिमें जकार ही होगा,जैसे:— योग=जोग; किन्तु पदके मध्य तथा अन्तमें यकार ही होगा, यथा—समय=समय, किन्तु यकारमें रेफ हो तो जकार होगा, जैसे:—धेटयें=धेंडर्ज । सूट्य=सूर्ज्ज ॥

६ सकारका उच्चारण प्राय: षकार ही होता है यथा:—एस= एष। किन्तु कहीं कहीं शकारके माफिक भी होता है यथा:— ईश्वर=ईश्शर।

9 यदि किसी वर्णका यकार अथवा वकारके साथ योग हो तो वह द्वित्व होकर यकार-वकारका लोप कर देगा, जैसे: —िनत्य= किस । वाद्य=वाद । किन्तु पदके आद्मि केवल वकार लोप होगा— जैसे : —स्वपन=सपन । ज्वाला=जाला । द्वार=दार ।

८ पदके आदिमें आये हुये इकार उकारका उद्यारण प्राय: हस्त्र होता है, जैसे:--पूजा=पूजा। ईश्वर=इश्वर, इत्यादि।

ध्पदके अंत्य वर्णका उच्चारण प्रायः हसन्त होगाः, जैसेः—संसार=संसार्। तोमार=तोमार्।

१० एकारका उच्चारण एकार और ऐकारके बीचका होता है, जैसे :—अंग्रेजीमें Lamp, यहां पर (a) कारका उच्चारण जैसे होता हैं।



स्वर ऋोर संवर-लिपि

- १—सा, रे, गा, मा, पा, धा, नी। यह सात ७ स्वर सगीत-शास्त्रके मूल हैं, उनको सप्तक कहते हैं। भारतीय संगीतमें तीन सप्तकसे ऊँचे सप्तकका व्यवहार नहीं होता है, इसिल्ये तान सप्तकके चिन्होंकी व्यवस्था की गई है। उक्त तीन सप्तकको शास्त्रमें मन्द्र, मध्य, और तार, भाषामें (हिन्दी) उदारा, मुदारा, और तारा, कहते हैं।
- २—मंद्रा सप्तकोंका विन्ह स्वरके नीचे विंदु,यथाः—नी धा पा मा गारा॥

मध्य सप्तकका चिन्ह स्वरके नीचे या ऊपर कुछ नहीं यथाः-रेगामा, पाधानी॥

तार सप्तकका चिन्ह स्वरक्ते उपर बिंदु,यथाः—रें गां मां पां भां नीं।

- ३—उपर्युक्त स्वरों के सिवाय और पांच स्वर हैं। उनको शास्त्रमें विकृत कहते हैं। अन के चिन्ह सुरके नीचे पड़ी पायी यथा:—रेगा मा पा धा नी। 'सा" और 'पा" विकृत नहीं होते हैं। शुद्ध मध्यम और कोमल मध्यम एक ही है। केवल तीव मध्यम है उसका चिन्ह माथेपर खड़ी पायी यथा: —में।॥
- ४ -गीतके चार भाग होते हैं। यथाः स्थायी, अंतरा,

- संचारी और आभोग। संस्कृतमें क्लोकके जैसे चार चरण होते हैं, उसी तरह ध्रुपदादि गानेमें चार चरण रहते हैं।
- ५—मात्राका विन्ह (-1) आँकार यथा सा,एक मात्रा; सा-1,दो
 मात्रा; सा -1 -1 तीन मात्रा इत्यादि । दो स्वर एक
 मात्रामें उञ्चारण करनेका चिन्ह=म्रा, रेंगा, गमा,
 मपा इत्यादि इसी तरह,तीन स्वर, चार स्वर, एक मात्रामें
 उच्चारण करना हो तो प्रत्येक अक्षर हस्व छिखकर आखीरमें
 आकार देना यथा:—सरेगा। सरगमा। सरगमपा।
 इत्यादि ।
- ६—अर्घमात्राका चिन्ह (:) विसर्ग, यथाः-सः रेः यहां विसर्गकी अर्घमात्रा, और स, अर्घमात्रा मिलकर एक मात्रा। किन्तु साः इस जगह दो मिलके १॥ डेढ् मात्रा क्योंकि, सा एक मात्रा और विसर्ग अर्घ मात्रा॥
- 9 प्रत्येक ताल विराम चिन्ह ''I" और स्थायी अंतरा इत्यादि गान आरंभ और समाप्तिका चिन्हः—II
- ् पुनरावृत्तिका चिन्ह यथाः— {सारागा} पुनरावृत्तिमें जो स्वर बीचमें छोड़ दिये जायेंगे, सो () चिन्हके भीतर रक्खे गये हैं: यथाः— {सारा (गामा) पाधा रेयहांपर पुनरावृत्तिमें 'गामा'को छोड़कर सारा पाधा, इन स्वरोंको छेना चाहिये।

ह स्थायी समाप्त करके पुनरावर्तन करनेके दूसरे स्वरको लेनेका चिन्ह—यथाः—

> [रागामा] इत्यादि। सारागा

- १० प्रधान स्वरके उपर दाहिने वा बांगे तरफ छोटे अक्षरमें जो स्वर लिखे हैं उनका स्पर्श करके ही प्रधान स्वरको लेना वाहिये, यथा:— सा मा सारे, यहांपर, रा स्वरको लेनेके वक्त, साको स्पर्श करके जाना चाहिये। शास्त्रमें इसको अलंकारिक स्वर कहते हैं, अंग्रेजोमें ग्रेस नोट कहते हैं।
- ११ तानका विन्ह स्वरंके नीचे शून्य यथा: —स्र्रग्मा यहां चार अक्षर मिलके दो मात्रा।
- १२ गमकका विन्ह स्वरके नीचे लुप्त अकारका विन्ह यथाः— सारागामा इत्यादि, (1111) यह विन्ह सब गान ऽऽऽऽऽ

समाप्त करके आखीर समाप्तिको दिखाता है।

॥ संगीत गीतांजिलमें आये हुए तालोंके ठेके ॥

चौताल मात्रा १२

१२3४ ५६ ७८ ६ १०११ १२ भ्राधार्धिता। तिट घा। धिंता। तिटिकत गदिगन।

तेवरा मात्रा ७

१२३ ४ ५६७ धातृक धिं। धाशातृक तीना।

तेताल मात्रा १६

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १०११ १२ १३ १४ नार्घिधानानाधिधानानातितिना।नाधि

१५ १६ धिंना।

भपताल मात्रा १०

१२३४५६७८६१० घिंना।घिंघिंना।कत्ता।घिंघिंना।

भंपक मात्रा ५

१२ ३ ४५ घिंना। घिं घिंना।

एकताल मात्रा १२ भाग ३ मात्रामें

१२३ ४५६ ७८ ६ १० १११२ घिं घिंना। घातूना। कत्ताधागि। तिरकिट घिंघा।

दाद्रा मात्रा ६

१ २३४५६ धीं धीं नानातूना॥

खेमटा मा० ६ । ३ मात्रा में भाग ॥

धीगना। धातीना॥

रूपकडा मात्रो ८

१२३ ४ ५ ६७८ श्रातुक घिं। धागितुक । तीं तीं ना।

दीपचंदी मात्रा १४

१. २ ३४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ ध्रां घिं । ध्राधा घिं -।। ता तिं -।। घा घा घिं -। -।।

धुमाली मात्रा ८! भाग २ मात्रामें

१२३४ ५६७ ८ ध्रिं धिं। नाधिं। नक् धिं नागि तुक।

नवताल मात्रा ६

१२३४५ ६७८ ह धाधिता। तिटिकत। गुद्दिगन। धागतिट

नवपंचताल

१२ ३४५६ ७८६ १०११ १२१३ १४ धातृक। धिं धिंनाना। धिं धिंतातृक। धिं धिंना ना। ३ ४

१५१६ १७ १८ र्वधं धिं धागि तुका।

0

स्चीपत्र

गीत	र्घ र
अंतरमम विकशित कर	۷
अमन आडाल दिये लुकिये गे ले	२३
आज धानेर खेते शैद्र छायाय	५६
आज बारि भरे भर भर	८१
आजि श्रावणघनगहनमोहे	, १०६
आजि भड़ेर राते तोमार अभिसार	१२२
৴आजि गंधविधुर समीरणे	২ ३३
आजि वसंत जाव्रत द्वारे	१८६
आमरा वे'घेछि काशेर गुच्छ	នន
आमारे जदि जागाळे आजि नाथ	२२ %
आमार माथा नत कोरे दाओ	१
आमार नयन-भुलानो पले	३ ३
आमार मिलन लागि तुमि	90
आमार खेला जखन छिलो तोमार सने	१६१
आमार एइ पथ चावाते आनन्द	२६७
आमारे तुमि अशेष करेछो	२६०
्रआलो आमार आलो ओ गो	381
आमि बहु वासनाय प्राणपणे चाइ	8-
आमि हेथाय थाकि शुधु	१०६

गोत	वृष्ठ
आर नाइ रे बेला नामलो छाया	१००
बारो बाघात सद्दे बाहार्	१४५
आवार एपेछे आषाढ़ आकाश छेये	१७०
श्रावार एरा घिरिछे मोर् मॅन	\$ 9
आनन्देरि सागर थेके	५२
्ञाषाढ़ संध्या घनिये एलो	કર્ફ
आलोय आलोकमय कॅरे हे	८५
उड़िये ध्वजा अभ्रमेदी रथे	१५२
रकिट नमस्कारे प्रभु क्रिकेट अधिकार केंद्रियां कार्या केंद्रियां कार्या कार	१३८
एवार नीरव कोरे दाओ हे तोमार	६७४
एवो हे एवो सजल ध न ं	99
एइ जे तोमार प्रेम ओ गो	ବଃ
एखनो घोर भांगे ना तोर जे	२८२
प्बार भासिये दिते हवे आमार् →	' २१४
∕एबार तोरा आमार जावार बेळाते	३६०
एइ मिलन वस्त्र छाड़ते हबे	२१८
एइ कॅरेछो भालो निठुर	२२६
बोइ आसनतलेर् माटिर परे	२४०
ओइ रे तरी दिलो खुले	३२१
कत अजानारे जानाइले तुमि	१६
कॅबे आमि बाहिर होलेम तोमारि गान गेये	308

गीत	वृष्ठ
के गो अन्तरतर से	२०३
कोन आलोते प्राणेर प्रदीप	३०६
कोधाय आलो कोधाय ओरे आलो	११६
कोलाइल तो बारण होलो	२८६
गाये बामार पुलक लागे	३ २७
जिंद तोमार देखा ना पाइ प्रभु	, २७३
जगत जुडे उदार सुरे	38
जत बार यालो जालाते चाइ	, 588
जगते आनन्दजङ्गे आमार निमंत्रण	284
जडाये बाछे बाघा छाष्टाये जते चाइ	१५७
जनगणमनअधिनायक	383
जननी, तोमार करुण चरणखानि	२६०
जा हारिये जाय ता भागले ब	३३०
जानि जानि कोन् आदि काळ हॅते	66
जात्री वामि ओरे	રદેષ્ઠ
जीवन जखन शुकाये जाय	१७७
जीवने जत पूजा	१६०
जेथाय थाके सवार अधम दीनेर होते दीन	388
जेथाय तोमार लूट होलेले	१४२
ते दिन फुटलो कमल	३६४
ाब सिंहासनेर आसन होते	823

गीत '	पृष्ठ
ताइ तोमार आनंद आमार् पर	१३१
तोमार सोनार थालाय साजोबो आज	88
तोरा सुनिस् नि कि शुनिम् नि तार पायेर ध्वनि	२७ ८
तुमि नव नव रुपे एषो प्राणे	१५
तुमि केमॅन कॅरे गान करो जे गुणी	२६
्तुमि प्रवार आमाय लहां हे नाथ लहां	१८०
्तुमि एकटु केवल बोसते दियो काछे	२४८
दया दिये होवे गो मोर्	२३३
,दाओ हे आमार भय भे ंगे दाझो	३२४
देवता जेने दुरे रइ दाँडाये	१३४
धने जने अ।छि जडाये हाय	१२५
धाय जेनो मोर सकल भालोबासा	२०६
नदीपारेर पइ आषाढेर	१६५
निभृत प्राणेर देवता	२५२
निशार स्वपन छुट्छो रे एइ	१०३
पारिब ना कि ओग दिते पह छंदेरे	६२
पेयेछि छुटि विदाय देही भाइ	300
प्रभु तोमा लागि आँ। ख जागे	ई४
प्रभु आजि तोमार दक्षिण हात	3 36
प्रति दिन आमि हे जीवन-स्वामि	२१०
प्रेमे प्राणे गाने गंधे आलोके पुलके	२२२

गीत	पृष्ठ
वंदे मातरं	398
बाँचान बाँचि मारेन मरि	३४१
विपदे मोरे रक्षा करो	१२
─विश्व साथे जोगे जेषाय विदारो	१२८
विश्व जखन निद्रामगन	१६७
मेघेर परे मेघ जमेछे	' २६
रूपसागरे डुब दियेछि	. 8 5 5
लेगेछे अमल धवल पाले	४०
शरते आज कोन अतिथि	Ę
सीमार माझे असीम तुमि	. ३०२
 सुन्दर बटे तव अंगद खानि 	२६ २
से जे पासे पपे बोसे छिलो	२३६
• हार-माना हार पराबो तोमार गले	२६३
हेथा जे गान गाइते आसा आमार	२५५
हेरि अहरह तोमारि विरह	११५
हे मोर देवता	१६३
हे मोर वित्त पुण्य तोर्थे	343

गीताञ्जली 🧼



पं० श्रीभीमराव शास्त्री

गीतांजिल

-१ॄंं +--है+ गाना

आमार माथा नत कोरे दाओ है तोमार चरण धूलार तले।
सकल अहंकार है आमार डुबाओ चोलेर जले॥
निजेरे करितें गौरव दान निजेरे केवलि करि अपमान।
आपनारे शुचु घेरिया घेरिया घुरे मिर पले पले॥१॥
आमारे ना जेनो करिं प्रचार आमार आपन काजे।
तोमारि इच्छा करो है पूणे आमार जीवन माफे॥२॥
जाचि है तोमार चरम शान्ति पराणे तोमार परम कान्ति।
आमारे आडाल करिया दाँडाओ हृदय पद्मदले॥३॥

राग इमन कल्याए।

ताल-तेवरा। मध्यलय। *

॥ स्थायी ॥

२ ३ १ २ ३ १ सा- $| \Gamma$ सान्। $| \Gamma$ सान्। $| \Gamma$ साम्। $| \Gamma$ साम। $| \Gamma$ साम।|

 गा I ग र ३ १ २ ३ १ गा I गि I नि I नी धिनि है I आ S I मा र्I हु बाओ I चो S I खे र I ज छे॰

सां I र नी - | भ्रे पा - | | | र पा र | | | र पा र | | |

अन्तरा॥

 $\left\{ \begin{array}{lll} {\bf R} & {$

१ २ ३ १ - |] सांनिधा ! श्राध ! पघनसां ! नी नी निध ! धिन - |] न् [निजेरे | केव | छि००० | करिअ० ! प ऽ]

३ १ २ ३ १ रां I सां सां I सां सां नि िघा - | पा पा ा मा गा - | | ऽ I रिया िघुरेम ि रिऽिप ले िप लेऽ। २ **३** गा-|ॄमा-|∏ आऽ∫मार्∏

॥ आभोग ॥

१ : २ ३ १ २ $\mathbf{z}^{\mathbf{z}}$ गांगाराI गां - I मां माI गां - I सा निI सा - I आ मा र्I आ S I $\mathbf{u}^{\mathbf{z}}$ $\mathbf{u}^{\mathbf{z}}$

१ २ ३ १ म २ ३ सारारा | सर-गा | गा - | गा गा गा गा | पा - | रा - | प तो मारि | इ० ८ | च्छाऽ | करो हे | पूऽ | र्णंऽ |

॥ संचारी ॥

 $\begin{cases} {\it t} & {\it t} & {\it t} \\ {\it q} & {\it t} \\ {\it$

र प्राप्त के प्राप्त

 $\begin{array}{c} \textbf{u} \\ \textbf{u} \\ \textbf{q} \\ \textbf{l} \\ \textbf$

३ १ २ ३ १ रां I सां - | I सां सां नि l धा - | I पा - | I मा गा - | I ऽ I डाओ I हृदय I पऽ I इ ऽ I द ले ऽ I

२ ३

गा । । मा र Ⅱ

 $+ \ II$ यह चिन्ह जहां रहेगा, वह स्थायी गान करके प्रथम समसे आरंभ करना ।

गान #

आमि बहु वासनाय प्राणपणे चाई।
वंचित करे बाँबाले मोरे॥
प रूपा कठोर् संचित मोर् जीवन भरे।
ना चाहिते मोरे जा करेखो दान्।
आकाश् आलोक् तनु मनप्राण॥
दिने दिने तुमि नितेखो आमाय्।
से महदानेरि जोग्य करे,
अति ईच्छार् संकट होते बाँबाये मोरे॥
#Gitanjali Eng. Trans. No. 14.

आमि कखन वा भुिल कखन वा चिल ।
तोमार् पथेर् लक्ष्य घरे ॥
तुमि निष्कृर सम्मुख होते जाओ जे सरे ।
पई जे तब दया जानि जानि हाय
निते चाओ बोले फिराओ आमाय
पूर्ण करिया लबे प जोवन्
तब मिलनेरि जोग्य करे

राग मिश्रकामोद्।. एकताल। विलंबितलय।

१२० ३ सा सा ॥ रापम पा I पा पा -। I मप धा पा I मा गा मग I आ मि ॥ ब हू० वा I स ना य् I प्रा० ण् प I णे चा ० ई I

१ २ ० ३ १॥ रा-। गाI मा $^{\mathrm{I}}$ प्रापI मा गा मगI रा सा -। I सा सा मा I वं S विI त करे I वा वा छेS I मो रे S I पई कु पाI

२ ० ३ १ २ मा मा गमप I पा -। धा I नि सां निसंरं I सां नी संनीI धा नि क ठो ०० र I सं S नि S

॰ ३ धा र पा - । रा र - । गा मग । । भ र र र र र र र ०० । ।

॥ अन्तरः॥

१ २ ० ३ १ नि पापापाI घाघ। नि I सां रंगं रंI सां सां -I सां ना चाहि I तो मो रे I जा क० रे I छोदा न् I आ का

२ ० ३ १ वाI नि सां नि संर्वI घा घा ती I घा घा ती I घा घा ती I घा घा ती I घ्रा I श्र्रा आ लो ००क्I त तु म० I न प्राण्I दि ने दि I

२ ० ३ ं१ २ २ मा पा पा पा I मा पध पा I मा गा मग I रा गर गा I मा भा भा ने तु मि I नि ते॰ छो I आ मा य् I से महा I दा ने

० ३ १ २ ० पा I मा गा मग रा न सा रा सा सा सा मा र न गा मा र पान रि I जो ऽम्य० किरेऽ । अंति ई रिच्छार सिंऽ

धा I नि सां निसंरं I सां नि सां नि I धा नी धा I पा I रा I न सां नि I धा नी धा I पा I रा I न सां नि I दे I रा I रा

रे गा मग II ८ ०० II

॥ आभोग ॥

ससा I आमि I

१ २ ० ३ १ रापमपा रापा रामा पश्चपा सागा मग रा गर क ख०नो र वा भू लि र क ख०नो र वा च लि० रितो मा०

२ ० ३ १ २ गा | मा मध्यपा | मा गा मण | रासा - | | सा सा मा | - | रो | पथे०र | छ ८ ६४ | ध रे ८ | तुमि नि I ऽ

० ३ १ मगमा I पा - । धा I नो सां निरुंशे सां - । संनि I धानी प्छुर I सं ८ म्मु I खंहो ते०० I जा ८ ओ० I जे ८

॥ संचारी ॥

 $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} \\ \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf$

सां निसां] धानी संरं] सां निसं नी] धा धा नी ते चा] ओ बो छे । कि रा ओ] आ मा य र ० ३ १ २ धा] पा पा पा] मा पध पा] मा गा मा] रा गर गा] मा र्ण] कि रिया] ल बे प] जी व न् । ति ब जि म] ल ० ३ १ २ मघपा I मा गा मग I रासा -। I सा सा ^समा I -। मग मा I ने० रि I यो ऽग्य I करेऽ I आधाई I ऽच्छा०र I

 $m{v}$ श्रित सं निसं निसं निया नी भ्राप्ति । भ्राप्ति सं निसं निया नी भ्राप्ति । सं $m{v}$ कि $m{I}$ ट हो ते ० ० बा चा $m{v}$ पि $m{v}$ सं $m{v}$ कि $m{I}$ ट हो ते ० ० बा चा $m{v}$ पि $m{v}$ सं $m{v}$

है रा] -| गा मग]] ऽ I ऽ ऽ ०० |]

अंतर मम विकशित कर
अंतरतर है

निर्माल कर उज्जल कर
सुंदर कर है।
जाग्रत कर उद्यत कर
निर्भय कर है
मंगल कर निरलम निःसंशय कर है
अंतर मम विकशित कर
अंतरतर है।
युक्त कर है सबार संगे
मुक्त कर है बंध
संजार कर सकल कर्म
शांत तोमार छंद।

चरणपद्मे मम चित निस्पंदित कर हे नंदित कर नंदित कर नंदित कर हे अंतर मम विकशित कर अंतरतर हे।

प्रार्थना । रागिणी, । भैरवी । ताल दादरा । मात्रा ६ । तिस्रजाति मध्यलय ।

॥ स्थायी ॥

है १ है $\{1,1,1,1\}$ $\{1,1\}$ $\{1,1\}$

१ ३ गारा। गार्गमपपा रिमागार मुगुरा सारा सर् रिगर्म रूकर रिड०० ज्वेरिकक० र स्सुं ८ द० रि०

१ के १ के मा प्राप्त करा है S दे है S कि दे S है S

गुसाग्11 5 5 5 1 1

॥ अंतरा ॥

 $\prod_{II} \left\{ \begin{array}{ll} \xi & \xi & \xi \\ \text{en } \underline{y}_{I} & \underline{y}_{I} & \underline{y}_{I} & \underline{g}_{I} & \underline{g}_{I} & \underline{g}_{I} & \underline{g}_{I} & \underline{g}_{I} \\ \text{en } \underline{s}_{I} & \underline{s}_{I} \\ \end{array} \right.$

१ ३ १ धागां गां । गां गुंरं गुंमं । गां । गां । संति सां । } । धा नि ऽर्भ । य क०र० । हे ऽऽ। ००ऽऽ । मं

२ १३ १३ सां सां I सां गुं गुं सं I ति सां ति I घ्रा प्रधु मा I पा ति निघ्रा S गI लकर S निरल्हास निः S I सं S श्रI

१३ पामगुमा I गुन्न | गुसारा I I यक०र | हेऽऽ I ऽऽऽ I ऽ

॥ आभोग ॥

३ $\mathbf{p}^{\mathbf{q}}$ ३ $\mathbf{p}^{\mathbf{q}}$ $\mathbf{p}^{\mathbf{q$

र ३ मप्गा। पापितृ धा! पम पामा I मा पागा I मा धुप मा I क०र Iसः क०ल किऽऽर्में I शांऽत ∃तो मा०र् I

१ **३** ंगानगासानना छ'ऽंऽा **३ऽऽा**

॥ संचारी ॥

 $\left\{ \begin{array}{lll} \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} \\ \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R} & \textbf{R$

३ १३ सां [सांग्रंग्सं] तिसां ति [ध्रापापम] पाति ध्रा]प दि] तकरु [नं ० दि] तकरु [नं ८ दि] त

१३ मगुमा I गुः । रा साः । रा II कः र I हे ८८ I ८८ ऽ II विषदे मोरे रक्षा कर, ए नहें मोर प्रार्थना
विषदे आमि ना जेनो करि भय्।
दृःख तापे व्यथित चिते नाई वा दिले सांत्वना
दृःखे जेन करिते पारि जय्॥
सहाय् मोर् ना यदि जुटे, निजेर बल ना जेनो टुटे
संसारेते घटिले क्षति लिमले शुधु वंचना
निजेर् मने ना जेनो मानि क्षय्॥
आमारे तुमि करिबे त्राण ए नहें मोर प्रार्थना
तरिते पारि शकति जेनो रय्
आमार् भार्लाघव करि नाई वा दिले सांत्वना
चहिते पारि एमिन जेनो हय्।
नम्रशिरे सुखेर् दिने तोमारि मुख लईबो चिने
दूखेर् राते निखल धरा जेदिन करे वंचना
तोमारे जेनो ना करि संशय्॥

राग इमन कल्याण ताल भंपक मात्रा ५ द्रतलय्। ॥ स्थायी॥

१२ II सा सां सां I नि नि l धा । धा I पापा I धा धा I विप दे l मोरे Iर ८ क्षा l करो I प न हे]

१२२ पार्म I मेगा मेग मे I मिन धाI धाधापाI पाराI गा गा मो रI पा०० धंI नाऽ I विप देI आ मिI ना जे

२ १ २॥१ २ १ $\pi III = \pi I = \pi$

२ १ २ १ २ १ २ १ २ १ न् I मि I म

१ २ १ २ १ २ पा - । पा I पा रा I गा गा गा I रा रा I सा - । - I - । - I I दुः S स्वे I जे न I कि दि ते I पा रि I ज S य् I S S I I

॥ अंतरा ॥

 $\left\{ egin{array}{ll} ? & ? & ? & ? & \\ \textbf{qlqlnl} & \textbf{qlqlnl} & \textbf{Ill} & \textbf$

२ १ २ $\{i \text{ ti } I \text{ ti } f \text{ I ti } I \text{ ti } I \text{$

२ १ २ $\mathbf{t}^{\mathbf{t}}$ सां सां I नि नि I घा घा घा I पा मा I मा मा मा I नि टि ले I क्ष ति I ल भि ले I शु घु I वं ०० च I ना

२ -1 -1 [5 5]

॥ आभोग ॥

मं र्रा मं रिवासिया मित्र प्राप्त स्थापा विकास स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्य

२ १ २ १ २ १ $\pi_1 I$ राराI सा $\{1,1\}$ $\{1,1\}$ $\{1,1\}$ $\{1,1\}$ $\{1,1\}$ सासा $\{1,1\}$ तो $\{1,1\}$ तो $\{1,1\}$ तो $\{1,1\}$ तो $\{1,1\}$ तो $\{1,1\}$

न् I भा न् I न् I सा न् I सा न् I सा न् I सर गा I व I क रिI ना ईवाI दि छेI सां S त्व I ना S I

१ २ २ २ २ २ मपा पा पा I पा रा I गा गा गा I रा रा I सा -| सा I -| I व हि ते I पा रि I ए मिनि I जै नो I ह S यू I -| I -|

 $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$ $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \end{array} \right.$

२ . १ २ १ २ सां सां I नि I घा घा घा I पा मा I मंना मं I मंनि खिल र I घं ०० च I ना

. १२२१२ श्राष्ट्रियापा पारा∏गागागा रा⊣[सा-|-}∏ ऽ Iतो मारे बिजेनो नाक रि सिंटी शटयू I

२ -ı -| ∏ ऽ ऽ ∏

> तुमि नव नव रूपे एषो प्राणे। एषो गंधे वरणे एषो गाने॥ एपो अंगे पुलकमय् परदो, एषो चित्ते सुधामय हरषे एषो मुग्ध मुद्दित दुनयने। तुमि नव नव रूपे एषो प्राणे॥

वर्षो निर्मल उज्वल कान्त एषो सुन्दर क्लिग्ध प्रशान्त एषो एषो है विचित्र विधाने। एषो दुःखे सुखे एषो मर्मे एषो नित्य सब कर्मे; एषो सकल कर्म अवसाने। तुमि नव नव रूपे एषो प्राणे क्ष

राग-मिश्र रामकेली। ताल-तेताल। मध्यलय्।
॥ स्थायी॥

मा मग ॥ तु मि०॥

ि १ २ मा निधु निधुधुप रिपापाधापारिमा - । धुधुपपरिमप - । न व ० न ० व स्हिपे ए यो रिप्राट ००००। णे० ऽ

१ २ | ति -| -| -|] रंरं संनिधा पम || धृ०॥ | ते ऽऽऽ! ००००"तु मि०"||

॥ अन्तरः॥

॥ श्रापा॥ ॥ एषो॥

े १ माधाधाधा दिनि सांसर्ेे । स्तिनि सांनार्टेन सां अं ऽगेपुळिक मय्०ाप र शेऽऽऽए

ं ० ३ १ २ ग्रं ये गुर्गे गुर्गे ग्रं ग्रं ग्रं ग्रं मं ये विसां न ये साधाधा यो विदतसु० या धा० दमय हिर षे दी ददर

॰ १ १ $_{\rm II}$ मा $_{\rm II}$ सांसिं संसिन् सांसर् $_{\rm II}$ सांनिपा $_{\rm II}$ $_{\rm I$

२ गुंगुंसंनिधा पमी ०० ०० "तुमि०" I

॥ आभोग ॥

II सा सा I II द बो I ० ३ १ २ { सारामामा I मा-। मामा I मा - । गापा I मापगगा गा िनि ८ में छ र उच्च छ I का ८८८ [न्त० ० ए षो

० १ І मा गासारा गिगमपमा मा रिगारा - । - । सा - । र सुंड दरीसि०० ग्यन्न शिंड ऽऽ रिन्दु ऽ

२ |सा-|(सासा) } धापा| | नेऽ एषो } एषो|

॥ संचारी ॥

 $\left\{ \begin{array}{ll} \textbf{a} & \textbf{b} & \textbf{c} \\ \textbf{a} & \textbf{b} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} \\ \textbf{c} \\ \textbf{c} & \textbf{c} \\ \end{array} \right. \\ \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{c} & \textbf{c} & \textbf{c} \\ \textbf{c} \\ \textbf{c} \\ \textbf{c$

o $\mathbf{\xi}$ $\mathbf{\xi}$ $\mathbf{\xi}$ $\mathbf{\eta}$ \mathbf{I} $\mathbf{\eta}$ \mathbf{I} $\mathbf{\eta}$ \mathbf{I} $\mathbf{\eta}$ \mathbf{I} $\mathbf{\eta}$ \mathbf{I} \mathbf{I} $\mathbf{\eta}$ \mathbf{I} \mathbf{I}

 $\begin{array}{c} \bullet & \textbf{3} & \textbf{2} & \textbf{2} \\ \underline{\textbf{2}} & \textbf{q} & \textbf{1} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \underline{\textbf{2}} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \underline{\textbf{v}} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} \\ \end{array}$

० ३ - | ग़सा I सासंनिसां संग्रं I निसां निपाधा I नि - | - | - | I ऽएषो Iगं०० धे व० I रणेगाऽ I ने ऽऽऽ I

रेरं संनि धा पम II II ०००० "तु मि" II II

कतो अजानारे जानाई छे तुमि कतो घरे दिले ठाँई,
दूरके करिले निकट बंधु परके करिले भाई ॥
पुराणो आवास छेडे जाई जबे
मोने भेवे मोरि कि जानि कि होबे
नूननेर् माझे तुमि पुरातन सेकथा जे भुले जाई ॥
जीवने मरणे निखल भुवने जेखाने जेखाने लोबे।
चिरजनमेर् परिचित ओहे तुमिई चिनाबे सबे॥
तोमारे जानिले नाहि केह पर
नाहि कोनो माना नाहि कोनो डर
स्वारे मिलाये जागितेछो तुमि देखा जेनो सदा पाई॥

राग मिश्र हमीर ताल रुपकड़ा मात्रा ८ मध्यलय्

१ २ ३ १ २ पा सं संनि ^{घि}नि - घा रिप्त पा मघा रिपा मा पर्म रिगा - मग कत अर्थ रिजा ऽरिनार्ध ०० रिजानाई ० रिले ००

३ १ २ ३ १ | मानिधा | धा धाने धा | पारे | गमप मा गम | रा -। गस | तुमि ऽ 1 कत०घ | रे० | ००० दि छे० | ठाँऽ ००

२ २ ३ म -। निघर प्रधानि धनिसं र निनि -। र धप म्पा -। र ऽ०० र भा ऽ००० र ०० ऽ र

॥ अन्तरा॥

 $II \left\{ \begin{array}{ll} \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{$

३ १ २ ३ सं नि I सां सां सां I सां सां नि I धानि -। I ० ० I जबे SI मो नि भे I बे S I मो रि S I

१ सं २ ३ १ १ २ सं $\dot{\epsilon}$ सं $\dot{\epsilon}$ सं $\dot{\epsilon}$ सं $\dot{\epsilon}$ निधा $\dot{\epsilon}$ निधा $\dot{\epsilon}$ निधा $\dot{\epsilon}$ सं $\dot{\epsilon}$ कि $\dot{\epsilon}$ नि $\dot{\epsilon}$ कि $\dot{\epsilon}$ निष्ठ $\dot{\epsilon}$ हो बे० ०० $\dot{\epsilon}$ नितृत ने $\dot{\epsilon}$ र

रे प्राप्त विश्व कि एक स्थाप । प्राप्त विश्व विष्य विश्व विष्य वि

१ २ ३ १ २ सामामा निमा गप ीपापा - 1 िधा नो धनीसं निनि संकथा । जे०० स्रिलेऽ निना ८ ०० र

है मं -।धिय पा-।][ऽ ०००ई|[

॥ आभोग ॥

 $\left\{ egin{array}{ll} \{ & \{ \}$

है \mathbf{v} प्रमानी \mathbf{v} प्रमानी \mathbf{I} \mathbf{v} प्रमानी \mathbf{I} \mathbf{v} \mathbf{I} \mathbf{v} \mathbf{v}

२ ३ १ २ ३ ध मंप I मा - I - I - I - I मा मा मा I मा गप I पर्मधा - । ०० I बेऽ Iऽऽऽ I चिर जी न०० I मे० रूऽ

१ २ ३ १ २ ३ \PI मा गा I मा गम I मा गम I मा मा I मा I मा मा I मा I में I चिना I वे

गापाI नी -| धाI धित -| | धापा -| I $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$

॥ संचारी॥

३ १ २ ३ १ -सां-। - $_{1}I$ सां सां सां $_{1}I$ नि: नि: $_{2}I$ धानी - $_{1}I$ सां रां सां $_{3}I$ प $_{2}I$ ना हि कि $_{3}I$

१ २ ३ १ २ -| I मा गा गा I मा गम I रासा -| 1 सामा मा I मा गप _ S I जा गिते I छा ०० I तुमि S I देखा जे I नो ,०० ३ १ २ ३ मे | पापान| प्रधानी धनीसं | निनिन| प्रिय पान| 1 | सदाऽ | पाऽ००० ००ऽ | ००० ऽई |

Gitanjali Eng. Tr. No. 63.

श्रोमन् आडाल दिये लुकिये गेले बोल्बे ना।

एबार् हृदये माफे लुकिये बोसो—के ओ जान्बे ना किछु बोल्बे ना

विश्वे तोमार लुकोचुरी, देश विदेशे कर्तः घुरी,

एबार् बोलो आमार् मनेर् कोणे देवे घरा छल्बे ना!

जानि आमार् फिटन् हृदय चरण् राखार् जोग्यसे नय्

सखा तोमार् हावालाग्ले हियाय् तोबू कि प्राण गोल्बे ना!

ना ह्य आमार नाई साधना, भर्ले तोमार् हपार् कणा

तखन् ।नमेषे कि फुर्बेचा फुल्, चोकिते फल् फोलबे ना!

राग मिश्र भैरवो। ताल दादरा मात्रा ६ तिस्रजाति मध्यलय

॥ स्थायी ॥

मा मा 11 हिन् नि न 1 घाषा न। पाषा मा 1 रेसा न 1 ओ मन् 11 आ हा ल् 1 दिये ऽ 1 लुकिये 1 ने लेऽ 1 र प प पाषा मा वि न न 11 घाषा न न 1 (पाषा मा) र घाषा चो ल के 1 ना ऽ ऽ 11 ऽ ऽ ऽ 1 ओ म० न् 1 प बा

१ ० १ ० १ - | प्रिया सां नि | सां सां - | नि नि नां | ग्रां ग्रां - | ग्रां ग्रं सां ग्राह्य द्यो मा भोऽ। लुकि ये । बो सोऽ। ०० ऽ

^얼ਰ 나 얼마 1 I - 하 S S I I

॥ अंतरा 🛭

गुं । रांगुं रुंसां । सांसरुं गुं । गुंगुंसां वि । दे शे०० । कत० ई । घुरीऽ । ०० ऽ

सं^१ संसाति । निसाति घा घती ती । घापा । I मपा मनेरा को णेऽ दिवेऽ घराऽ। छ

-। गा । गुंधा -। I [] । स्र बे । ना ऽ I [] I

॥ आभोग ॥

े प्रमान शिया गाँ (रासार्ग) रासान शिया ना शिया गाँ (रासार्ग) रासान शिया सान शिया सान शिया सान शिया सान शिया सान

रं. ० १ -|-|-| | सासाति़्! ∫सासाधा ! धाधा-| | पा | पा | ऽऽय् | स.काऽ | (•तोमा र्] हावाऽ | लाग्ले |

॰ वं १ ० १ पा वागा मापानो । घापा घपा । मा पमा गा । हि याय्। तो बूऽ। कि प्रा०ण । ग० छ वे ।

° गारासा रे। नाउ ऽ

॥ संचारी ॥

o १ र न्यान् I घा घा न्या I सां गां I सां गां I सां गां I सां गां ना ह्य I आ सार् I ना है साI घन I कर

्यां । रां गां रंसां । सां संर्गां । गां रां रां रां सां ते । तो मा∘र् ! कृपा॰र ! कृणाऽ ! ०० ऽ - I (-----) I - । धा धा 1 धा गां गां - । । र सां नि 1 रें । ऽ 1 ऽ ऽ ऽ 1 ऽ त बन् 1 नि मे ऽ 1 चे कि ऽ 1 फु इ सां 1 नी नी धा 1 धा पा । 1 मिपा - । गां । बे 1 ना फूल् 1 चो कि ऽ 1 ते फल्र 1 फोल्र बे 1

गुष्धा । -। II नाऽऽII

मेघेर पर मेघ जमेछे आँधार करे आसे।
आमाय् केन वसिये राखो एका द्वारेर् पासे॥
काजेर दिने नाना काजे थाकि नाना लोकेर् मार्के।
आज् अमि जे बोसे आछि तोमारि आश्वासं॥
तुमि जदि ना देखा दाओ करो आमाय् हेला।
केमोन् करे काटे आमार् एमन् बादल् बेला?
दूरेर पाने मेले आँखि केवल् आमि चेये थाकि।
पराण आमार केंद्रे वेडाय् दुरंत बातासे॥

राग मिश्रसिंधु ताल एक ताल। मात्रा १२ बिलंबितलय।

२ ३ ० १ २ ३ रासा साI प्राप्ता I प्राप्ता I प्राप्ता I प्राप्ता I प्राप्ता I के विद्र्र I पर्रे I में घूज्र I में विद्र्र I पर्रे I में घूज्र I के

० १ २ ३ ० सारा र्विसरगुमगुरा - | -| रिमापामा र्विति - | रिघा रेऽ रिथा००००० रिसेऽऽ रिथामाय् किन ऽ रिव

१ २ ३ ० पा घप I मा पा -| I मा पम संति I तिघ पा घा I मप घप सि ये I रा सो ऽ I ए का॰ ऽ I द्वा॰ रे र् I पा॰ ००

१ मप् 1 मगु - | - | 1 || ०० 1 से० 5 5 1 ||

N अंतरा N

 $\left\{ egin{array}{ll} \mathbf{2} & \mathbf{3} & \mathbf{5} &$

३ ० १ २ ३ १ पापा-। मापम सां ! सां सां निर्दे ! धाधानां ! धापाः ! मिजेऽ! बोसे॰ऽ! अ। छिऽ! तो माऽ! रिआ

० १ धाः I मप धप मप I मगु -। ।॥ ऽ I श्वा० ०००० I से ऽऽ॥

॥ आभोग ॥

२ ३ ० १ २ सासा-| |-| सारा | नीस रारा | राराः गाः | मापा-| | | तु मिऽ | ऽजदि | ना० ऽदे | खादाओ | करऽ |

२ ० १ श्वापधप मगी रंग मप मगी (मागुर सानी) ी आ मा००यी ह००० छा० । २०००० ।

१ २ ३ ०. १ २ मा रा न ो मा मा ना ो ना मा । मग मग रस्तर ो मा पा ना । पा मप ऽऽऽो के मन ऽो ऽक रे ो का०टे० ००० । आ मार्ऽो ए म०

धित् I प्रिया -| I मग रग मप I मपम गम -| I ० न् I बादल् I बे० ०० ०० I ला०० ०० S

१ -1 -1 -1] S S S]

॥ संचारी ॥

 ३ १ १ १ १ ४ १ था - | 1 - | भाभाधा | धांपधित्सं तिधित् | धापा - | | भाव ऽ | ह्यामि | चेये०००००० | धाकि - | I) प

३ ० १ या - | I - | यापघ | मापम सां | सां तां तां रं बं सां राऽ | ण्ञामार् | कंदं०ऽ | वेडाये० | दुरं

२ ० १ -||धापाधा]मपधपमप्]मगु-|-|| ऽ!तबाऽीताः ००००| सें०ऽऽी

Gitanjali Eng. Tr. No. 18.

तुमि केमन कोरे गान करो जे गुनी अवाक् होयं शुनि केवल शुनि।
सुरेर आलो भुवन फेले छेये सुरेर् हावा चले गगन बेये॥
पाषाण टूटे ब्याकुल् वेगे धोये बोहिया जाय् सुरेर् सुरधुनो।
मनै करि ओमृनि सुरे गाई कंठे आमार् सुरु खूँ जे ना पाई।

कईते कि चाई कईते कथा बाधे हार् मेने जे परान् आमार् कांदे। अमाय् तुमि फेलेछो कोन् फाँदे चौदिके मोर् सुरेर् जाल बुनि॥

राग मिश्र खम्माच । ्ताल चतस्त्रजाति त्रिपुट मध्यलय

॥ स्थायी ॥

ा गा गा 11 - 1 मा मा धा 1 ध्व - 1 मा गा 1 रा गा . 1 रा सा - 1 सा - 1 सा - 1 रा कि उस न् 1 को उरे ऽ 1 गा न ऽक 1 रो ऽ

॰ १ २ नि । I नि । सा । । I । सा नी I सा । रा । I । । सा जे ऽ I गुऽनी ऽ ऽ I ऽआ मि l अ ऽ वा क् I ऽऽ हो ० १ २ ३ नी़ I सा-।ग-। - | सानी़ | सा-। मप-। [-।-। ये | शुऽनी∘ | ऽऽकेवल् | शुऽनिऽ ऽऽ

(मागा) [[] (तुमि) [[]

॥ अंतरा ॥

ा। न न प्रसासा । मिनान नामा । मीना पा। इ.ट.। सुट रेग्। आट' छोटी सुट व न्।

है वाधा ^धपान । पैमानपान । निन्न न । पैमान मा फेंड लेंड । छेड येड । इंडड इंड

है । विश्व विकास की स्थाप की प्राप्त की स्थाप की प्राप्त की स्थाप की प्राप्त की स्थाप की प्राप्त की स्थाप की स

२ पाननी नI नी सांन संघान I धर्मान पान I न न न न व स्थार कुल्I वें ऽ गें ऽ I धें उपें ऽ I ऽ ऽ ऽ ऽ

२ | रागारागा रिगरागा मा नाधा विषा नामा | धु ऽनीं ऽ दि उमि ऽ कि ऽमोन् को ऽ रे

॥ आभोग ॥

० १ २ ३ ० पा-|पा-|^Тघा-|घा-|^Тघनी-|-|नी-|नीसाघा [सा-| मऽनेऽ|कऽरिऽ]ओ०ऽम नि [सुऽरे] गाऽ

॥ संचारी ॥

े १ तिसामा - 1 ना - । मार्मा मिन - । पा पा प्या प्या - । को ईते 1 कि ऽचा ई को ईते ऽ कि ऽ धाऽ

- । प्रमा-। पा - । प्रमा था । प्रमा - । प्रमा

सं रां - 1 धर्मा - | पा - 1 | न - 1 - 1 | मा - 1 - 1 मा | मा को न । फाँड देड । ऽऽऽऽ। चौ ऽऽदि । के

-1 पा -1 1 प्राप्ता -1 1 -1 -1 -1 -1 -1 नि.सा 1 रा गा 1

{ ग^{रे} ग रागा } तु ऽ मि ऽ

^{*} Gitanjali Eng. Tr. No. 3.

आमार् नयन भूलानो एले। आमि कि हेरिलाम हृदय मेले॥

शिडलितलार् पारे पा रो,
भरा फुलेर् राशे राशे,
शिशिर् भेजा घासे घासे
अरुण रांगा चरण फैले
नयन भुलानो पले।

आलो छायार् आँचलखानि . लुटियेपडे बने बने, फूल गुलि वोई मुखे बेये कि कथा कय् मने मने।

> तोमाय मोरा कर्वो बरण मुखेर ढाका करो हरण, वोई दुकु वोई मेघावरण् दु हात् दिये फेलो ठेले। नयन भुलानो एले।

वनदेवीर द्वारे द्वारे शुनि गभीर शंक्षध्वनि आकाश वीणार तारे तारे जागे तोमार आगमनी।

> कोधाय सोनार न्युर बाजे, बुक्ति आमार् दियार् माफे, सकल भावे सकल काजे, पाषाण गला सुधा ढेले नयन भुलानो पले!

राग मिश्र बिलावर एकताल। मध्यलय मात्रा १२

॥ स्थायी॥

सा सा \parallel रा पा $^{\prime}$ मा $^{\prime}$ पा $^{\prime}$ पा $^{\prime}$ पा $^{\prime}$ मा $^{\prime}$ मा $^{\prime}$ मा गा मा आ मार् \parallel न य $^{\prime}$ ऽ $^{\prime}$ न $^{\prime}$ उर्ज े ऽ

 $\{\mathbf{r}_{\mathbf{I}}, \mathbf{r}_{\mathbf{I}}, \mathbf{r}_{\mathbf{I}}, \mathbf{r}_{\mathbf{I}}\}$ प्राप्ता प्रापा \mathbf{I} धा -। भी \mathbf{I} सांसां भी \mathbf{I} न य \mathbf{I} \mathbf{I} मि \mathbf{I} भी \mathbf{I} है \mathbf{I} \mathbf{I} लाम् \mathbf{I}

ा अन्तरा ॥

्र २ ० ्र १ । पा-। पा । घा घा नी I सां गं गंरं I नीं सां -। I सां I । शिव S ही I त हार्S I । पा रो S: I भ

 \mathbf{e}^{i} भानी I सां संनी \mathbf{I}^{i} सां नी संनी \mathbf{I}^{i} भा पा - I भा रा \mathbf{S} \mathbf{I} पा के \mathbf{S} \mathbf{I} पा के \mathbf{S} \mathbf{I}

धासां I संधापा ध्यापा प्रमापा-। I मा गा-। I रागा शिर SI भेजा SI धासे SI घासे SI अहण

२ ० ३ सं + |I| = 1 प्राप्ता + |I| = 1 प्राप्त

॥ आभोग ॥

१ धा धा सां I संधा पा । I मा पा । I मा गा । I आ लो S I छ। य। I S I आ वल S I छ। I S I हा रे S I हा रे S I

१ २ घ ० ग \S १ रागर गाI सा 2 पा $_{1}$ I मा गा मग I 2 रसा $_{2}$ I 2 I 2 I 2

२ ० नि^३ संगं । गंरं सां - । ! नी नी संनी । ^{नि३}धा पा - । ! कः । था० कय्ऽ। मो ने ०० । मो ने ऽ। ०० । तो । मार्ऽ। आ ग००। मनी ऽ।

॥ सञ्चारी ॥

१ २ q पा पा q पा नी q पा q

र संधानी I सांसनी रां I सांनी संनी I मां संनी रां I सांनी संनी I मां से I सांसी संनी रां I करो I ह र I सांसी र I सां

्। धसंI संधापा-II पा धपा-II मा गा-II गा \mathbf{r} है \mathbf{r} गा \mathbf{r} है \mathbf{r}

२ ० ३ संनी सां I I I - | I मापा - | I धा नी - | I नीसं ^सनी सां I I I ऽ I दिये ऽ I फे लो ऽ I ठे० ले आमार् I I I ऽ I ग ला ऽ I सुधाऽ I ढेले आमार I I I

यहां दो अंतरा है, और दो सञ्चारी है, लेकिन सुर एक हैं, इसलिये स्वरलियी एक साथ दी है।

> जगत् जुडे उदार सुरे आनन्द गान बाजे, सो गान कवे गभोर रवे बाजिबे हिया माके ?

> > बातास जल भाकाश भालो सबारे कवे बासिको भालो, हृद्य सभा जुडिया तारा बोसिबे नाना साजे।

Į

नयन दृष्टि मेलिले कबे
पराण होबे खुसि,
जे पथ दिया चिलया जाबी
सबारे जाबो तुषि ।
रोयेको तुमि प कथा कोबे
जीवन माझे सहज होबे,
आपनि कबे तोमारि नाम
ध्वनिबे सब काजे।

भृपद राग इमन कल्याण ता॰ तेवरा मात्रा ७ मध्यस्य। ॥ स्थायी॥

े २ ३ १ २ ३ १ ो नी। I घापा I रे-गा-गर I सा -। I -। -; I सा सा -। I ो दऽ I गान I बाऽ०० I जेऽ Iऽऽ I से गान् I

२ ३ १ २ ३ १ सा - | I निः धांनी I धांपा I पा - | I सासासा I कऽ I बेऽ I गभीर Iरऽ I बेऽ I बाजि बे I

२ है ं १ प २ I रेगा I रेपा I पा मा I गा न I I - 1 - 1 I I हि ऽ I या ऽ I मा ऽ I के ऽ I ऽ ऽ I

॥ अन्तरा ॥

१ २ ३ १ २ सां I पापापा I पामा I पा-| I नी नी था I पामा I ऽ I सबारे I कऽ I वेऽ I वासिव I भाऽ I

२ ३ १ २ ३ १ मा -|I| मा गा I रा गा रा I पा -|I| मा गा I रा गा गर ता SI रां SI बो सि बे I ना SI ना SI सा SI ००

२ | दिसा -| रि -| रि रि | | रि रि

॥ आभोग ॥

 $\begin{cases} \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} & \mathbf{q} \\ \end{cases}$

१ २ ३ १ २ ३ गामीनी I घा - | I पामी I गा - | मा I ग - | I - | - | - | पराण I हो ऽ I बे ऽ I खू ऽ ऽ I सि ऽ I ऽ ऽ १ २ ३ १ २ ३ । I सा सा सा I रा - | I रा पा I रा गा मा I गा - | I - | - | I } ऽ I स बा रे I जाऽ I बो ऽ I तू ऽ ऽ I बी ऽ I ऽ ऽ I }

॥ संवारी॥

३ १ २ ३ १ २ I सां -I पापापाI पामा I पा -I नी नी घा I पा I वे I जी व न I मा I हो I हो I सह ज I हो

१ ३ १ २ ३ १ मा I मा - | I - | गा I रा गा रा पा - | I मा गा पि रा गा रि I ना ऽ I ऽ म् I ध्व नि वे I स ऽ I व ऽ I का ऽ

२ ३ गर·I सा-| I-| -| I ०० I जे S I S S I होगे छे अमल धवल पाले मन्द मधुर हावा।
देखि नाई कथु देखि नाई एमन तरणी बावा।
कोन सागरेर पार होते आने
कोन सुदूरेर धन।
भेसे जेते चाय मन,
फेले जेते चाय पई किनाराय
सब चावा सब पावा।
पिछने भरिछे भर भर जल
गुरु गुरु देया डाके,
मुखे एवे पड़े अरुण किरण
जिन्न मेधेर फाँके।
आगो कांडारी, केगो तुमि, कार
हासि कान्नार धन।
भेबे मोरे मोर मन,

कि मंत्र होबे गावा॥

रागिणी-भैरवी । तिस्रजाति ताल एकताल । मात्रा १२ मध्यलय्

कोन सुरे आज बांधिबे जंत्र

॥ स्थायी ॥

नि १ २ ३ ० मुंधा ती सा I सा सा I सर्-ग्रम र्गु I गुर् सा सा I अ. म. छ. I ध व छ I पा० ०० छे० I छे० गे छे I सा सर् I गुम $^{\mathbf{q}}$ मा गु। I सगु गु रस निृघु I -। -। निृ I नी सा खि ना॰ I ई I द मो

२ विश्व के १ ० सा प्रस्ति को नी गा प्रमुख्य ना प्रस्ति साम्बन्धी प्रस्ति सामित्र सामित्

॥ अन्तरा॥

धृप र प्रति विशेष पर्वे के प्रति विशेष र प्

१ म^२ ३ ० Î मा मा मर्म I मा गु। रू। I गु। -। -। I (-। -। -) I गु। रूम मा I भे वे जै॰ I ते चाय् I मन् ऽऽ I ऽऽऽ I फे ले॰ जे

१ २ ३ ० १ । प्राप्त I सासगुगुर्I सान्ने प्राप्त I ते वा I I ते वा I

नो निया । गुरु । सा । नीसा सध्न नी ।। र णी॰ । ब॰०ऽऽ। वा॰ ००ऽ।।

॥ आभोग ॥

॰ १२३ ॰ सासासाI सासासI गागागुन I मामामाI मामापि छोने I भ रि छे॰ I भ र भः । रजल ऽ I गुरु

मर्म I मा गा रा I र्या । रा I मा गा रा I सा गा गर या । रा I सा गा गर या । रा I सा गा गर या । रा I से रा I सा गा गर या । रा I से रा I स

१ $\mathbf{1}$ $\mathbf{1}$

॥ सञ्जारी ॥

पम I प्रापित तिश्व I पामा - I - I - I - I - I - I मा सि॰ I कां ०० ना I रधन ऽ I ऽऽऽ I ऽऽऽ I भे

्र प्रमामम I मा मा गुर्I मा मम I मा मा गुर्I मा मा ग्रा I मा न I मा मा बे मो I से से मा स्थाप है से मा स

२ \mathbf{q} र मा \mathbf{I} मगुरु मगुरा \mathbf{I} सा सगु गुरु \mathbf{I} सा -। धूग \mathbf{I} नी सा सा सु \mathbf{I} रे०० आज ऽ \mathbf{I} बां थि० बे० \mathbf{I} जां ऽ त्र \mathbf{I} कि मं ऽ

स^२ स्नोनोगा । ग्रा-। सा । नीसाधानो I I तरणी । बाऽऽ । वाऽऽ I । आमरा बेंघेछि काशेर् गुच्छ, आमरा गें थेछि शेफालि माला । नवीन धानेर मंजरी दिये साजिये पनेछि डाला । पषोगी शारद रक्ष्मी, तोमार् शुभ्र मेघेर रथे,

एषो निर्मल नील पथे,

एषो धौत शामल आलो ऋलमल बनगिरि पर्वते ।

एषो मुकुटे परिया श्वेत शतद्व शीतलं शिशिर ढाला॥ भरा मालतीर फूले आसन बिछानो निभृत कुं भरा गंगार कूले फिरिछे मराल ढाना पातिवारे

> तोमार् चरणमूले गुंजेर तान तुलिया तोमार सोनार वीणार् तारे मृदु मधु भंकारे हासिढाला सुर गलिया पोडिबे क्षणिक अश्रुधारे।

रहिया रहिया जे प्रश्मणि भलके अलके कोणे पलकेर तरे सकरण करे बुलायो बुलायो मने सोना होये जावे सकल भावना आंधार् होईबे आला ॥ राग मिश्र कालंगड़ा । ताल दादरा । तिस्कुआति मात्रा३ । स्थायी

॥ नि भाभाषा ॥ भाम ऽ रा

१ प $^{\circ}$ प $^{\circ}$ प $^{\circ}$ पा $^{$

१ \mathbf{f}^{o} १ \mathbf{e}^{o} $\mathbf{e}^{\mathrm{o$

मा I म_{नी -|} घा I I ऽ I लाऽऽ I I

॥ अन्तरा ॥

ર $\{1,-1,-1\}$ પદ્યા ધ્યા ધ્યા $\{1,-1,-1\}$ પદ્યા ધ્યા ધ્યા $\{1,-1,-1\}$ સાંધા $\{1,-1$

सां -|I सां -| संगां I $\frac{\eta}{2}$ सां सां I' संनी सां नी I मारSI शुS भूI में घेरI र थे SI ए

पा - Π पसां - Π सां Π सा

पापम I मिपापत् । $\frac{\mathbf{q}^{\dagger}}{2}$ धा I प्रा मा गा I मा पा - I - I सा म छ० I व न० गि I रि प र I व ते र I , र प

सा1 रामामा I.मा Hगामा I पापापा I पापापा I पोI पोI सुकु टे I प I रिया I रवेत रा I त द छ I

 ${f q}$ ${f y}$ ${f y}$ ${f i}$ ${f di}$ ${f i}$ ${f on}$ ${f -1}$ ${f on}$ ${f on}$ ${f i}$ ${f on}$ ${f i}$ ${f on}$ ${f i}$ ${f on}$ ${f i}$ ${f on}$ ${f on}$ ${f i}$ ${f on}$ ${f$

॥ आभोग ॥

 $oxed{I}^{oldsymbol{\mathsf{all}}}$ সূত্র সূত্র সূত্র সূত্র $oxed{I}^{oldsymbol{\mathsf{all}}}$ সূত্র সূত্র

पाञ्चा $^{\Sigma}$ पा I मा मा मा I मा गम पञ्च I मै U । I । I पाञ्चा भ रा गं I ० गार I कू०००० I छेऽऽ I फिरि

नी I सांसा । I संनी सांनी I घा ${}^{\Sigma}$ पापम I में पा पा छे I म रारु I डाना पाI ति वारे I तो मा

 $\mathbf{q}_{\hat{\mathbf{n}}_{1}}$ $\mathbf{q}_{$

गा गा $\mathbf{1}^{\mathbf{q}}$ ग़ ग़ । \mathbf{I} सा सा सा \mathbf{I} सा सा । \mathbf{I} सा सा । \mathbf{I} सा सा । \mathbf{S} जे \mathbf{I} रतान् \mathbf{S} \mathbf{I} ती है । \mathbf{I} ती मार \mathbf{I} सो नार \mathbf{S}

I रा रा -| I रा -| सन्I सा -| -| I सा रा गा I मा मा I बी नार S I ता S ० I रे S S I मु दु म I धु भरं

-| I मा -| गप I पमा गारा I }. ऽ I का ऽ ०० l रेऽऽ I }.

१ पा ध्रा 1 सां सां 1 सं नी सां नी 1 ध्रा पा प्रम 1 पा हा सी ढा 1 ला सुर 2 ग लिया 1 पो डि बे 1 स

पापनी $I^{\widehat{-n}}$ घुन पाI मा गम पधु $I^{\widehat{-n}}$ पान । नI

॥ सञ्चारी ॥

१ ध्राध्राध्राI नी सां सां I संरां रां रां I संनी सां सां I सां सां र हिया I र हि ्या I जे॰ पर I श॰ म णि I भ ल

संग्रI गंरां सां I संनी-। संर्I सां ध्रा-। I ध्रुरं के I अ.लक I को ऽ००I णे ऽऽI ए

सां रां I -। सां सां I संनी सां संनी I नी धापापम I पी से करेर I र त रे I से करे रे I से करेर I एक रे॰ I बु

 $^{\mathbf{al}}$ ध्रापा \mathbf{I} प्राप्ता \mathbf{I} प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता \mathbf{I} एक \mathbf{I} हा यो \mathbf{I} म ०००० \mathbf{I} ने \mathbf{S} \mathbf{S} \mathbf{I}

सारां $^{\underline{r}}$ सा $^{\underline{I}}$ मा मगमा $^{\underline{I}}$ पापापा $^{\underline{I}}$ पापापा $^{\underline{I}}$ सोना हो $^{\underline{I}}$ ये जा॰ दे $^{\underline{I}}$ स क छ $^{\underline{I}}$ भावना $^{\underline{I}}$

 $\frac{\Pi^{1}}{2}$ प्राप्ता प्ता प्राप्ता प्राप्ता

इस गानेका ताछ खूब सुलभ इसलिये गानेके साथ नहीं दिया। तोमार् सोनार् थालाय् साजाबो आज दुखेर अश्रधार। जननी गो. गाँथवो तोमार गलार् मुकाहार। चन्द्र सर्य पायेर काछे माला होये जोडिये आछे बुके शोभा पाबे आमार तोमार दुखेर अलंकार। धन धान्य तोमारि धन्, कि कोरवे ता कओ? दिने चाच तो दिओ आमाय निते चाओ तो लओ। दु:ख अमार् घरेर जिनिष, खाँटि रतन तुई तो चिनिस, प्रसाद दिये तारे किनिस् ए मोर अहंकार ॥ राग मिश्र छलित ॥ ताल ॥ तिलवाडा ॥ मात्रा १६ विलंबितलय ॥ स्थायी ॥

सा सा॥ तोमार्॥

ि ० सारामा -। ामामा -। -। ा मगामा गम पधु ापा नि<u>ध</u> सो नार्ऽऽाथां लायऽऽा साजा बो ०० ाऽ ०० भृषा - । र्विमप मा गा सर् रेगम पम गम मेरा रिस -। आज ऽरे दु० हेर् ऽ०० स्थि ००००० श्रुसिंगर

सा सा $\left\{ \begin{array}{ll} I_{-1} & I_{1} & I_{2} \\ I_{1} & I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right\} = \left\{ \begin{array}{ll} I_{1} & I_{2} \\ I_{2} & I_{3} \end{array} \right$

सां नि । ध्रापा संती नीधापा । गां मा गती नीधा । ध्रापा इ. ८ ०० तो मार् । ग छ। र०० ८ । सु ८

ध्रुप - | गम - | गम पम] गा ग़ 'सा सा"] ॥ क्ता॰ ऽ] हा ऽ ०० ००] ऽ र् तो मार्"] ॥

॥ अंतरा ॥

• पान पामा र ने पाधाधासं र ने सांगंसं न र सांसांन न चं ऽ द्रस्री ऽर्जपाये र र ऽऽ ०० ऽस्का छेऽऽ

२ I सां गुंग गुंI गुंस गुं संगुं गुंस I नीसं गुंग सां I I मा लाही ये I जो० डिये ०० ००० I आ० S छे S I

नी घा पा पा I पा घा ग़ंसा I सां सां संग्रं सां I नि घा S S तो मार् I G के S S I शो भा पा वे I S S

पा संनी $I^{rac{1}{2}}$ घा पा मा गा ने $I^{rac{1}{2}}$ घा पा पा उ०० I आ मार्ऽऽ I दु खे ऽऽI रू अ लं

ध्रुप I मा गम पम गां रिट्रान् "सा सा" II

॥ आभोग ॥

० १ सासारा राष्ट्रान्तन्ति रारारा रस रिन्नन्ति धनधा ऽस्यऽऽऽस्तोमारीधनर्रिऽऽऽऽस

२ सारामान्यमानान्यमार्गन् किकर्ऽऽीवेताऽऽक्तिओ०० ऽऽऽऽऽ

• १ ं | पाधाधारां | ^{र्}सांनीरां ^{र्}सां | नीधा पासंनी | ऽ | दितेचावऽ | नोदिऽ ओ | ऽ ऽ ऽ ०० |

्र ती प्रापामा गा 1 मा गा मा । 1 नी प्रापा प्राप्त । 1 मा आ मायू ऽ ऽ 1 नि ते चा ऽ 1 ओ तो ०० ऽ 1 ल

पम गा । I ग़ । सा । I

॥ सञ्चारी ॥

• पा - | पा - | । पमा पा घा सां I - | सां सां - | । - | - | दु ऽ ख ऽ I आ मारु घ रेरू । ऽ जि निष्ऽ । ऽ ऽ

 $\mathbf{r}^{\mathbf{r}}$ सां नी ध्रा पा \mathbf{I} पा ध्रा ग़ं सां \mathbf{I} सां सां -। -। $\mathbf{I}^{\mathbf{r}}$ सं $\mathbf{r}^{\mathbf{r}}$ नीस् \mathbf{r} \mathbf{r} \mathbf{r} \mathbf{r} तोर् \mathbf{I} प्रसा \mathbf{r} \mathbf{r} \mathbf{r} \mathbf{r}

सांनी घा I पासंनी ^{घा}पापा I पगामानी घा । घापा -। रेऽऽ I ऽ०० कि निस् । प मोर्ऽऽ I अ हंऽ

ध्रुप I पर्म । गम पम I गा रा "सा सा" I I

आनं देरी सागरथेके एपे छे आज बान दाँड धरे आज बोस्रे सबाई, टानरे सबाई टान। बोभा जतो बोभाई कोरि कोर्बोरे पार दुखेर तरी ढेवेर परे धरवो पाडि जाय जादि जाक् प्राण। के डाकेरे पिछन होते के कोरेरे माना। भयेर कथा के बोले छे भय आछे सब जाना।
कोन् शापे कोन ब्रहेर् दोपे सुखेर डांगाय थाक्बो बोसे
पालेर् रिस घोर्बो कोसि चोल्बो गेये गान।
राग मिश्र काफी। ताल तेवरा। मात्रा ७ मध्यलय।

॥ स्थायी ॥

रे सं^१ निया-|पाधप र्या-|-|र्गामा केऽ र पंकी ऽ छिऽआज्ञ०० वाऽऽऽऽ

र है १ सं $rac{1}{2}$ $rac{1$

प्रस्ति २ है मानना मा मा विक्रणा 1 I हा द द 1 द द 1 ०० न् 1 I

॥ अन्तरा ॥

१ २ ३ पृ१ नी २ ३ || पापा-| | पा-| | पाघा | नी नी -| | नी सां नी | सां बो भा ऽ | य ऽ | तो ऽ | बो भाई ऽ | को ऽ | रि

्र १ २ ३ \mathbf{q}^{ξ} २ २ । \mathbf{q}^{ξ} नी \mathbf{q}^{ξ} नी \mathbf{q}^{ξ} नी \mathbf{q}^{ξ} नी \mathbf{q}^{ξ} नी \mathbf{q}^{ξ} नी \mathbf{q}^{ξ} ने \mathbf{q}^{ξ}

३ १ २ ३ र्रं I पम - | I पा पसंनी I सां- | I सां रां I सां- | नी I निधा I री०ऽ I ढेवेरऽ I पऽ I रे'ऽ I धर्ऽबो I पा

प्रदे १ सं २ ३ १ २ पा I मा - | I पा सां ची | घा - | I पा - | I मा - | - | I गा ऽ I डिऽ I जा युज | दिऽ I जाक्ऽ । प्राणऽऽ । ऽ

मा र गम पा | 11 11 ऽ । ऽ ऽ । 11 11

॥ आभोग ॥

१ २ ३ \mathbf{z}^{2} पा \mathbf{q}^{2} सा \mathbf{q} से \mathbf{q} सा के \mathbf{z} डा \mathbf{q} के \mathbf{z} \mathbf{I} के \mathbf{z}

१ $\frac{1}{4}$ र ३ प १ २ - 1 सानी नी 1 पा 1 दि 1 दि 1 के 1 कि 1 कि 1 र 1 र 1 र 1 र 1 र 1 र 1

है र सं २ है $^{\mathrm{al}}$ १ २ $^{\mathrm{c}}$ $^{\mathrm{log}}$ $^$

र १ प्रा मा । I म्या सां संती । धा । । । पा धप । मा गा । ऽ शिज्ञ ऽ । भय ऽ आ । । छेऽ । स **व** । जा ऽऽ

॥ संचारी ॥

१ २ ३ घ१ पा-|पा]पा-|I पाधा I नो नी-|I नीसांनी I कोन् ऽशा Iपे-|I कोन् ऽ I ग्रहेर् ऽ I दो ऽ I

है प्रश्ति र है $\frac{\eta}{H}$ संसां नी I सां रां I संरं गां I रां I सां I ती पे I हो I है I हो I है I ह

3 १ २ ३ २१ धा र्षिम शर्मिप पश्चं नी सितां। सितां रां सितांशनी सि ऽसिं ०ऽरिपा चेरऽरिऽसिताऽ धिरुबो रि

आज धानेर खेते रौद्र छायाय लुकोचुरि खेला नील आकाशे के भासाले सादा मेघेर भेला।
आज भूमर भोले मधु खेते उडेवेडाय आलोयमेते
आज किसेर तरे नदीर चोरे चोखा चोखिर मेला।
ओरे जायो ना आज घरे रे भाई जाबोना आज घरे।
ओरे आकाश मेंगे बाहिरके आज नेबोरे लूट कोरे।
जेनो जोवार जाले फेनार् राशि बाताशे आज छूट्छे हासि,
आज बिना काजे बाजिये बाँशि काट्वे सकल बेला।
कोर्तन राग मिश्र देशकार। ताल धुमाली। मात्रा ध्राहुतलय।

॥ स्थायी ॥

० १ २ ३ ० १ २ ३ सा-]]ध्स-।सा-] सा-।सारे | गापा-।पा | पा आजऽ॥धाऽनेरऽ] सेऽतेऽ रिौऽ ऽद्रा छा

० १ २ $\widehat{\mathbf{h}}^{\mathbf{3}}$ ० १ २ - । पाधा \mathbf{I} पधनी नी - । \mathbf{I} \mathbf{u} \mathbf{u} - । \mathbf{u} \mathbf

ग्^ररा - । सा - | वि - | - | वि - |

र्श २ ३ धर प २ ३ ० मी - | पा - | पिश्व - | पा - | T मा पा पा के 5 भा - | सा० 5 ले 5 | सा 5 दा 5 | में 5 श्रेर

१२३० \mathbf{t}^{ξ} पां \mathbf{J} पां प्राप्य पंच नी \mathbf{I} नो धा पा $\mathbf{I} \mathbf{I}$ गा \mathbf{I} \mathbf{I} \mathbf{I} ना \mathbf{I} \mathbf{J} \mathbf{J} \mathbf{I} \mathbf{J} $\mathbf{J$

॰ म^१ २ ३ ॰ । मा -| I ^मगारा सा -| I -| -| -| पा I ऽरिर्ऽ । खेऽ छ। ऽ I ऽऽऽआङ् I

। अन्तरा ॥

१२ व्हे ० स् 2 पानधान 1 सांनसांन 1 संग्री सांन 1 सांन 2 सांन $^{$

० प्र २ प्र ३ ० म्र २ धानीबाI धानीबाI धान् धान् I धान् पान् पामा I मा पापा ते. ००I उ S हे S I वे S हाथ S I आ S हो

्री घा । $\frac{3}{4}$ घा सां सं नी $\frac{3}{4}$ घा । । । । $\frac{3}{4}$ ची घा $\frac{3}{4}$ घा $\frac{3}{4}$

 $I^{\hat{\eta}_{1}^{\hat{\chi}}}$ २ $q^{\hat{\chi}}$ ० $p^{\hat{\chi}}$ २ ३ ० $I^{\hat{\chi}}$ q_{I-1} q_{I-1}

॥ आभोग ॥

स^१२३० १२ ४३० ध्रासा-। सा रिसा-। सा रा रिगा पा धा विपा-। मा जा ऽऽवो रिनाऽआजऽ यिऽरेऽ रिऽभाई

o १२२ भ्रुटे २ -| पा | पा -| पा -| I सां -| मां -| I रां -| सां -| ! ऽओरे | आऽकाश्रुट | भूँ ऽगे ऽ | बाऽहिं २ ऽ |

संदे \bullet न $\{$ २ $\}$ \bullet $\{$ २ $\}$ $\{$ २ $\}$ $\{$ न $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$

है • नो १२ है • म १ धा I नी -| -| -| I नो न| -| -| रा I ना -| मा -| I ना रा ऽ I ऽ ऽ ऽ ऽ I जा ऽ ऽ वो I ना ऽ आज् ऽ I घ ऽ

॥ सञ्चारी ॥

१ २) ३ ० प१ २ सं३ । । । । पा । Π पा । Π सां । Π सां । Π सां । Π रां । Π दां । Π сा । Π сा । Π сп । Π

 τ^{\bullet} सं १२ कि १२ कि ११ कि स्थान Π^{\bullet} सा न Π^{\bullet} पा न Π^{\bullet} पा न Π^{\bullet} पा न Π^{\bullet} न Π^{\bullet} र Π^{\bullet} पा र

ध $\frac{1}{\pi}$ संत्रे नी के नी पान Π पंचान पान Π मा का Π जै Π नी चा पान Π मा का Π जै Π नी चा Π जै Π नी चा Π नी च Π नी च Π नी चा Π नी चा Π नी च Π नी Π न

३ ० १२ पुरे पापान्या प्रान्यान्य प्राप्तान्य न्यान्य न्यान्य न्यान्य न्यान्य न्यान्य न्यान्य न्यान्य न्यान्य न्यान्य स्थलित । स्थलित स्याप स्थलित स्यलित स्थलित स्

प्रे०१२३०१२ | मानारानानापापाना | पाधापधनी | नीधापा | साऽदाऽ | मे० घेर्० | भेऽला०ऽ | रेऽ भाई

प्^३ ० र^{१ २} म्**३ ० १** न । गानन रा। गानमान । मेगारासान । न न ऽ । लुऽऽको । चूऽस्टिं। सेऽलाऽ। ००

२ ३ -| सा ी -| -| | ० आज ी ऽ ऽ |

गाना

शरते आज कोन अतिथि एलो प्राणेर द्वारे!
आनन्द गान गारे हृद्य आनन्द गान गारे!
नील आकाशेर नीरव कथा शिशिर भेजा व्याकुलता,
वेजे उठूक आजि तोमार बीणार तारे तारे।
शस्य क्षेतेर सोनार गाने योग देरे आज समान ताने;
भासिये दे सूर भरा नदीर अमल जलधारे।

जे एपे छे ताहार मुखे, देखरे चेये गभीर सुखे, दुवार खुळे ताहार साथे बाहिर होये जारे ॥१॥ राग जंगळा ता० तेवरा मध्यळय

॥ स्थायी ॥

सं^१ संमानी दिन्धा ^{धि}पाना माधा ^{ध्}पामापा शार ऽ । ते ऽ । आक्र ऽ बिने ऽ अ । ति ऽ ।

 $\mathbf{H}^{\mathbf{Z}}$ १ २ $\mathbf{q}^{\mathbf{Z}}$ १ २ $\mathbf{q}^{\mathbf{Z}}$ मा \mathbf{H} $\mathbf{$

ं १ २ ३ १ २ ३ स्था n_1 सां n_1 सां n_1 सां n_2 सां n_3 सां n_4 सां n_4 सां n_4 सां n_4 सां n_4 सां n_4 सां n_5 सां n_5

॥ अंतरा ॥

रं २ ३ सां - बिनी (संनि) रे - बिपसां सां - बिसां - बिसां नी बि स्टारिस ०० रिवे जे दिख्य हिन्दू दिख्य

३ १ [:]२ ३ नी घा I पा - । घा I नी - | I सां रां I I रे ऽ I ता ऽ ऽ I रे ऽ I ऽ ऽ | 1 l

॥ सञ्चारी ॥

१ २ ३ १ II सा - | सा I रा - | 1 रा गु I मा पा घरा | मा पा I II श ऽस्य 1 क्षे ऽ I तेरऽ 1 सो नार ०० I गा ऽ I

३ १ २ ३ १ \mathbf{v} ना मा \mathbf{I} पा पा \mathbf{I} पा \mathbf{I} पा \mathbf{I} पा \mathbf{I} पा \mathbf{I} पा \mathbf{I} \mathbf{I}

रे १ रंसारां रिसं सां न निधा । ध्वानधा त्री दीर ०० । अ. मल ऽ रे जा ऽ रेल ऽ रे । धाऽऽ

२ ३ | नी -| I -| -| I | रेऽ I ऽऽ I

॥ आभोग ॥

१ : २ ३ १ २ ३ धानी सां \overline{H} नी \overline{H} नी धा \overline{H} पा धा \overline{H} धानी - \overline{H} नी - \overline{H} नी \overline{H} जे \overline{H} $\overline{H$

१ २ ३ -| 1 पा सां मंती सां -| 1 रां गुंगों I सां सां रां ! सां ऽ। देख ऽ रे बिंडि ये ०० । ग भीरऽ ! सु

२ ३ १ १ २२२ १ मुर्ग- Π रां मुर्गि Π सां सां रां Π सां न Π सां Π सां Π े सां न Π सां Π े श्रे ०० Π जा हर Π हो Π २ । ये ०० Π जा Π

.२ था I नी -| I सां रां I ऽ I रे ऽ I ऽ ऽ I

गाना ।

प्रभु तोमा लागि आँखि जागे। देखा नाई पाई पथ चाई से ओ मने भालो लागे।
धुलाने बोसिया द्वारे भिखारि हृदय हारे
तोमारि करुणा मागे! रूपा नाई पाई शुधु चाई।
से ओ मने भालो लागे।
आजि ए जगत माभे कत काजे चले गेलो सब आगे।
साथी नाई पाई तोमाय चाई,
से ओ मने भालो लागे।
चारि दिके सुधाभरा व्याकुल शामल धरा
काँदाय रे अनुरागे। देखा नाई पाई व्यथा पाई
से ओ मने भालो लागे॥

से ओ मने भालो लागे॥ राग मिश्र विहाग। ता० धुमाली। मध्यलय। ॥ स्थायी॥

१ . म ० १ सारा I I गमा पा ^मपा मा I गा - | गा गा I गा मा रा गा I प्रभु I I तो० ८ मा छा I गि ८ आँ बि I जा ८ ८ ८ I

॰ पा- $\|$ मा गा I $^{\tau}$ गा- $\|$ मा गा I $^{\tau}$ सा- $\|$ सा नि $^{\tau}$ $^{\tau}$ नि -| सा गे $^{\tau}$ दे खा I ना $^{\tau}$ ऽ ई I पा ई प थ I चा $^{\tau}$ ऽ $^{\tau}$

सिन् I घा पा -| -| I $\{$ गा मा पा पा I पा -| पने। घा I $\}$ $\{$ शे I $\}$ $\{$ $\{$ I $\}$

भ ती - | मा नी I धनी पधा पा मा I } I l ला ऽऽऽ I गे० ०० प्र भु |

॥ अन्तरा ॥

(१०० पापानी - | रिनीनोनी - | रिनीना सॉर्थने | सॉन्नेन धुलातेऽ। बसियाऽि द्वाऽऽ०० | रेऽऽऽ

१ ! सां सां सां न ! सां सां रंगं संसां ! सी पा धनी सां ! ! भि खारी ऽ! हृद य००० I हा ऽ०० ऽ !

पनिधा र्यं नी -। मी नी रिधनी पधा पा मा र र भा० स्त्र र टर्रा गे००० प्रभुरी

॥ संचारी ॥

१ ० १ ० १ सापापा-| I पापापा-| I पा-| I -| -| -| -| I पा आजिए S L जगत S I मा S भे S I S S S S I क

० १ ० १ धानी-|1े नी घापा घा विप्रमागा-|1-|-|-| विग तसुऽी खेऽकति काऽजेऽ रऽऽऽ । च

० १ ० गा गा -| I गा गा गा -| I गा मा मा -| I -| -| मा गा I ਲੈ गे ऽ I ਲ स बे ऽ I आ० ऽ गे ऽ I ऽऽ सा थी I

र १ गा - | मा गा र सा - | सा नि र प्र नि - | सा नी र धा पा - | - | ना ऽऽई र पाई तो मायु चाऽऽऽि ऽऽऽई

१ ० १ ० गामा वा पा I पा -। पा पर्मा I पा -। -। घा I नी -। घा नी II सं ऽ ओ म I ने ऽभा ला० I ला ऽ ऽ ऽ I गे ऽ ब भु II

१ ० १ ० थिती प्रियो - । पापमा प्रियो - । - । धा विते - । - । वि सं० ऽ ओ म वि ऽभा छ० र छा ऽऽऽ वि ऽऽऽ

॥ आभोग ॥

॰ १ ॰ • सां -। -। -। I सां सां सां -। I सां सां सां I रा S S I ह्या कु B S I ह्या म B0 • • I

ध नी पा नी नी I ध नी -1 सां नी I ध नी पापा मगा रे S अ नु I रा S S S I गे S रे स्ना \bullet

र १ । र ० । सान् I मान्। माना I सान्। सान् I मान्। सान्। स

धा I मी नी I धनी पधा पा मा ले I ला S S S I ने O O S O

आवार परा घिरेछे मोर मॅन। आवार चोले नामेजे आवरण। आवार प जे नाना कथाई जमे, वित्त आवार नानदिके भूमे दाहो आवार बेहे उठे क्रमे, आवार एजे हाराई श्रीचरण; तब नीरब वाणी हृद्य तले डोबे ना जनो लोकेर कोलाहले 'सवार्माझे आमार साथे थाको आमाय सदा तोमार माझे ढाको नियत मोर चेतना परे राखो आलोक भरा उदार त्रिमुवन ॥ रागिणी-वेरागी तोडी । ॥ धृपद ॥ ताल भंपक विलंबित लय ।

मात्रा ५।

ii स्थायी ॥

१२६२६२ मापातो ोधापा मागारे मामपापा-)-। आवार् रिरां विरंछे मार्∘ा मऽऽ

२ ॥ १ २ १ र् 1 - - - | प्राधासां | सांसां | र्यं सां - नी 1 ऽन् | आवार् | चोखे| ना० मे ऽ |

र प्राचित्र प्राचित प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राच

॥ अंतरा ॥

्रिनो २ १ २ १ सां नाष्ट्रा नासां रिगंगंगं सां रानीसां आ बार एजे नानाक थाई जिमे

२ $\frac{1}{1}$ श २ - $\frac{1}{1}$ - $\frac{1}{1}$ साधाधाधा $\frac{1}{1}$ संस्था है। $\frac{1}{1}$ संस्थ है। $\frac{$

१ सं] गं संगीतिती निसंति।] धा पा] आ बार र दि जे हि सर ई श्री च

ा म^१ पा - । तो ा धा मगा 1 । । रऽऽोऽणी।

॥ आभोग ॥

१ २ १ २ ग़सातृ | साध्रा | तिसासा | सासनी | र तवनि | र ब | वाणोह | दय० |

१ २ १ २ १ मान रा गुगान मा गाधा प्रधापय प्रमुप त ऽऽो लेऽाडु बेनाी जे॰ नो॰ रिलो॰

२ १२ मगु-। । गारा ! रा-। सा ! -। -। ! ! के०र] को ला ! इटले ! ऽऽ ! !

॥ संचारी ॥

 $\begin{cases} \xi & \chi & \xi & \xi \\ \text{eif} & \text{in } \chi \\ \text{en } & \text{en } \chi & \chi & \text{in } \chi & \text{in } \chi & \text{in } \chi \\ \text{en } & \text{en } \chi & \chi & \text{in } \chi & \text{in } \chi & \text{in } \chi \\ \end{cases}$

आमार् मिलन लागि तुमि आस्चो कवे थेके ।
तोमार चंद्र सूर्य तोमार राखवे कोधाय ढेके ।
कतो कालेर सकाल साँजे, तोमार चरण ध्वनि वाजे,
गोपने दृत हृदयमाके गेछे आमाय डेके ।
ओगो पथिक आजके आमार् सकल पराण ब्येपे,
थेके थेके हरष जेनो ऊठचे केँपे केँपे।
जेनो समय एषेछे आज, पुरालो मोर जा खिलो काज,
बातास आसे है महाराज तोमार् गंध मेखे॥

व ८ ८ । ८ न०० । ।

राग बागेश्रो-बहार। ताल तेवरा। मध्यलय

॥ स्थायी ॥

३ १ २ ३ [मागु]मा-।पा]पामा[तिपा]^मपामगुः मगुः []मिऽ [आ स्वो]कऽ]वेऽ । थे के० ०० |

२ ३ १ मरा-| 1 सा -| 1 सा सिन् रा | रा -| 1 सा -| 1 सा मा मा •• ऽ | ऽ ऽ | तो मा॰ र् | चं ऽ | द्र ऽ | सू ऽ ज

२ ३ १ २ ३ १ ो मा-| I मा-| I मगु। पा पा I पा -| I पा -| I पा पप धा I ो तो ऽ I माय I राख वे I को ऽ I धाय I ढे के०ऽ I

॥ अंतरा ॥

१२ ३ २ $\{ [$ मामा -| नीधा नीधा निसां-II $\{ [$ नीनी -II नी-II नो - सांI सांसां-II सां-II कत ऽI का ठI है र्I स का छI साँ ऽ

३ १ २ ३ १ २ [सां-|[निसांनि]रां-|[सांनि[निसांनि]संसांरां [झेऽ]तो मार्]चऽ[रण्]ध्वनिऽ]बा० ऽ

ै I सां निया $\{ q^{\xi} \in \mathcal{F} \}$ सां निया $\{ q^{\xi} \in \mathcal{$

है र गुमामा न मिमा पा पा । पापप ध । हो र । गे छे र । आ० र । माय् । डे के० र ।

२ घ<mark>रे</mark> पधनी -|| त्रीसां-||| ००० ऽ I ०० ऽ ||

॥ आभोग ॥

 $I = \left\{ egin{array}{ll} \{ & \{ & \{ \} & \{$

३ १ २ १ [रा - |] रेसारापा | पाधा | मपाधपा | मपामा गा | 1 [मार्] स० कल् [प ऽ] रा० ०ण [व्येपे ऽ] २ ३ १ २ ३ म^१ म - |- || - |- || रारानी | धानो | पाधा | पा ऽऽऽऽधिकेऽधिऽकिऽ। ह र

२ ३ म १ २ ३ म १ गुमा रेग - रिसा - रिमा के

प्पाधा । धनो न । न । । । पे० ऽ । ००ऽ । ऽ ऽ । ।

॥ सञ्चारी ॥

 II {
 निर्मित सांधा [नी - 1 | नी सां | सांसां - 1 | सां |]

 II {
 जे नो ऽ [स ऽ] म यू [ए पे ऽ] छे ऽ

३ १ · I सां - I नि सां नि I ^{सं}रां - I सां नि I निसां रां ^{सं}रसां I आज् I फुराऽ I लोऽ I मोर् I जा०ऽ छि०

३ १ - । - । I संनि सां नी I नी धा I नी पा I मा गा ऽ ज् I बा ० ता स् I आ ऽ I से ऽ I हे ऽ म I हा ऽ

प्र^व धन्ती-। । धन्तीसां-। । ००ऽ । ००ऽ ।

पर्द जे तोमार् प्रेम ओगो हृद्य हरण।
पर्द जे पाताय आलो नाचे सोनार बरण।
पर्द जे मधुर आलस भरे

मेघ् भेसे जाय आकाश परे
पर्द जे बातास देहें कोरे अमृत क्षरण।
पर्द तो तोमार् प्रेम ओगो हृद्य हरण।
प्रभात् आलोर् धाराय आमार नयन भेसेछे
पर्द तोमारि प्रेमेर बाणी प्राणे एषेछे।
तोमारि मुख पर्द नुये छे
भुखे आमार् चोख धुये छे
आमार हृद्य आज छुँये छे

() यह चिह्न जहां रहेगा वहां वह अक्षर तालके बाहर समभना चाहिये। उसको तालके भीतर लेनेसे उसके बादका जो अक्षर हो उसको छोड़ना चाक्ष्मि। राग-मिश्रदेसकार । तिस्रजाति । ताल-दादरा मात्रा ३। मध्यलय

॥ स्थायी ॥

१ ० १ ला-। राI गापाधाI पाधा संतिI धापामाI गागा प ई जेI तो मा र्I प्रे S ०म्I ओ गो S I हृ द

र सा I सा रगा - | I गा गर सा I सा । - | I पा पा धा I oo I u oo ह I र ००ण | ऽऽऽ। एई ऽ जे I

० १ १ घा सां सां I निसां रां संरंसं I नी सनी पथनी I योधा पा पा ऽ ताय् I आ ० ऽ लो०० I ना० चे००० I सो० ना

॰ १ ॰ । सारासरगागा-| रासा-|-| 1 | य ऽ०० हार ऽऽाण ऽऽा ।

॥ अन्तरा ॥

[निधा -। पा]

१ ० १ ० १ पा गा गा I पा पा घा I घा सां सां I सां सां - 1 सां रां पर्द ८ जे I म घुर I आ छ स् I भ रें ८ I में ८

० १ रां I रां रंगं मां मां सांरंगं I ^{गं}गुं। सां I संनी निपधप घू I मे से०ऽ I जाऽ००यु I आऽका I श०प रे००

० १ ० नी १] पा-|धा]धा धा सां | रांसां-|ो संनीधापधन] एऽई ो जे बातास [देहेऽ] क०० रे०००

० १ ० १ ० I धनीघा पापा | पापा -| I घा पा मा | गा गा रस ़ा सा l अ०० मृत | क्ष रऽ I ण ऽऽ | हृद०० I य

१ ० रासरग | गागारा | सा - | - | | ८ ००० | हर ८ | ण ८ ८ |

॥ आभोग ॥

० १ ० १ ० पापच र्रपञ्चती घा ^{घि}पा - । - । र्रो रा - । चा रिचा य न० से से ऽ र्रेऽऽर्रऽ रेप ईतो सा

१ ० १ ० ६ सां सां I रंसंनी सां नीधा I पा । पधनो I पा - । पधनो I नीध I दी I प्रे०० में ०र् I बा I00 ०० पो I प्रा I1 प्रे०० I2 ए०

^धपागा I I पे छे I I

॥ सञ्चारी ॥

्रि ० १ ० १ पागा-| रेपापाधा रेघा सां सां रेसां रेसां सां सां तो माऽ रिमू ख्री आईऽ नु रेयेऽ छ रेमु खे

० १ ० ४ | सां-|सां|सांनीसंरंसां|नी-|संनी| धनीधापा पा I |हिद्य्|आ ००ज छुँ| येंऽ छे०| तो मा ऽ I

१ ० सरगा | गारागरा | स्वा - | - | | 1 ००० | र ८ ०० | ण ८ ८ | |

> एषो हे एषो सजल घन बादल बरिषणे बिपुल तव श्यामल स्नेहे एषो हे ए जीवने।

एषो हे गिरि शिखर चुमि छायाय घिरि कानन भूमि
गगन छेये एषो हे तुमि गभीर गरजने।
ब्यधिया उठे नीपेर बन पुलकभरा फुले
उछिल उठे कलरोदन नदीर कूले कूले।
एषो हे एषो हृदयभरा एषो हे एषो पिपासा हरा
एषो हे आँखि-शीतल-करा घनाये एषो मने।।

राग-नटमल्हार। ताल ऋपताल। मात्रा १०। ॥ स्थायी॥

१२०३ १ रामा मामामा I पापा I पामापा I धा एषो I हेए षो I सजा l छघन I बा

सां I नी सांधापा I पामा I धधापामा I रा द I लवरि I प S I णे० S ०० I वि

२ ० ३ १ गा I मा थापा I मा गा I मा रासा I सारा पुI छतव I श्याम I छस्ते हे I एषी

॥ अंतरा ॥

 $\left\{ \begin{array}{lll} \textbf{?} & \textbf{?} & \textbf{?} & \textbf{?} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{I} & \textbf{I} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{g} & \textbf{f} & \textbf{I} & \textbf{g} & \textbf{f} & \textbf{I} \\ \end{array} \right.$

१ २ ० ३ १ I मा मा I मा मा मा I रा पाI मा पा पाI धाI ग ग I न छे ये 0 I ए पोI हे तुमिI ग

सां I नी सांधापा I मिपा - | I मा - | गा I रागा मी I राग र I ज I है I ने I र I विपु

ं २ ० ३ १ २ I माधापा I मागा I मारासा I सारा I रा I लत व I श्याम I लस्ते हे I ए घो I हे ए

॥ आभोग ॥

 $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{z} & \mathbf{z} & \mathbf{o} & \mathbf{z} \\ \mathbf{z} & \mathbf{z} \\ \mathbf{z} & \mathbf{z} \end{array} \right.$

प्रधा] पा मा गा । गा रा] पा । । । । धा धा । छ । के ऽऽ। उ छ ।

२ म ० ३ १ २ धा^मधापा I मा गा | मा रासा I सारा | - | रा छिउ ठे बिल ठ | रोदन | नदी | र्क्न

रा । गा रा । गम - | - | 1 | लं । कु ऽ । ले॰ ऽ ऽ । ।

॥ सञ्चारी ॥

१ नी २ ० ३ सां नी संधा I नी सांगं I सां नी I सांधा पा I ए यो I ह ए यो I पि पा I सा ह रा I

१२०३ १ मामा मामामगीरापा | मापापा पा पा पपो | हे आखि० | शीत | छकरा | घ

सां $1^{\frac{2}{1}}$ सांधापा $1^{\frac{2}{1}}$ पा $1^{\frac{2}{1}}$

२ ०३ २ १ माधापा I मागा I मारे सा I सारा I रा छ त व I श्याम I छ स्ने हे I ए यो I हे

रा रा I रगारा I गमा - | मगा I I ए जी I व S I नेo S oo I I

आंज वारि भरे भरो भर भरा बादरें आकाश भांगा आकुल् धारा कोधाओ ना धरे। शालेर बने थेके थेके भड़ दोला देय है के हैं के जल छूटे जाय एँ के बेंकें माठेर परें आज मेधेर जटा डडिये दिये नृत्य के कोरे। ओरे चृष्टिते मोर छुटेछे मन लुटे छे एई भड़ें बूक् छापिये तरंग मोर काहार पाये पोड़ें अंतरे आज् कि कलरोल दारे दारे भांगलो आगल् हृदय माझे जागलो पागल् आजि भादरें आज एमन करे के मेतेछे बाहिरे घरे॥ राग ईमन ताल तेवरा मात्रा ७ मध्यलय—

॥ स्थायी ॥

३ सा - । I I आ ज्॥ १ २ ३ १ २ सांसां | I नी | I धामा I धापा | I मा | I वारिऽ I भऽ I रेऽ I भरोऽ I भऽऽ I

३ १ २ ३ १ २ गामा I गामानी I धा - 1 पा रा , I गा - 1 रा I - 1 सा र ऽ I भ रा ऽ I बा ऽ I द ऽ I र ऽ ऽ I ऽ ऽ

है १ २ है १ २ सां - $_1\,I\,$ गां गां - $_1\,I\,$ रां - $_1\,I\,$ सां - $_1\,I\,$ सारा गा $_1\,$ मां पा $_1\,$ रा $_2\,I\,$ को थाओ $_1\,$ ना $_3\,I\,$ घ $_3\,I\,$ रे $_3\,$ र $_3\,I\,$

३ धानी I I ऽऽI I

॥ अंतरा ॥

है १ २ है १ २ I सां I मां I मा

.१ २ ३ १ २ I निधानIन न I नो न I नो न I मों मों न I र I र I र I र I र I र I र I र I र I र I र I

रे १ २ हे १ २ सां नि I सां नि

. ३ १ २ ३ १ २ I पा - | I सारागा I मा पा I धानी I - | - | - | I - | .I क S I रे S S I S S I S S I S S I S

-1 I I

॥ आभोग ॥

ि ३ १ २ ३ १ २ १ २ १ सारे I गा - I गा I गा - I गा - I गा - I गा - I गा ना मा I गा अगेरे I वु I छ I ते - I मो र् I छू I I छ I

३ १ -| I गारे I रा गा-| I पा -| I घा नी I पा -| घसा ऽ I मन् I लुटेऽ ृ छिं,ऽ I एई I झ ८ ००

२ ३ १ २ ३ सां-। I नी -। I धापा I धाधा -। I सारा I गा-। २८ I गऽ I मोर I काहार् I पाऽ I येऽ

१ | स्ता । रा | गा -| | | 1 -| -| 1 1 | प ऽऽ | हेऽ | | | | | | | | | |

॥ संवारी ॥

१ २ ३ प १ २ ३ पा - । गा I पा मा I पा पा I पा सां - । सां I सां - I सां अं S त I र S I आ जू I कि S क I ल S I रो

१ २ ३ १ २ ३ - |1 सांगांरां I गां - |I पां - |I गां गां I रां - |I ह हI हा र S I भां ग ल I आ S I ग

३ १ २ ३ १ २ धापा I घाघा - I पा मा I गामा I नी घा - I । I र I х

३ १ २ ३ १ २ [सां - | I गां गां - | I रां - | I सां नी | I रां - | सां I नो - | I [आज् I ए मन् I कऽ I रेऽ | कऽ मे I तेऽ I

३ १ २ ३ १ २ घाषा I सां नि - I घा - I पा | I सारा [गा I मापा Iछे ऽ I बाहिऽ I रेऽ I घऽ I रेऽ" ऽ I ऽऽ I

है धानी I I ऽऽ I I

आलोय आलोकमय कोरे हे एले आलोर आलो।
आमार नयन होते आँधार मिलालो मिलालो।
सकल आकाश सकल घरा आनन्दे हासिते भरा,
जे दिक् पाने नयन मेलि मालो सिब भालो॥
तोमार आलो गालेर पाताय नाचिये तोले प्राण।
तोमार आलो पालीर बासाय जागिये तोले गान॥
तोमार आलो भालो बेसे पोड़ेले मोर गाये एषे।
हदय मोर निर्मल हात बुलालो बुलालो॥
राग रामकली। ताल तेवरा। मात्रा ७ मध्यलय

॥ स्थायी ॥

 $\{II\}_{\mbox{\it Hi}_i}^{\mbox{\it H}_i}$ मं त्री धा I धा I पा I पा I पा धा पा I धा मा I मा I मा I आ लो य् I आ S I लेI म य् क I रे S I है

गा I पा ^मपा गा I गा रा I सा गा I गा मा - | I - | मा I ऽ I ए छेऽ I बाऽ I छोर् I बा छोऽ I ऽऽ I

रे पा गा $\left\{egin{array}{ll} I & \mbox{ } \mbo$

के १ २ ३ १ नि I धुनी धुI पा ती धा I धुा पा I पा सा I सा मा $\cdot I$ ऽ I घा र I सा सा ऽ I छ। ऽ I मि ऽ I छ। छ। ऽ

॥ अंतरा ॥

सं ती - I सां - I सां - I सां - I मां न मां - I सां - I

 $rac{z}{t}$ सं \cdot_1 \cdot_1 \cdot_2 \cdot_3 \cdot_4 \cdot_4 \cdot_4 \cdot_4 \cdot_4 \cdot_5 \cdot_4 \cdot_5 \cdot_6 \cdot_6

१ २ ३ सा I सामा - | I पा गा I मा गा I I ऽ I भा लोऽ I ऽ ऽ I ऽ ऽ I I

॥ सञ्चारी ॥

१ २ ३ २ .m I तोघातोघाघाIनी - II नो - II ना - I - I - I - I य I ना० चि० ये I तो ऽ I छे ऽ I प्रा ऽ ऽ I ऽ ऽ I

॥ आभोग ॥

 $II \ \ \, \left\{ egin{array}{lll} rac{2}{2} & rac{2}{2}$

र १ २ ३ १ - II सां - II सां नां मं संगं II मां नां मं मं मं II दें II से II से

२ ३ १ २ ३ 1 र्गं - 1 सां - 1 1 सां सा रा 1 रा - 1 1 रा - 1 रा - 1 रा 1

२ ३ १ २ ३ १ २ इ. $_{I}$ $_{I}$

ξ ΙΙπηρΙ_Ι-ΙΙ 2 2 Ι 2

जानि जानि कोन् आदिकाल होते भासाले आमारे,जीवनेर स्रोते, सहसा हे प्रिय कत गृहे पथे रेखे गेछो प्राणे कत हरषण। कत बार तुमि मेघेर आडाले एमनि मधुर हासिया दाँडाले, अरुण किरणे चरण बाडाले, लटाटे राखिले शुभ परशन। संचित होये आछे एई चोखे कत काले काले कत लोके लोके, कत नव नव आलोके आलोके अरुपेर कत रूप दरशन। कत जुगे जुगे केह नाहि जाने भरिया भरिया उठेछे पराग, कत सुखे दुखे कत प्रेमे गाने अमृतेर कत रस वरषण,

राग केदार। ता० ३ मात्रा ८ मध्यस्य।

ध $^{\circ}$ ३ १ २ नी S घापा I मेपाधनी घापा I मा I पा I पा I जा S नि S I को S S हो I ते S

ि ० ३ १ सासा I मा S मा गा I पा S धा नी I धनो सांसांसांनी I भास। I छे S आसाI रें S जीव I ने ० S र स्रों I

ंघ्र पान्धानी I सांपापामा I पान्धानी I सांपापा ते ऽसह I सा ऽहे त्रि I य ऽकत [गूऽ हे

२ ० ३ मा प्रपान पापा प्रपान प्रपान प्रपान प्रपान । प प्रथेऽ रेखें प्रोक्षेत्र प्रपान कता हऽ

२ मागा I पा -। धानी Iर प I ण S जानि I

। अन्तरा ॥

र I सां I सां सां I सां सां सां सां सां सां I नी I भा नी I भा नी I ले I ले I नी I नि I म भू I र I हा सि I या॰

संरां सां नी I घ पा -| मा मा I मा -| मा गा I पा -| सा \circ \circ दाँ डा I ले \circ अरु I ण \circ कि र I णे \circ च

१ २ ० सा I मा ना मा गा I पा न धानो I धनी सांसां [नी I र I ण ऽबाडा I छे ऽ छ ला I टे० ऽ रा बि I

३ १ धपा - | पा मा I पा - | धा नी I I छै ० ऽ शुभ I प ऽ र श I न ऽ जा नि I I

॥ आभोग ॥

॰ ३ १ सा -। I मा मा मा ऽ I मा -। मा गा I पा मा पा मा I संऽ I चित हो ऽ I येऽ आ छे I ए ई चो ऽ I

२ ० ३ १ पा-। पामा I पापापामा I पा-। पामा I पामापामा स्त्रे उकता I कालेकाऽ I ले उकता I लोकोलोऽ २ ० ३ १ І पामा मा मा І मा मा मा - । І मा - । गा मा І पामा पा Іके ऽकतान वनऽ । वऽझा छो । के आ छो

२०३ मा I पा \cdot । धा नी I सांनि धा मा I पा नो धा पा $^{\mathbf{H}}$ I S I के S अरु I पे र क S I त S रु प I

प^१ धापामागा I मा - । I दरश SIन SI

॥ संचारी ॥

० ३ १ पा पा I नी नी नी -I नि -I सां रां I गां रां सां नि I सां कत I जुगे जु: S I ने कता I जुगे जु: S I ने

२ १ धपा -। मा मा I मा -। मा गा I पा -। सा सा I मा -। णे ० ऽकत I सुं ऽस्ते दु I स्ते ऽकत I प्रे ऽ

२ ० ध ३ मा गा I पा -। धानी I धनो सां सांनी I पा -। पामी मे गा I ने ऽअसृ I ते ऽ र क I त ऽ र स

१ Іपा-।पामी Iपा-।धानी II Іबटर बाण ८ ज्ञानि II

पारिब ना कि जोग दिते पई छन्दे रे

पई खसे जावार भेसे जावार भांगवारि आनन्दे रे

पातिया कान शुनिव्ना जे दिके दिके गगन माझे

मरण वीणाय कि सुर बाजे तपन तारा चन्द्रे रे;

जालिये आगुन धेये धेये ज्वोलबारि आनन्दे रे।

पागल कोरा गानेर् ताने धाय जे कोथा केई वा जाने,

चायना किरे पिछन पाने रयना बाँधा वंधे रे,

लुटे जावार छुटे जावार चोल्वारि आनन्दे रे।

सेई आनन्द चरण पाते छय ऋतु जे नृत्य माते

प्लावन बहे जाय् धराते वरण गीते गंधे रे

फेले देवार छेडे देवार मरवारि आनन्दे रे॥

धृपद रागिणो बहार। ताल तेवरा। मात्रा ७ दुतलय

॥ स्थायी॥

२ १ १ २ ३ १ सां - $_1I$ सां न $_1I$ सां - $_1I$ सां - $_1I$ नी रां सां $_1I$ जा ऽ $_1I$ सां $_1I$ सां $_1I$ सां $_2I$ स

२ ३ १ २ ३ \mathbf{H} नी सां \mathbf{I} घा नी \mathbf{I} पा सां नि \mathbf{I} नी सां \mathbf{I} नि घा \mathbf{I} \mathbf{I} रि \mathbf{S} \mathbf{I} आ \mathbf{S} \mathbf{I} नं \mathbf{S} दे \mathbf{I} रे \mathbf{S} \mathbf{I} \mathbf{S}

॥ अंतरा ॥

१ २ ३ १ $\mathbf{n}^{\mathbf{1}}$ ने सं $\mathbf{n}^{\mathbf{1}}$ सं $\mathbf{n}^{\mathbf{1}}$

धाI धाधानिI सांमांI मां -I H पं मां H पां मां I मां I पाय् I कि ० सूर्। बाS

३ १ २ ३ १ I गा - I मां मां गां I रां सां दिया I पा सां नि I I जे ऽ I तप न I ता ऽ I रा ऽ I चं ऽ न्द्रे I

२ ३ १ २ ३ गां I रां -I सां नी I नी संरं सं I नी घा धानी I ट I घे I ये I जिल्ला स्वारं र आ

१ पा सां नी I नी सां I नी घा I I नं ऽ दे I रे ऽ I ऽ ऽ I I

॥ आभोग ॥

१ २ ३ १ २ - । I पा धा I धा - । I धा नी I नि सां सां I नि सां I S I धा यु जे I को S I धा S I के ई वा I जा S I

३ १ २ ३ १ २ ४ २ था नी I नि सां सां I सां -I सां -I रां रां गुI रां -I ने S I चा य ना I फि S I रे S I पि छ न I पा S I

२ ३ १ २ ३ १ नी सां I घा नी I नी सां I सां नI सां नी I सां नी I सां नी I हो I दिंदि I द

२ ३ १ २ ३ १ I सां-I साi-I साi-

॥ संचारी ॥

३१२२ ३१२ २ गुi+1 मां मां गुi I सं i I ति धा I पा सां नी I नी सां ते S I व र ण I गी S I ते S I गंS धे I रे S

र १२३ १२२ । प्रामि I मां नI हो है I दिंदि I बार्I छे है I दिंदि I

३१ २३१ | सां विश्वासां विश्वासानी | प्राप्तानी | | बार् विश्वास्ति | अग्राहेट दें |

२ है नीसां I नीधा I I रेऽ I ऽऽ I I

आषाढ संध्या घिनये पलो गेलो रे दिन बोये बाँधन द्वारा वृष्टिधारा भरेखे रये रये। एकला बोसे घरेर् कोने कि भावि जे आपन मने सजल द्वावा जुधीर वने कि कथा जाय् कोये। हृदय आज ढेऊ दियेखे खूंजे ना पाइ कूल सौरभे प्राण काँदिये तोले भिजे बनेर फुल। आँधार राते प्रहरगुलि कोन सुरे आज भरिये तुलि कोन भुले आज सकल भुलि आछि आकुल होये। राग इमनकल्याण। ताल-एकताल। मात्रा १२। विलंबितलय।

॥ स्थायी ॥

२ गारगा-∣ रा-। सा। सासनीरा। सांनीसा

२ ३ ० १ २ सासा- $|\, I\,$ नो रासा $\, I\,$ सासा $\, I\,$ सा $\, I\,$ मा $\, I\,$ आ चा ह $\, I\,$ सं $\, S\,$ प्रया $\, I\,$ घनि चे $\, I\,$ ए $\, S\,$ $\, S\,$ हो $\, S\,$ $\, S\,$ ३ ० १ २ ३ धा - | - | I सा सर गा I गा गा - | I गा - | - | I गा - | रा I ऽऽऽ | गे लो०ऽ | रे दि न् | बो ऽऽ | ये ऽऽ |

० १ २ ३ ० गप पा । I पर्म पा । I पा - | पा I धर्म - ! पा I गा - | - | I बौं० धन् I हा० रा ऽ I वृऽ ष्टि I धा० ऽ ऽ I रा ऽऽ I

II

। अन्तरा ॥

३ ० १ २ ३ -। I -। -। -। I सांगां रां I गांगां मां I गांगां गां I रां -ऽ I ऽ ऽ ऽ I कि ऽ भा I वि जे ऽ I आ प० न I म ऽ

मा I I 5 I I

॥ आभोग ॥

ध्या - । - । - । - । - । । या या - । । मी या - । । ध्य मी छे ऽऽऽऽऽऽऽ । खुंजेऽ । नाया इ। कु०ऽ

३ ० १ २ प्राप्ता गा-। मा प्रिमं सांसां मिश्वापा प्रिमं प्रमं श्वाप SI ऽऽल् सिौ०ऽर मिश्राण स्कां० दि० से प्र

३ ० १ २ र पामा पा I गा - | - | I रा - | - | I गा गामा I मामा तो ऽऽ I लेऽऽ I ऽऽऽ I भि जेऽ I ध ने गर । र वा । रा । सा । । । ंर् । फू ऽऽ । ऽऽल } ।

॥ संवारी ॥

३ ० १ २ सां।- I -। -। -। सांगांगांगांगां मां I गांगां गां ां ऽऽ I ऽऽऽ किं न सु I रेआ ज l म रि• ये I

. ० १ २ ३ • पा I पा पर्म था I पा -, मा I गा -, ना I गा नी ज् I ल क० ल I भु ऽ ऽ I लि ऽऽ I ऽऽऽ I आ क्रि

2 I I

आर नाई रे बेला नामलो छाया धरणीते

एखन चोलरे घाटे कलस खानि भरे निते।

जल धारार् कलस्वरे संध्यागगन आकुल करे

ओरे डाके आमाय पथेर परे सेई ध्वनिते।

एखन विजन पथे करे ना केउ आषा जावा

ओरे प्रेम नदीते उठेले हेउ उतल हावा।

जानिने आर फिरबो कि ना

कार साथे आज होबे चिना

घाटे सेई आजाना बाजाय वीणा तरणीते।

राग-मिश्र इमन। ताल-दादरा। तिस्रजाति। मात्रा ३ मध्यलय

॥ स्थायी ॥

 $\begin{array}{c} \bullet \\ \text{ सा } II \end{array} \left\{ \begin{array}{c} \xi & \bullet & \xi & \bullet \\ \text{ सा } -I \ \vec{\xi} \ I \ \text{ गा } \ \text{ पा } -I \ I \ -I \ I \ -I \ -I \ I \end{array} \right. \\ \text{ जा } \tau \ II \end{array} \right.$

१ ० १ ० ४ । १ Іमान्था ^{पि}घापा मा रिगा गा मा रिमा गा न रिन्न रिगम् लो रिखाया ऽरिध र ऽरिणीते ऽरिऽ

१ ० १ ॰ धनी -I पा पध नोसं I नी धा नI -I न न I ना न सा I नि० ऽI भ रे० ०० I नि ने ऽI ऽऽऽI ऽऽआ ${}_{I}$

१ ० १ ० रे-। पा I मा गा । I -। -। -। ना ॥ प नाईरे I बे ला ऽ I ऽ ऽ ऽ 1 ऽ ऽ आर्॥

॥ अंतरा ॥

० १ ० १ सां -) I सां -। सां I नी घा पा I पा घनी सां I नो घा नीघ ऽऽ I संऽध्या I ग ग न [आ कु० ल I क रे ००

१ पा । I नी धनी धप I पर्मपार्म I गा । मा I मा गा । I मारू I प थे ०र् I प० रेऽ I सोई ध्व I नितेऽ I

-। -| II ऽ आर् I I

॥ आभोग ॥

१ ० १ गागा -। ० १ -। -। -। I-। सासा I सासा -। I सासानी I घाघा ऽऽऽ I ऽएखन् I विजन I प थेऽ I करे

१०१ मा रिगागा मारिमामा गारिधा -|-| रि-। ध्वा पार्रि उर्जित स्वाहाचा ८४८ ८८ ४८ ए खन् रि

॥ संचारी ॥

{ १०१ पागा-। र्रिया पाया प्रधासां सां सांसां सांसां । रिसं जानिऽ रिनाआर्रिफ र्बो किनाऽ रि००

o १ o १ सां - | I - | - | - | सां - | सां I निधापा I पाधनी सां I ऽऽ I ऽऽऽI का ऱ्सा I धे आ र् I हो बेo ऽ I

० १ -।प। यापा-। प्रिमाणमापनी यापामा या इंथ जिल्ला ऽ याजा व्याची णाऽ तिर

॰ १ ॰ १ ० मा I मा गा -| I -| -| I -| -| सा I सा I सा I रा I रा I रा I रा I जिला

१ ० -| [-| -| -| -| सा II ऽ I ऽ ऽ ऽ I ऽ ऽआः ृ II

निशार् सपन छूटोलो रे प् इ छूटोलो रे।

उट्टलो बाँधन टूट्लो रे।

रोईलो ना आग् आडाल प्राणे बेरिये प्रलेम जगत् पाने

हृद्य शतदलेर सकल दलगुलि प्रं फुट्लो रे प्रं फुटलो रे॥

दुवार आमार् मंगे शेष दाँडाले जैई आपनि प्षे

नयन जले भेसे हृदय चरण-तले लुट्लो रे।

आकाश होते प्रमात आलो आमार् पाने हात बाडालो

भांगा कारार हारे आमार् जयध्विन उठ्लोरे प्रं उठ्लो रे

राग—मिश्र भैरवी। ताल—दादरा। धात्रा ३। मध्यलय।

॥ स्थायी ॥

१ ० १ ० मे १ साधा-| [धापा-| पा -| पा I पा मे पा गा I पा मा पा निशार् | स पन I छुट्छो I रे ए हे | छुट्छो I पूर्व १ व म्या । पा | मापा गा | I पा मपम । I गा । ना I I
I रेऽऽ I दुट्लो I बांध न I दुट्लो I

सा -| -| II रे ऽऽII

॥ अंतरा ॥

 $\left\{ \begin{array}{lll} \xi & \text{o} & \xi & \text{o} & \xi \\ \underline{\mathtt{y}}_{I} + \underline{\mathtt{y}}_{I} & \underline{\mathtt{y}}_{I} & \underline{\mathtt{y}}_{I} & \underline{\mathtt{f}}_{I} & \underline{\mathtt{f$

 \mathbf{I} \mathbf{I}

१ ० सं ग्रांसं । I नी नी घ्रा I नीघ्र नीघ्र पा I हद य् I रा त० ऽ I द ले ग्रांस० क० ल I

२० म्या ना । पा मपपा छि प्रधा प्रधाप दल्गु । लिप इं । फूट० ले । रे ऽ प ई १ ० १ ० १ Іमा पमगा І मा - । - । Іगा - । रा । सानी धा । नीस । फू ० टलो । रेऽऽ । टूटलो । बांध न् । टू०

गा रा l सा । - 1 l l द्लो l रे ऽऽ! I

॥ आभोग ॥

र ० १ सासा - | I सानी धानी I नी साना - | I गा दुवा र | आमा ० र | अंगे ऽ I शे वे ऽ I दौ

o १ गा। I रागासा I मारागा I रासा-। I सामाधा डाऽ I ले जैई I आप नि I ए वेऽ I नयन

॰ प्राप्ता । प्रापा । प्रापा वा मा प्राप्ता । मा प्राप्ता । मा प्राप्ता है दय । चर० ण । त

भा मेम І गान रा I सान न है ०० I लूट हो I रे ऽऽ

॥ संचारी ॥

॰ १ ॰ एं सं I मां नीधा I धा सां सां पा ने I हा ॰ त् बाI डा लो॰ I भां गा I

. ० सं \mathbf{t} सं \mathbf{t} सं \mathbf{t} सं \mathbf{t} में \mathbf{t}

में पामगा-। I पामापा I घ्रा घ्रा घ्रा घ्रा मापागा! मा ध्य नि०ऽ । उठ्छो । रे ए ई० । उठ्छो । रे

१ ० १ ० १ ० । मा मा I गु । I सा नो धू । नी स गु । I सा । I ८ ० ० I टू लो I वांध न् I २ ० ट्लो I र ऽ

-1 1 ^ I **2** I_1

> आजि श्रावन घन गहन-मोहे गोपन तव चरण फेले, निशार मन नीरब ओहे सबार दिंठि पडाये एले। प्रमात आजि मुदेले आँखि बातान वृथा जेतेले डाकि, नोलाज नोल आकाश ढाकि निषिद्ध मेघ के दिल मेले। कुजनहोन कानन भूमि, दुवार देवा सकल घरे, एकेला केन पिथक तुमि पिथकहीन पथेर परे,। हे एका सखा,हे प्रियतम रोयेले खोला ए घर मम, सम्मुख दिये स्वपन सम जेयो ना भोरे हेलाय ठेले॥

राग मिश्र महद्वार । ताल भंपक । मात्रा ५ । मध्यलय ।

॥ स्थायी ॥

१२१२ सासाII रागा।I रागा।I रागा।I रागा।I रागा।I रागा।I राजा।I साति I आजिII आवण्I घन I गहन्I मोहे I

१ २ १ नि २ १ [पापा-|] मापा] धासां निसां] धापा [माप्गा [नीरव] ओहे] सबा र्[दिठी] एडा०

गु। र गु। गु। र र ये र र र र र र र

॥ अंतरा ॥

 $\{$ मापा-|I| निपुनि I निसां सांI संनिसांI सांरां-I मात्I आं \circ जिI मुदे छेI आँ \circ खिI वातास

२ १ २ १ २ I मां मां I रां रां सां I निपाI मा पापा I पाधा I I वृथा I जेते छेI डा कि I निलाज I नी ल्I

१ २ १ २ १ मापमासांI सांसांI सासरराI रासाI रारगुगुIआका० श्Iढाकि I निवि० डI में घ्I के दि० डो I

२ गागा। मे छे।

॥ आभोग

 $\{$ सर २१ ति $\}$ मामामाI मम पाI पापापाI पम पाI घासां सां $\{$ कुजनI ही ०न्I काननI भु० मिI दुवा र

२ १ २ १ २ १ प रा गा I सिन्सान्सा I रा गा I पा गा गा धिक् I तु मि I प थि०० क् I ही \circ न I प थे र

२ I गुगुगु I I q र I

॥ संचारी ॥

१ २ १ २ १ मा प्रमापा I निपानी I निसां सां I सं सं I सं हे ए० का I सं सं I सं है प्रयI त० म I र

I रंसं रां I मां मां I रां सां निरं I सां निर्दे I सां निर्दे I धाधा नी I I ये॰ छेI स्रो ला ए घ र०I म मI स मुख्I

२ १ २ २ १ २ धापा I पापा पा I पापा I धां सां निसां I धापा I दिये I स प०ना स म I जे ओ०ना० I मोरे I

१ २ सा सारा I रा रा I I हे लाय् I ठेळे I I

आमि हेथाय थाकि शुधु गाईते तोमार गान,
दियो तोमार जगत सभाय पई दुकु मोर् स्थान।
आमि तोमार् भुवन माझे लागिनि नाथ कोनो काजे
सुधु केवल सुरे बाजे अकाजेर पई प्राण।
निशाय् नीरव देवालये तोमार् आराधन,
तस्तन मोरे आदेश कोरो गाईते हे राजन।
भोरे जस्तन आकाश जुढ़े बाजबे वीणा,
सोनार सुरे, आमि जेनो ना रई दूरे पई दियो मोर मान॥

राग-परजबसंत । ताल-तेवरा मात्रा ७। मध्यलय ।

॥ स्थायी ॥

१ २ ३ १ २ ३ ध्रानीसं र्रें I र् I सां नी I नि नि ध्रा I नी I ध्रा पा का मि० S I है S I थ्रा S I थ्रा S

१ २३ १ . २३ І वार्मव गा I वा - | I गा वा I गा - | रो I - | सा | - | І गा ०ईते I नो ऽ I मा र् I गा ऽ ऽ I ऽ ऽ I ऽ

३ १ २ ३ १ सां -I सां नी गां I गां -I सां नी नां प्रा I नि -I सां यू I ए ई टु I कू ऽ I मो रI स्थाऽ ऽ I ऽ ऽ

] ध्रान I I I ऽऽ I l

॥ अंतरा ॥

१ २ ३ म् $^{\xi}$ २ ३ I सांगां $_{1}I$ गा $_{1}I$ गां गां $_{1}I$ सां $_{1}I$ सांग $_{2}I$ सांग $_{3}I$ सांग $_{4}I$ सांग $_{5}I$ स

३ I ध्रा मा I I I ऽण I I

॥ आभोग ॥

२ ३ प्रमान I मा पा प्रमान | I मा पा प्रमान | I न | I न | I न | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I

.१ २ ३ म१ २ ३ पापा | 1 गा | 1 गमा पा I म पा गा | 1 गा | 1 सा | 1 .त ख न I मो ऽ I रे० ऽ I आ देश | को ऽ I रो ऽ I

र २ ३ १ २ निस धार्मिसागा सेन्। सान्। नार्ना गाईते हिऽ रिराठीज ८८ डिन्सी

॥ संवारी ॥

१ २ ३ १ सं २ ३ ध्राधा । I नि । I नी । I ग्रां स्तां I सां नी I सां - I भी रेऽ I जऽ I खनI आका श्रु I जुऽ I डे - I

है I ध्रामा I I I S न I I

आजि झेंडेर् राते तोमार् अभिसार पराण सखाबंधू है आमार्। आकाश काँदे हताश सम नाई जे घूम नयने मम, दूबार खुलि है प्रियतम चाई जे बार बार। बाहिरे किछु देखिते नाई पाई तोमार पथ कोथाय् भावि ताई। सुदुर कोन् नदीर् पारे गहन कोन् बनेर् धारे गभोर् कोन् अंबकारे होतेछो तूमि पार॥ राग-सिंधुकाफो। ताल-भंपा। मात्रा ५। बिलंबित लय।

॥ स्थायी ॥

11-1-1 I -1-1 I Z Z Z Z Z I

॥ अंतरा ॥

 $\{ 1 \text{ det} \ I_{-1} : \{ 1 \text{ de} \ I_{-1} : \{ 1 \text de} \$

र २ १ प्रश्ति I निध्या I पा मा -। I -। -। I मा नि नि I धा य I त० ०० I म S S I S S I S I S I S I S

२ १२ १२ |पा | मिगा - | - | 1 - | - | 1 रास्म गा | रासा | रागारा |रे | बा॰ ८८ | ८२ | पराण् | ससा | वं ८ धू

१ २ १ | स्सानि | स्सानि | 1 नि | I I | हे आ | माऽऽ | ऽर् | I I

॥ आभोग ॥

२ १ स्म I मा न न I न न I II ।व० I ता ऽऽ I ऽई I I)

॥ संचारी

 $\left\{ \begin{array}{ll} \textbf{2} & \textbf{3} & \textbf{3} & \textbf{3} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{I} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{I} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} & \textbf{q} \\ \end{array} \right.$

१ १ १ १ १ I - I = I मां गां गां I = I मां I = I मां I = I मां I = I मां I = I

. २ १२ १२ १ I म $\underline{\eta}$ -| -| I -| -| I रा $\underline{\eta}$ | -| I रा $\underline{\eta}$ | I хи $\underline{\eta}$ |

वि I सा - | - | I] Gitanjali Eng. T. N. 23. आ I मा ऽ रू I ! [

> हेरि अहरह तोमारिविरह. भवने भवने राजे है। कत रूप धरे कानने भधरे. आकाश सागरे साजे है। सारा निशि धरि तोराय ताराय. अनिमेष चोखे नीरब दाँडाय। पहाब दले श्रावण धाराय. तोमार विरह बाजे है। घरै घरे आजि कतो वेदनाय, तोमारि गमीर विरह घनाय कतो प्रेमे हाय कत वासनाय, कत सुखे दुखे काजे है। सकल जीवन उदास करिया, कत गाने सुरे गलिया भरिया। तोमार विरह उठिछे भरिया, आमार हियार माझे है।

राग मिश्रकानडा । भ्रुपद् । ताल चौताल । मात्रा१२ । बिलंबित-लय-

॥ स्थायो ॥

४ १ ० २ मपध्यपा रिम्मु मगुः रिम्मुमिनु रिप्मा प्रमा रिपमः संः संपा वि००० रि० ह० रिभु० व० रिने ० भु० रिव० ० ने ०

र्पितृपम रिप्तृम्पारिमगुमगु रामापारितृपा रा०० जि० है रा००० कितरिस्

२ ० ३ ४ १ I पापाI मप निसंI रां गुर्ग I रां सांI संदं संन्I घर I आ० का०

॰ निसां I निध्य ध्या पितृ । I निम्मुगा I - । मगुगा II I हो सा I ग॰ रे॰ I सा ८ कि है I ८ ०० II

॥ अन्तरा ॥

१ ० २ ० वित्रा $\overline{\mathbf{f}}$ निया I नि नि I सां संरां I निसां नि $\overline{\mathbf{f}}$ संपा I निसं सां रां I । I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I |

निसां निप्तां निधा I निधा I

मिपाम पा I पिन मपधप I मगु-मगु I सो रां I रंगुं रंगुं I नी र I व०दाँ००० I डा०-०यू I पुट I हु० व० I

सं \mathbf{a} ० ३ ४ \mathbf{p} १ सं \mathbf{a} निसं निसं \mathbf{f} सां निष्य \mathbf{I} नि-पा \mathbf{I} प्यापमा \mathbf{I} द छे \mathbf{I} श्रा० व ० ऽ \mathbf{I} पा श्रा० \mathbf{I} राय् \mathbf{I} तो० मा० \mathbf{I}

० २ ० <u>गु३ ४</u> प्रमापमा I पम सं^{नि} सां I मगाना I गुमारा I न सा I रि० वि० I र०० ह I बा०ऽ I जे हे Iऽऽ I

॥ आभोग ॥

 $\{ \{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \} \}$ सा सा $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा सा $[\{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा सा $[\{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \}] \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \}]$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \}$ सा ता $[\{ \{ \{ \{$

१०२० ३ ४ I मा प्रमा I पा I प्रमा I प्रमा I प्रमा I मिI म

१ ० २ ० ३ मगा र्मिगुा निधा र्शिनुधा निधा रितृ-पा रिमा पमा रिसांसां र ०य्र किंतर रिवे मेर्गिस्य किंतर रिवार स्रार्थ f y f v f v f v f v सां निधा I निधा निधा I निपा I निपा I f H पा I f H f v f H f v f H f v f H f v f H f H f v f H f H f V f H f

मगा I -| -| }] है॰ I दूरी

॥ संचारी ॥

१ ० २ ० ३ सां I निर्धा निर्धा I निष्ध पा I पमा पा I पमा मिन I पधमा या I का त ० I गा० ने I सु० रे I ग० हि I या००

રું ક ૧૦૦ વરે તાં I સાં તિુધા I તિવા પાI મા પાI ધમા વવા I વસાં તિુના દિ I છે મ૦ I દિ૰ યા I આ મા I ૦ ર્દિ \circ I યા ૦ ર્

॰ ३ ४ I मगु - | I मारा I - | सा II Gitanjali Eng. Trans I मा॰ ऽ I झे हे I ऽ ऽ II No 87 कोशाय आलो कोशाय ओरे आलो. विरहानले जालोरे तारे जालो । रयेछे दीव ना आछे शिखा एई कि माले छिलोरे लिखा, इहार चेये मरण सेजे भालो। बिरहानले प्रदीपखानि जालो । वेदना दृती गाइछे ओरे प्राण, तोमार लागो जागेन मगवान । निशोधे घन अन्धकारे डाकेन तोरे प्रमामिसारे. दु:ख दिये राखेन तोरमान । तोमार लागि जागेन भगवान । गगन तल गियेछे मेघे भरि बादल जल पडिछे भरि भरि। ए घोर राते किसेर लागी पराण-मम-सहसा जागि एमॅन केनो करिछे मरि मरि, बादल जल पडिछे भरि भरि। बिजुलि शुध्र क्षणिक आभा हाने, निविद्यतर तिविर चोखे आने। जातिना कोथा अनेक दूरे, वाजिलो गान गभीर सुरे, सकल प्राण हानिछे पथ पाने निबिडतर तिमिर चोखे आने । कोशाय आलो कोशाय ओरे आलो विरहान है जालोरे तारे जालो । डाकिछे मेघ, हाँकिछे हावा, समय गेले होवे ना जावा,

निविड निशा निकषघन कालो पराण दिये प्रेमेर दीप जालो॥

॥ रागिणी देश ॥ ता० भांपक । मात्रा ५ मध्यलय ।

॥ स्थायी ॥

र II सां सां निर्धे I सां तिधा I पा मपा-धनी I िच घा पा I II को थाय ०० I ओ रे I

मगा I गरा सा I निसा-रेगा-मगा I मरा -। I रा रमा I रे I रा रे I जा० ०० ०० I छो I र ये० छे I

२ १ २ ए१ २ १ मा मा I मा पा पा I पा पा I पा पा I मा नी नी I नी सां दी प I ना आ छे I शिखा I पई I कि I भा छे I छि लो

 1
 निधा पा I
 प्रामागारा I - । I रारपा पा I
 प्रामा मा

 1
 से जे I
 भा उल्लो I ऽ ऽ I वि र० हा I
 न ले

। अन्तरा॥

१२१२ २१२ । III मापापनी I नी नी I नी नी नी नी I नी भाषा I सां। I ने द ना॰ I दूती I गाई छैI ओ रे॰ Iप्राण S

्र १ र्संI सांI सांI

 $f{1}$ प्राप्ता $f{1}$ प्राप्ता $f{1}$ प्राप्ता $f{1}$ मा मा $f{1}$ स्ता $f{1}$ स्ता $f{1}$ स्ता $f{1}$ स्ता $f{1}$ स्ता $f{1}$ स्ता $f{2}$ राखे स्राप्ती र $f{1}$ सान् $f{1}$ सान् $f{2}$ राखे स्राप्ती र $f{2}$ सान्र्

१ पुरु १ २ १ - I रापापा I मामा I गागामगा I रासा I तिसरा - I दी नार I छ। गि I जा गेन ०० I भ ग I वान् I

२ १ २ १ २ -|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|-|I|

१ २ १ २ प^१ भ्रा 1 निसारागा I - | - | I सामा I पापा I प्रा भा I भ० ऽ रि I ऽऽ I बाद ल I जल I प डिछे

२ १ २ १ म २ १] गा गमा] रगा-मा ना] -। -।] रा मा ^मरा [मो मा] मा [भारि∘] भः०ऽ रि] ऽऽ] ए घो र] रा ते] कि

२ पृ २ १ २ १ प्राप्ता I पापा I पापा I नो भी I नी सां से नी I सां से I हा सां I जा

मां I संनी रें मां I नो ने I चा सांनी I घा पा I नि I एम न I के ने I करि छे I म रि I

१ २ १ प्रेमा मा I मा मा I म I है है I म I है है I

२ १ २ १ २ १ र सा I निमा रारा I - I मापापा I नी नी I में कि रि I भ σ 5 रि I 5 रि I विजुलि I शुधु I क्ष

२ १ नो नी I नी निसां I धनो सांसां I -। I सांसां जिल्ला क I आ भा \bullet I हा \bullet S ने I S S I नि वि

२ १ २ २ १ सां I सां सां I सां सां I सां सां I सां सां I अर्थ I अर्थ I अर्थ I अर्थ I अर्थ I

२ १ $\underline{\eta}^{,2}$ १ I_{-1} I_{-1}

१ \mathbf{i}^{ξ} २ \mathbf{f}^{ξ} सं \mathbf{i}^{ξ} । सा संदं \mathbf{i}^{ξ} \mathbf{f}^{ξ} ने \mathbf{i}^{ξ} । सा पा \mathbf{i}^{ξ} जिल्ला कि \mathbf{i}^{ξ} । सा पा भोर \mathbf{i}^{ξ} सा दे

१ $\frac{1}{2}$ १ २ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$

२ १ प्रशासा I ना मा I ना मा I ना मा I ना मा I ना सा ने I ८ I निविद्या तर I ति मिर**ः** I चो खे

१ २ २ २ २ १ I निसारा रा I -। -। I सां सां नीर I रंसां नोधा I पा I आ I ने I ऽ I को धाय ०० I आ लो० I को

मिपा धनी I मिपा पा I सामारा I -। -। I रापा पा धाय ० I ओ रे I आ S लो I S S I वि र हा

प्रमामा I म्या मा मा I रासा I निसा रागा I न स्रे I जा स्रो र ता रे I जा० ००

२ १ ति २ १ २ मगा I रा-| I रामा रा I मा -| I मा पापा I पा ०० I लो ऽ I डाकि छे I मे घू ऽ I दाँकि छे I हा

२ १ २ १ १ पा I मा पा \cdot_I I नी नी I ना सां $\overset{\mbox{\scriptsize e}}{\rightarrow}$ नी I सां सां I सां वा I सा मय S I तो हो I ना I जा वा I नि

निरं $\overset{i}{\text{Hi}}$ $\overset{?}{\text{I}}$ नी नी $\overset{f}{\text{I}}$ भा $\overset{f}{\text{Hi}}$ $\overset{f}{\text{I}}$ भा $\overset{f}{\text{I}}$ $\overset{f}{\text{I}}$ भा $\overset{f}{\text{I}}$ $\overset{f$

२ १ २ I रेसा I निसा रेगा मगा I रा - | I I Gitanjali Eng-I दी प I जा० ०० ०० I लो ऽ I I | [Tr. No 27 धने जने आछि जडाये हाय तबु जाने मन तोमारे वाय।
अन्तरे आछो अन्तर्यामि आमा वेये
आमाय ज्ञानिछो स्वामी,
सब सुखे दुखे भुछे धाकाय जानो मम मन तोमारे वाय,
छाड़िते पारिनि अहंकारे घुरे मिर शिरे
बहिया तारे, छाडिते पारिछे बाँचि जे
हाय तुमि जानो मन तोमारे वाय।
जा आछे आमार सकिछ कवे निज हाते तुमि तुिख्या छवे।
सब छेड़े सब पाबो तोमाय मने मने मन तोमारे वाय॥
राग मिश्रसिन्द्रर एकताल मात्रा १२ मध्यलय

॥ स्थायी ॥

१ २ ० ३ II सिंनि सिंशं सिंनि I नीधा नीधा निपाI पापमापाI नी-ध ० ने ० ज ० I ने ० आ ० छ ० I ज डा० ये I हा

१ २ ० १ पा - |I| मपा पधा मपा I मगु - |H| सेरां संरंगु रांसां I ऽ य् I त ० बू० जा० I ना ०० मन I तो० मा०० रे० I

३ र रंसां निधपा धनिसां I I चा॰००००० व्यू I I

॥ अन्तरा ॥

II f नी - I नी I नी नी नी निपा I नि सां I सां नि सां I II f अं f त I र या मी I

१ २ ० १ ति 3 संित संरा रंमां I मंगु। गुंरा रेसां I संित संसंर सां I I संित्र आ० मा० चे० I ये ० आ० माय् I जा० ति० ० छा I I स्ता०

I मा मा I पा -। संरां I संरा संराग्धा रसा I रेरेसां निषाधा I जा नू I म S मन I तो॰ मा॰ रे॰ I चा॰॰ •००

तिसां I I ०य I I

॥ आभोग ॥

 $\{II\}$ मा मा I नी -। धवा I नि सां रां I संसा निनि धा I छा डि ते I पा S रिनि I अ हं S I का ००० रे I

१ २ ० ३ १ मा मा पा I पा नी घा I मा पत्रा पा I मपा मना गा I गा घुरे म I रिशि रे I ब हि॰ या I ता॰ ०० रे I छा

२ ० ३ मि १ यागा I गा गा I गा गमपा मा I गा रसा सा सा ड़िते I पा रिले I बाँ चि०० जे I हा ०० य I तु

२ ० ३ मगा मा I पा -। सांसां I निसं निसं सां I नी -। I मि० जा I नो S मन I तो० मा० ० रे I चा S य I

॥ संचारी ॥

संमां गमां I रंगां रंगां संरां I निसां निसंरां सां I संनि न जे० हा० I ते० तु० मि० I तु ० छि०० या I छ० S

१ २ ० सं Π मा मा Π पा -| संरां Π संर Π सं Π संरां Π

निसां I ० य I विश्वसाथे जोगे जेथाय विहारो सेईखाने जोग तोमार् साथे आमारो।

नयको बने, नय विजने नयको आमार आपन मने ।
सबार् जेथाय् आपन तुमि हे प्रिय सेथाय आपन आमारो ।
सबार् पाने जेथाय् बाहु पतारो सेईखानेतेई प्रेम जागिबे
आमारो

गोपने प्रेम रय् ना घरे आलोर मत छड़िये पड़े सवार् तुमि आनन्द्घत है प्रिय आनन्द सेई आमारो । रागिणो भेरवी ता० धुमाली। मात्रा ४। मध्य उय

॥ स्थायी ॥

१०१ था । पान्याधा रिमान पान्। गामा विऽऽश्वस्मिऽयेऽ जोऽगेऽ जिऽधाय्

र १ ० १ ० 1 गान रान | सान न न मा मान मा मान मा 1 विऽहाऽ | रोऽऽऽ | सेऽई खा | नेऽ जो

१ ० १ ० -| I मापा मपधा I पाः मः गुः रेः I सा - -| रे I गुा मम ग I तो ८ मा० र I सा ८ थे ८ I आ ८ ८ ८ I मा००

१ गुगु रें []] सा न न न I न न न न I ०० ऽ I रो ऽ ऽ ऽ I ऽ ऽ ऽ ऽ I

॥ अंतरा ॥

१ सां - | सां - | निसां | संसंग्रं सां - | निसं ने ऽ | न ऽ य्को | आ० ऽ मा ग्रे आ ऽ प०

 $\frac{1}{2} \left\{ \begin{array}{ll}
\frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\
\frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\
\frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\
\frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\
\frac{1}{2} & \frac{1}{$

॥ आभोग ॥

{ सा-। सा-। [सा-। सार्] [गू।-। गू।-। मम सा-। सा-। [सा-। सार्] [गू।-। गू।-। मम सा-। सार्] पा ऽने ऽ] जेऽथा य्] बा ऽ हु० १ ० १ ० मा र्गान्। गारारे गुमा मगागासारे सा गानगारा ऽर्रोप ऽसाऽरि रो० ०० ऽऽरिसंऽ इंस्वार्नि

१ प्राप्ता । 1 र्ग मप -। 1 प्राप्ता । 1 सा प्राप्ता । सा 1 दे है । 1 दे । 1 दे

॥ संचारो ॥

१ -| सां -|] सां । विसंगं] गं -| सां -|] वो सां विसांग्] ऽरेऽ] आ ऽलो०ग् मिऽत न्। छ ड़िये० ऽ]

• o रहे o SI } श्रुपान घान घान घान प्रान्य पान पुरुष दहे o SI } सुडबार तुऽमिऽ I आ S सां । $\frac{{\bf q}^{?}}{{\bf q}^{i}}$ । ${\bf q}^{i}$ । ${\bf q}^{i}$

१ ० - । ति धा पा तो धा पा मा गुरुसा । ऽसे हें बिजा ऽमा ऽो रो ऽऽऽ।

ताई तोमार आनंद आमार पर तुमि ताई एषेछो नीचे।
आमाय नईले त्रिभुवनेश्वर तोमार प्रेम होतो जे मिछे।
आमाय निये मेलेछो पई मेला आमार हियाय चल्चे रखेर खेला।
मोर जीवने विचित्रक्षप धरे तोमार ईच्छा तरंगिछे।
ताई तो तुमि राजार राजा होये तबु आमार हृद्य लागि।
फिर्चो कत मनोहरण वेशे, प्रभु नित्य आछो जागि।
नाई तो प्रभु, हेथाय पले नेमे तोमारि प्रेम भक्त प्राणेर प्रेमे
मूर्ति तोमार जुगुल सम्मिलने सेथाय पूर्ण प्रकाशिछे॥
रागमिश्र जयजयवंती ताल दादरा तिस्रजाति मात्रा ३ मध्यलय

१ ० १ ० १ ० । Π पामा Π मा Π मा Π सामा Π सामा Π सामा Π सामा Π

१ ० १ ० \mathbf{t}^{ξ} रा -| -| \mathbf{I} गा गा सा \mathbf{I} \mathbf{I} रा मा मा \mathbf{I} मा मा \mathbf{I} \mathbf{I} गा प \mathbf{t} \mathbf{t} \mathbf{I} \mathbf{t} \mathbf{t}

॰ धर्मा ति - । I धापा - । I पा धा धापा व ने ऽ I श्व ऽ र I तो मार् । प्रे म् हो ॰

॰ प्रमागा I रगा -| सा I -| -| -| I I ताज ऽ I मि ऽ छे I ऽ ऽ ऽ I I

॥ अन्तरा ॥}

धनी - |I| सांसां - |I| सांसां - |I| सांसां - |I| सां |I|

० १ ० १ ० सां I सां सां नि I धा रां सां I रां -। संनी I नां -। नी I नीं चे I :र से र् I से ऽ ऽ I लाऽ०० I मोर्जी I ब

१०१७ १० १० सां -I नी सां रां I सां नी -I धानी -I धा पा -I पाने ऽ I विविऽ I त्र रूप I ध रे ऽ I तो मा र् I ई

o १ o धापधवा र मामा गार्रिगा - स्वार्रि - | - | - | T ऽच्छाo र त १ ऽर्रिग ऽछे र ऽऽर्रा

॥ सञ्चारो ॥

० १ ० र रा-| I रारा-| I सारा मा I मामागा I गा -| सा I ये ऽ I त बुऽ | आ मा र् | हृद्य् I लाऽ गि I

० १ ० १ ० १ ⊣-।-। І मा - । रा І मा पा - । І पा पा नो । । घा नो - । । घा ऽऽऽ । फि. ३ चो । कतो ऽ । म नो ऽ । हरण् । चे

o १ o १ तो -| | धापा -| | पाधापा | मामागा | रगा -| सा I रो ऽ र मु ऽ रिन ऽ त्य | आ छो ऽ | जा ऽ गि र

आभोग।

धनी न नाम्सांना नासांसांना सां ने ऽऽामे ऽऽातो माऽारि प्रेम्। भ

॰ १ ॰ । सां | सां सां निष्याराः साः | रां ना संनि हे | नी ना उक्त | प्राणेर् | प्रेऽऽ। में ऽ०० | मूऽ

९ १ ० १ ० नी र नो सां - र सां

१ व ० ० वा ना प्रवासामा गा । रगा न स्वास्तान न था य्रापुट र्ण० द्विका ८ । शिट छे द्विट

1 1 l-

देवता जेने दूरे रई दाँडाये आपन जेने आहर किने। पिता बोले प्रणाम किर पाये बंधु बले दु हात् धरिने। आपनि तुमि अति सहज प्रेमे आमार् होये जेथाय पले नेमे, सेथाय सुखे बुकेर मध्ये धरि संगी बले तोमार धरिने। भाई तुमि जे भाईयेर माझे प्रभु ताईर पाने ताकाई ना जे तबु भाईयेर साथे भाग करे मोर धन तोमार मुठा केनो भरिने। छुटे एषो सर्वार सुखे दुखे, दाँडाइने तो तोमारि सम्मुखे, संपिये प्राण क्रांति विहीन काजे प्राणसागरे भाँपिये पिंडने! राग मिश्रसिन्धु ता० एकताला मध्यलय

॥ स्थायो ॥

२ ३ ० १ २ ग | रासासा | रा-। मा | मा - | - | पा | मा मगु। - | | आपन | दिऽऽ। ने ऽऽ। ऽऽऽ। आ द० ऱ्

३ ० १ ॥ २३ ३ १ गुगुः न्साना सान नानानाना मापाना पान न १ क००० रिनि ८ ऽ ऽ ऽ ऽ विता ऽ सिंऽऽ

० १२२ ३०० | पानन्तिनन्ति। पाचानो । धानो धा । संसांनोनो धा | छेऽऽ । ऽऽऽ । प्रणाम । करिऽ । पा०००ऽ १ २ | पिगामा | पासांसां | संध्यां तीधा | पामा न | न न न | ये ऽऽऽबंऽधु | बो०ऽऽ | छेऽऽ।ऽऽ

र ग है • १ पा मा मगुः । 1 गुगुः । रसा रा 1 सा । । । । । । । । । । । । । । । । ऽ । दू हा॰ त् । घ० ०० रि । ने ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ । ।

अंतरा

 11
 क्ष्मा । पा I नी नी । I नी नी पा I नी नी सां I रंगं

 11
 अाप् नि 1 तु मि ऽ 1 अ ति ऽ । सह ज् I प्रे०

र २ स्नो-नो I सांचचा संनी सांची गंगांगांगांचांची ऽऽों में ऽऽी आ० मारी हो येऽी जै० था० यूी

रें सां ।] सां निरं सांरें] सां नी । } 1 धसां निस्नी ।] ए हे ऽ [ने ००००] में ऽऽ] से धा०य]

३ ०१२३ भाषात्री | घाषा-| पिन पमा पिन धार्मिनी न न] सुलेऽ बिकेर् सिंद्र घोरऽ | रेऽऽ]

॰ १ २ ३ धनी होरां ^{सं}रां I सांनी - | I धापाधा I मपाधा ^मपा I सं० ०० गी I बो छे ऽ I तो मार I ब० ऽ रि[ा] ० १] मना १-।] स ममा नुसा]] [ने ० ८ ८] ८ ००००]]

संचारी

र इ ० १ सा । सा रिरागा रिरामगा । गुरासारा । ।। भाई तु विजेऽ सिर्ध ० थेर् मा० झेऽ ।

म्य ३०१ २ मंगामा -1144-11 मामा नी 1 घाघानो 1 घाघनो संगं प्रभु ऽ 1 ऽ ऽ ऽ 1 ता दे र् 1 पाने ऽ 1 ता का००ई

ः ३ ० १ $\{ 2 \}$ ते संसां नी धनी [1] धा पा -[1] -[-1] ते नी नी -[1] नो [1] ना के ०० [1] ते नु [2] द [2] साई ये र्[2] सा

० १ २ ३ ० नी-| I नी-| नी I सां रांसां I नी सां-| I - I - I - I - I निरां थेऽ I भागक | रेमो रु । घऽऽ । ऽऽन् I नो०

रूरंसां । I नो धानी | धापा - I मपाधा मपा मगा - I - ब मारुर्ी मूठाऽ किनोऽ मिरुऽ रि I नेऽऽऽ

१ | रा -1 -1] रे | ८ ८ ८ | |

आभोग

२ १ २ २ १ - । सां | रंशं संसां - | सिंति सां - | राशं - | मां मंगां 5 5 कि ०० 5 दिंग डाई कि तो 5 को मार्थ

३ ० १ -| | रां सां:गं:| निसां निरां संगं | स्ंतो -| -| | } भ्रसां ऽ | रि सं ऽ | मु० ०० ०० | स्ने० ऽ ऽ | स

नि सां तो रिघा ती घा रिपा-। पा रिपापा मा रिपा-। घा रिता पिये रिपाऽण रिक्कांऽनि रिविही न् रिकाऽऽ रिजे

० १२२ ३ - |-| श्रिती संगी सांता-| श्रिया पथा | मपा श्रमा ८८ | प्रा००ण्सा | गरेऽ | भाषि ये० | पो०००

० १ पा र मगान्ती राममागुरा । ा डिंगे ने०ऽऽ। ऽ०० ००।।

पकटि नमस्कारे, प्रभु एकटि नमस्कारे। सकल देह लुटिये पडुक तोमार ए संसारे। घन श्रावण मेघेर मत रसेर भारे नम्न नत। एकटि नमस्कारे, प्रभु, एकटि नमस्कारे। समस्त मन पडिया थाक तब भवन द्वारे।
नाना सुरेग् आकुल धारा मिलिये दिये आत्महारा।
एकिंट नमस्कारे, प्रभु, एकिंट नमस्कारे।
समस्त गान समाप्त होक् नीरब पारावारे।
हंस जेमन मानसजात्री, तेम्नि सारा दिवसरात्रि।
एकिंट नमस्कारे, प्रभु, एकिंट नमस्कारे।
समस्त प्राण उडे चलुक् महामरणपारे॥
राग मिश्रछ।यानट ता० एकताल मध्यलय

पापरा रिगा गरा गा । गरे पाधा । ध्या मा । र । । । भु ऽ र ए० ०क्टि । न म ऽ स्का रेऽ र ऽ

२ ३ ० १ - | - | | मामा - | | मामागपा | पा पा | धा ऽऽ। सकल्ऽ। देहऽ | लुटिये। प

भ \mathbf{q} के प्राति \mathbf{q} के प्राति \mathbf{q} के प्राति \mathbf{q} के प्राति \mathbf{q} के \mathbf{q} $\mathbf{$

 $\left\{ \begin{array}{c} 1 & 1 \\ 1 & 1 \end{array} \right\}$

अंतरा ।

२ है II पापा -II पनी नोधानो II सांसां -II सांसा

२ \mathfrak{F} \mathfrak{F}

२ १ धाधानी र्घाधानो । धाधानी रिधापा । र एक टिर्मिम ऽस्कारेऽ प्रिभुऽ

र स् गागरा गा I गापाधा | पामा - | I - | - | | सा एक टि I न म S I स्कारे S I S S S I स

३ ०१ २ सामा र मा मा गवा रिपा पा - । । । धाधानी रिसां सांगा र मस्तर्रम ऽन् । पोडिऽ या धाक्रित वऽ ।

गं^२ रांसां। I रांगामा | पान्। | 1 भ बन I हा ऽऽी रेऽऽ। 1

संचारो।

र ३ ० मं धरी । सिसासा । । रारापा । पा पा पा घा । धरामा । । नाना ऽ । सुरेर्। आ कु ह् । धारा ऽ ।, रे^२ मा मा प्राप्त में पा -। मा मा मा प्राप्त में पा -। मि लिये I दिये SI आ Sत्म दिला रा S

र ३ ० १] सा । रा] स । रा । I रा रगः गरा I गा मा I । ए क्टिं। न ऽम ऽ हिकारे ऽ प्रि भुऽ I

२ ३ ग ० μ^{ξ} २ सामा - Π मा मा Π मा Π सामा Π

धानी I निधापा - I रागामा I मा - I - I I र ब I पारा S I वा S S I र - I I I

आभोग ।

२ ३ २ १ २ २ संगां गंरां गां I गां गां I गां गां I गां गां I गां I गां I गां I गां I सां I में I में I सां I में I

ांगां $I^{\dot{\tau}}$ सांसां $\dot{H}^{\dot{\tau}}$ नांगां $I^{\dot{\tau}}$ सांसां $\dot{H}^{\dot{\tau}}$ नांगा $\dot{H}^{\dot{\tau}}$ सांसां $\dot{H}^{\dot{\tau}}$ नांगा $\dot{H}^{\dot{\tau}}$ काटI न म $\dot{S}^{\dot{I}}$ सकारे $\dot{S}^{\dot{I}}$ प्रभु $\dot{S}^{\dot{I}}$ ए

र प्रागरागा I मापाधा] पामा - |] - | - | - | - | मामा कृटि I न म SI स्कारे SI SS S | साम

३ ० १ २ -|] मामागपा पिपा । | घा घानो | सां सांगां | ऽ]स्त्रप्राण् । उडेऽ! चलुक् | महा ऽ।

गं^३ ० १ रासां - 1 रागामा | पा - 1 - 1 | 1 मरण | पा ऽऽ | रेऽऽ | 1

जेथाय तोमार लूट होतेछे भुवने सेईखाने मोर चित्त जाबे केमने। सोनार घटे सूर्ज तारा निचे तुले आलोग् धारा, अनन्त प्राण छोडिये पडे गगने।

संई खाने मोर वित्त जाबे केमने। जेयाय तुमि बोसो दानेर आसने, वित्त आमार सेयाय जाबे केमने। नित्य नूतन रसे ढेळे आपनाके जे दिखो मेळे, सेथा कि डाक् पोडबे ना गो जीबने। सेईखाने मोर वित्त जाबे केमने।

बाउल-सूर ताल दाद्रा

्रं१०१० १० संसां-ा बिने निधापा पिनो नो धियापामा ा ो जेथाग्। तो मा०र् खिट हो बितेऽऽ

१ ० ॥ १ ० १ | माना-।! - | - | - | I I (स्ता-|-|] रा-| ना] गा | छेऽऽ] ऽऽऽ I । भुऽऽ I बऽऽ [ने

० १ मापा | धानी सां) | सां - । सां | सां सां नि | सां - । ऽऽ | ऽऽऽऽ | सेई खानि मोर | चिऽ

१ ··। नी रिश्रपा -। -। रिशानी सां रा ऽऽाने०ऽऽाऽऽऽरा

अन्तरा ॥

१ ० १ सांसां - | बिधा नी | पा - | नी प्रधा नी - | बिधा नी ना रा विद्य

० १ ० १] - | - | - | | पानी नो | घापा - | І मापाधा | पध्या ो ऽऽऽ। निऽच्चे | तुलेऽ। आलोर्। धा० १ 0 १ मापा I माना - | 1 - | - | - | 1 सासा - | 1 रारा - | I गा ऽऽI राऽऽIऽऽऽ| I अन ऽ | त बाण् । छो

गामा I पामा पा I मा गा - | I - | - | - | सा - | - | I दिये I प ऽऽ I हे ऽऽ I ऽऽऽ । ग ऽऽ I

संगं । । । रासां । । नी पाधा I ग ऽऽ। ने ऽऽ। ऽऽऽ ।

॥ संचारी ॥

० १ ० १ ० गा I मा न पा I पा न न । । न न । । पा न घा 1 घा घा चो ऽ I स ऽ ऽ I ने ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ि चि ऽ त्त । आ मा ग्

० १ ० I सां - नी I धपा - | - | - | - | - | I I म ऽऽI ने०ऽऽIऽऽऽI

॥ आभोग ॥

 $II \left\{ egin{array}{ll} \emptyset & \emptyset & \emptyset & \emptyset & \emptyset \\ \text{eti-1} & \text{eti} & I & \text{fill} & \text{fill$

• १ ० १ मा I पामा पा | मा गा - | | - | - | - | सां - | - | I वे I नाऽऽ | गाऽऽ | ऽ | जीऽऽ I

 \mathbf{e}^{i} गां - $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$

राग िक कोटी खमाज ताल जत मध्यलयः क्ष बारो आघात सईबे आमार सईबे आमारो। आरो कठिन सुरे जीवनतारे कंकारो। जो राग जागाओ बामार प्राणे बाजेनि ता चरम ताने, कठिन मूर्छनाय से गाने मूर्ति सञ्चारो। लागेना गो केवल जेनो कोमल करुणा, मृदु सुरेर खेलाय ए प्राण व्यर्थ कोरोना। ज्वले उठूक सकल हुताश गर्जि उटुक् सकल बाताश जागिये दिये सकल आकाश पूर्णता विस्तारो॥

रा मा आ रो

 $I = \begin{cases} \xi & \xi \\ 1 & \text{If } \eta = 1 \text{ and } 1 \text{ if } \eta = 1$

० १ २ गासा-। सा रारान्-। रिन् सा रिन्ना ऽऽरुस रिई वेऽऽरिऽ आ माऽऽ रो०

रगा I मा सारामा] र गा गा न न । । ग मा पा पा सां I न । । । या मा पा पा सां I न । । । अग्र च क हि I ऽ

o' १ २ ३ -। नी संनि I धा धा -। तो I मा मा पा -। I -। -। मंपा I धनो न्सु रेo I जी ब ऽऽ I न्ता रेऽ I ऽऽऽभं ० I ००

॰ -। धापा I धर्नी धा पा मा l I ऽऽका I ०० रो "आ रो" l I

॥ अंतरा ॥

र | | विस्ताना ना | मार्गा प्रधापमामापा | | | जिराऽग् | जागाओ आमा | ०० ०२ प्राणे | |

१ २ ३ ० -|-|-|-| I मी मी मी पा I मी पा मेवा धधा या प्रमी पा मा ऽऽऽऽ याजीनिता दिवर ०० ०० र ०० मता

१ गा I -

१ २ ३ ० पामा I पा - | - | - | I मा - | मा पा I - | सा निसारमा I मा गा संगा I ने ऽऽऽ स्रि ६ र्तिसं। ऽऽ चा० ०० I ऽरो

सा मा I I "आ रो" I I

॥ सञ्चारी ॥

२ ३ ० १ | I रा पामागो | रारा-। गा I रगा मा गारा 1 -। -। | I ठा गेनागो | केव ऽऽ I ०० ऌ जेनो I ऽऽ

्र ३ ० १ - | गरा | सारा - | -| -| -| -| रागा | रागा मा गा -| 1 -| -| ८ ०० | को मऽऽ | ऽलकह | णा०ऽऽऽ | ऽऽऽऽ २ ३ ० १ - | -| I -| I -| I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I |

२ ३ ० १ - । I गाधापमापा I - । मामामा I गा - । - । - । - । रेसा ण् I ब्य ऽेथे० ऽ I ऽ ऽको रो I ना ऽ ऽ ऽ I ऽ ऽ००

बिन्सा I) ०० I }

॥ आभोग ॥

२ २ ० ० - |- |- | | मार्मापापा | मापामाध्या | प्या - | मागा | ऽऽश्रीगर्जिडङ्गीस कऽ ०० | ०० ल्बाता |

 मा गा सा मा I I ऽ रो "आरो" I I

* बंगालमें ६ मात्राका जत होता है।
जतोबार आलो ज्वालाते चाई निबे जाय बारे बारे।
आमार जीवने तोमार आसन गभीर अन्धकारे।
जे लताटि आले सुकायेले मूल, कुडि धरे सुधु नाहि फोटे फूल,
आमार जीवने तब संबा ताई वेदनार उपहारे।
पुजा गौरब पुण्यविभव किलु नाहि नाहि लेश,
ए तब पुजारि परिया एसेबे
लज्जार दीन बेश
उत्सवे तार आसे नाई केहो,
बाजे नाई बाँशि साजे नाई गेह,
काँदिया तोमाय एनेले डाकिया भांगा मिद्द हारे॥
राग कामोद धृषद ता० एकताला मात्रा १२

२ ३ ० प् II रापाधा I धनोधा पा I मा मपघ धपा I मा गमा II जतोबा I ० स्था लो I उत्रा ला०० ते० I चा००

२ ३ ० १ रा I रा गा मा I नूरी घा पा I मा गा रा I निरा ससा -1 I ई I नि बे जा I यू बा रे I बा S S I र ० ० ० S I सा I सा धृति I पा सा सा I रा रामगा गा I गमा रा सा I आ मा I रू I जो ब ने I तो मा००० रू I आ० स नू I

धपा II .

॥ अन्तरा ॥

२ १ - । । धानो घा І नो संनि रां। सांनी संनि । संनी संघा रु । कूँ डिध । रे शु० धु। नाहि फो० । २० फू०

 $\left.\begin{array}{c} \textbf{1} \\ \textbf{1} \\ \textbf{2} \\ \textbf{3} \\ \textbf{4} \\ \textbf{5} \\$

संनिसंधपा I I

॥ सञ्चारी ॥

२ ३ ० १ २ मा पा नो I धा नो पा I मपध्यपा मपा ने I मा गमा रा I रा गा कि छूना I हि ना हि I छे००० ००ऽ I श ००ऽ I ए न

क्षेत्र प्राप्त प्रमानिश्चापा I मा I न्या प्रमानिश्चापा I मा I

है १ स्रवमावा मा पा । प्रा । ध्रनी । पा - । - । । । ४ र०००दी न । वे ८ ०० । श ८ ८ ।

आभोग

सां सां I नि सां रंगमां I पां मां गां I गंगमां रां संरंसां I के ह $^{\cdot}I$ बा जे ना०० I इवाँ शी I सा०० जे ना०० I

 $egin{pmatrix} \mathbf{f}^{\mathbf{q}} & \mathbf{i} & \mathbf{o} \\ \mathbf{H}^{\mathbf{q}} & \mathbf{H}^{\mathbf{q}} & \mathbf{I} & \mathbf{H}^{\mathbf{q}} & \mathbf{H}^$

१ २ ३ प्राप्त प्रमासारा I सामगामा I पा प्रमापा I सामगामा I पा प्रमापा I सामगामा I प्रमापा I सामगामा I दिल्ही हा ००

१ संसां 1 रेंसां निसां धपा 1 1 ०० 1 रे रे० ०० 1 1

॥ गान ॥

उडिये ध्वजा अभ्रमेदी रथे ओई जे तिनि, ओई जे बाहिर पथे। आयेरे छुटे टान्ते होबे, रिल, घरेर् कोणे रोईलि कोधाय बोलि? भिडेर् मध्ये भांपिये पोहे गिये टाँई कोरे तुई नेरे कोनो मते। कोधाय कि तोर आछे घरेर् काज, सं सब कथा भुलते होवे आज। टान्रे दिये सकल वित्तकाया, टान्रे छेटे तुच्छ प्राणेर, माया, चलरे टेने आलोय अंधकारे नगर त्रामे अरण्ये पर्वते। ओई जे वाका घुरचेरे भिन्भिन, बुदेर माझे शुन्चो कि सोई ध्वनि? रक्ते तोमार् दुल्वे ना कि प्राण? गाईचे ना मन मरणजयी गान। आकांक्षा तोर् बन्या वेगेर मत छुट्चे ना कि विपुल भविष्यते?

राग|टोडी-भैरवी। ताल घुमाली मात्रा ४ दुतलय ॥ स्थायी॥

१ [मामा ति - ती - धा -] १ ० सासाधा - | I धा - धा - I धा - । धा I धा - । पा - | ड डि ये ऽ I ध्व ऽजा ० | अ ऽ ऽ भ्र I मे ऽ दी ऽ] १ गांननगां रिनासां निर्देन न रॅंडिसांनन्निर ओडडजेरितिडनि डिस्थोईडड जेरिबाड हर्रि

त्र २ २ २ १ कुट २ २ १ । ता सामा गा [] । त २ २ २ १ कुट २ २ १ ।

॥ अंतरा ॥

० १ ० १ । सां $\cdot I$ \cdot

० १ - | गां] र - | सां - | नि - | सां - | नि - | - | - | - | नि - | गां ई लि] को ऽ था य्] वो ऽ सि ऽ] ऽ ऽ ऽ ऽ भि ऽ डे

० १ -। I गां -। गां -। I गां मां मां -। I मां -। गां -। I गां -। रें -। र् I म ऽध्ये ऽ I भाँ पि ये ऽ I पो ऽ डे ऽ I गि ऽये ऽ

॥ आभोग ॥

१ १ |] साननन] नननन I १ १ | काऽऽऽI ऽऽऽज्I भन् | भऽनिऽI ऽऽऽऽI १ ० १ ० ० गुन्गान । गानगान । मान्मा । गान्हेन । न (१) से उस वृक्ति ऽधाऽ । तुऽल्ते । हो ऽवेऽ । ऽ (२) बुऽके इ । माऽ हो ऽ । शुऽन्छो । किऽसे ई । ध्व

्रे १ १ - | सान - | - | | - | - | - | | १ ८ | आ ८ ८ ८ | ८ ८ ८ ज् | संई | ध्व ८ नि ८ | ८ ८ ८ ८ |

्रिश्चान न घा । घा न घा वि I वि न सां न । दि न न सां (१) टा ऽ न्रं । दि ऽ दे ऽ । स ऽ क ल् । चि ऽऽ त्त (२) र ऽऽक्ते । तो ऽमा र् । दु ऽल्छे । ना ऽऽ कि

ो ति_ा सां -ा ा - -ा -ा -ा ा ाकाऽयाऽाऽऽऽऽो ाेेे घाऽऽऽऽाऽऽऽण्ाे

१ | ति । सां । | । । । । । | | | | | I मा ऽयाऽ | ऽ रैऽऽऽ | गाऽ ऽऽ | ऽऽन्। | |

॥ संचारी ॥

१ 0 १ गां - | गां - |

-। । गुँगां -। गुँ -। । ऽ । का ऽ ऽ ऽ । ग । म ऽ ऽ ऽ ।

० १ ० १ मां -| -| -| I गां -| गां -| I गुं -| सां -| I गुं -| गु -| (१) रेऽऽऽ[नऽ गर[ब्राऽमें हैऽ | अऽरऽ (२) तऽऽऽ[छुऽ ट्छें I नाऽ किऽ [बिऽपुह्

° I सां । नि । I I ण्ये ऽ प ० I I भ ऽ वि ऽ I धृति - । धा । । पा गुः मा गाः । । (१) वऽऽऽीतंऽऽऽ।।

(२) प्यट टंडी तेंड टंडी र

जडाये आछे बाधा छाडाये जेते चाई। छाडाते गेले व्यथा बाजे। मुक्ति चाहिवारे तोमार् काछे जाई चाहिते गेले मरि आने। जानिहे तुमि मम जीवने श्रेयतम। एमन धन आर नाई जे तोमासम।

तब जा भांगा चोरा घरते आछे भरा फ़ेलिया दिते पारि ना जे। तोमारे आविरया घुलाते ढाके दिया मरण आने राशि राशि। आमि जे प्राण भरी तादे घृणा करि तबुओ ताई भालोवासि । एतई आछे बाकि, जमेछे एतों फाँकी। कत जो विफलता कत जे ढाका ढाकि। आमार भालो ताई चाहित जबे जाई भय जे आसे मनोमाझे । राग मिश्र शहाना । ता० तेवरा मात्रा ७ विलंबितलय ।

॥ स्थायो ॥

(१ २ ३ १ २ २) सिन् सारे I रा रा I रा रा I रा पा पध्य I रा जो I जो जे ते I जो जे ते I जो जे ते I

३ 7 २ ३ प १ २ मगा -| | मापापा I पापा I पघ पघप | मगा चा०ई | छा डा ते | गे छे I व्य० था० | बा ८ ००० | जे०

३ - । ।) १ २ ३ १ २ - । I रसा $\{$ मा पा वा I पा पा पा पा पा पा पा नो I नि $\{$ I । $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$ $\}$ $\{$ $\{$ $\{$ $\{$

३ १ २ ३ १ नि I सां-| I निरां सां | तिधा I पम पा I मगु-| रा ¡ छे I जा ई I चाहिते I गेले I म० रि I ला० ऽऽ I

२ ३ सा - | [रेनि |] जे ऽ | ऽ ऽ]]

अन्तरा

श २ ३ १ ५ सं I सां I सां

कां I नि नि नि नि नि मा I सां I I सां

२ ३ १ सं २ ३ पाI नि नि I नि सांI नि रां संसाI नि धाI पा ध्रपाI ते I आ छे I म राI फें लिया ० I दि ते I पा री I

१२३] मगुः -। शे [सा -।] रेन्] [] ना० ऽऽ[जेऽ]ऽऽ[]

॥ आभोग ॥

१ २ ३ १ २ ३ $\{$ मा पा पा I पा पम I पा पनि नी I धा नी I धा तो मा रे I आ व I रिया॰ I धु ला॰ ने I ढा के I हि

र निस्ति र धित्र प्रिया प्राप्ति । मा प्रिया प्राप्ति । मा प्राप्ति प्राप्ति । मा प्राप्ति । मा प्राप्ति । मा प्राप्ति । प्राप्ति

र १ निस्ताति । च्या विश्वपा । पाधा । नी । नी । 1 सांति । घसं सांति । तिधपा । पाधा । नी । नी । 1 करो । त॰ बुझो । ता ०ई। मालो । बाँऽऽ।

२ ३ सां -| I -| -| I I | सी ऽ I ऽ ऽ I I |

॥ संवारी ॥

१ २ ३ १ २ ३ मापा पाI नि नि I ना व तो I आ छे I य तो I फाँ

१ २ ३ १ सं २ सां I निसारां I सां I मां गां I र सं सां I सां सां I की I कतो जे I जिल्हा लता I कतो जे I जिल्हा लता I कतो जे I जा I

है $\left\{ \begin{array}{ll} \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac{1}{2} \\ \frac{1}{2} & \frac$

३ १ २ ३ १ २ नी I सां-| िनी सांसां I तोधा मिणा ध्या I मणाः । सः I स वे I जा ई I भ ये जे I आ से I म नो∘ I मा॰ ऽऽ I फ

ै -| I रा नी I || 5 I S S I ||

Gitanjali Eng. Tr. No. 28

गान ६६

जीवने जत पुजा होलो ना सारा, जानिहे जानि ताओ होयनि सारा॥ घृ०॥ जे फुल ना फुटिते भरेंछे घरणीते जे नदी महपथे हारालो घारा जे फूल ना फुटिने भरेछे घरणीते, जे नदी महत्रथे हारालो घारा जानि हे जानि ताओ होयनि हारा। जीवने आजो जाहा रयेछे विछे जानि हे जानि ताओ होयनि मिछे। श्रामार अनागत आमार अनाहत नोमार बीना-तारे बाजिछे नारा, जानि हे जानि नाओ होयनि हारा रागिणी भैरवो घृषद ताल रूपकडा मात्रा ८ मध्यलय।

१२३ १२ || तूं। सासा| सासा| हिंदा तृ न| सा गु। गु। गु। गु। || जीवने | जन | पुजाऽ| हे। ले। ना| साऽ|

र २३ १ मगा गासा -। [सा गा गा सा गा गा ना [सा गा गा [सा गा गा] [सा गा गा] [सा गा गा] [सा गा ना भी] [[] [] [[] [] [[] [] [[] [] [[[] [[] [[[] [[[] [[[] [[[] [[[] [[[] [

र्^२ गुरा रा I सा नि्धा । I हा० ऽ I रा ०० ऽ I

॥ अंतरा ॥

 $\left\{ egin{array}{lll} \xi & \xi & \xi & \xi \\ \mathbf{d}_{\Pi} & \mathbf{g}_{\Pi} & \mathbf{g}$

है पामा - $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{5}$ $_{7}$ $_{7}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{5}$ $_{7$

२ ३ १ २ ३ गारा रिगारा रिमगागुसा - रिसार्। रारिस्टर राजा रालो रिघा ८ रिसा००० ८ रिजानि हे जिल्लानी ताओ

१ - 1 श्रा ना गा 1 - गाग गा 1 सा नि श्रा - 1 II ऽ 1 हो युनि 1 हा० ऽ ! रा ० ०ऽ I I

॥ आभोग ॥

 $\left\{ egin{array}{lll} \mathbf{\hat{z}} & \mathbf{\hat{z}} & \mathbf{\hat{z}} & \mathbf{\hat{z}} & \mathbf{\hat{z}} \\ \mathbf{\hat{e}n} & \mathbf{\hat{e}n} & \mathbf{\hat{I}} & \mathbf{\hat{e}n} & \mathbf{\hat{I}} & \mathbf{\hat{e}n} & \mathbf{\hat{I}} & \mathbf{\hat{I}}$

१ २ ३ १ -1-11 मार्मा मेमा । गुरा गुरा । मगु गुना -1 I सारा मा ऽऽ I जानि ह । I जा । नि । ना अ । ऽ I हो यान

२ | ३ | <u>रिगारा | साननी</u> | मिट्री छ ऽऽी

॥ सञ्जारो॥

१ २ ३ १ २ सासभ्राश्चा I ध्रापा I पापा - | I पाध्रा निष्टा I पाध्रा I आ मा०२ व अना I गत ऽ I आ मारो० I अना I

२ ३ १ २ ३ गुरा I गुरा I मा गुरा I सा हा I सा I स I सा I सा

१ २ २ ३ І धानी गा І गुरारा I सा निधान I І हां यंनि І हा० ८ І रा०० ८ І

हे मोर देवता, भरिया ए देह प्राण कि अमृत तुमि चाहो करिवारे पान?

आमार नयने तोमार विश्वछिव देखिया लक्ष्ते साध जाय तब कि आमार मुग्ध श्रवणे नोरव रहि, सुनिया लक्ष्ते चाहो आपनार् गान १

हे मोर देवता, भरिया ए देह प्राण, कि अमृत तुमि चाहो करि

आमार चित्ते तोमार सृष्टिखानि रचिया तुलिछे विचित्र तर वाणी तारि साथे प्रभु मिलिया तोमार प्रीति जगाये तुलिछे आमार सकल,

गीति, आपनारे तुमि देखिछो मधुर रसे आमार माभारे निजेरे करिया दान।

हे मोर देवता, भरिया ए देह प्राण कि अमृत तुमि चाही करि-वारे पान ? राग इमनकल्याण । ता० एकताला मात्रा । १२ विलंबितलय

२ ३ ० १ १ । जिथा पर्मा मा स्तारा रिगा-। रा । 'पा-। मा प्र 1] हे मो रु । ३ ०० व । ताऽ ऽ । ऽऽ ऽ र

२ १ ॥ गमा गरा साध्रा | सारसारा [पा-। पर्मा] गा -। -। हे० मो० र०] हे ०० व] ता ८ ००] ऽऽऽ

ृष्मापापा I पापापमा । घ्राचापपा -। [-। -। -। [अस्टिया । पः देहरु । प्राठ ०० ऽ [ऽऽणू]

२ विश्वा [] धा-। वर्षा [धा-मा -। [गा-। या] स कि अ सु० [] त ऽ तु० [मि ऽ ऽ [ऽ ऽ] चा

गामा] पाधानी [धनी - । मा] सां - । - । I] हो का] रिवारे] पाऽऽऽऽन् [[

॥ अंतरा ॥

1 I र मं पाना I पाधमी धा सिंग न I न अस्ति स्थान स्थान

२ १ |-||सांसां सां I नी -|धा I नी -|धा I धा -| ऽऽ I तो मा र I विऽश्व I छऽऽऽ I बिऽ २ ३ ० १ २ पा I पा पा पा पा पा I घा मा । I गा । रा I गा ऽ I देखिया I ल ऽ ई I ते ऽ ऽ I ऽऽऽI सा

की धा I पा पा मा I गा I सा I । I सा I मा I या I सा I या I आ मा

है ० १ २ है से I गां -| मां I गां -| -| I रां -| स्वां I सां गां रां I नी र I मु S S I र S S I श्रं व णे I नी

० १ २ ३ रें सां I नी । - । I धा - । पा I पा पा पा पा पा पा पा रव I र ऽ ऽ I हि ऽ ऽ I ऽ ऽ ऽ I छ ई ते

ं ०१२] धार्मा-। रिगा-। रारिशामा प्रियामी रिनी रिवाऽऽ हिरेऽ स्थिऽ परिनाऽरिगा

- | मा | सां - | - | l | ऽऽ | ऽऽ = | I |

॥ संचारी ॥

३ ० १ २ ३ रा I रा - | गरा I नी रे रेगा I गा - | - | I नि रे गा I मी पगा र I सु 5 छ ० बिंद ० ० I नि 5 5 I र चिया I तु ००

० १२२ ३०० मा प्रिया - । - । - । - । - । - । प्रमापमानी । भ्रमापामा प्रामा स्नि । क्षेत्र ऽऽऽऽऽऽऽि वि० चि०ऽ । त्र०ऽतः । र

रे गारा I सा -। -। I बाऽ I णोऽऽ I

॥ आभोग ५

क्ष्या I नी नी धा I नी -। धा I धा -। पा I दा पा पा I पा िल या I तो मा र I प्रोऽऽी तिऽऽI जा गा ये I तु

• १२३ ० मा पा I धा मा -I गा -I गा नी नी I धा पा मंI गा I हि I छे I है I छ I शा I शा

१ - | रा | सा - | - | | सां गां रा | गां - | मां | गां - | - | | रां ऽऽ | तिऽऽ | | आपना | रिऽतु | मिऽऽ | ऽ २ ३ ० १ २ - | सां | | सां गां रां | | नी गां सां | नी - | - | | ध्रा - | पा | पा ऽऽ | देखि छे | म धुर | र ऽऽ | से ऽऽ | आ ३ ० १ २ ३ पापा | पाः माः पा | ध्रामा | | गा | रा | रा गा मा | प मार | मा ऽभा | रेऽऽ | ऽऽऽ| नि जे रे | का

भ्रानी I भ्रानी I मा I सां I I सां I I रा I

विश्व जवन निद्रा मगन गगन अंधकार के देय आमार् वोणार् तारे एमन भंकार।

नयने घुम निजो केहे उठ बोसि शयन छेहे मेळे अस्ति चेये थाकि पाईनि देखा तार।

गुंजरिया गुंजरिया बाण उठिलो पूरे जानिने कोन् विद्रुल बाणी बाजे व्याकल सरे।

कोन् वेदनाय् बुिकनारे हृदय भरा अश्रुधारे परिये दिते चाई काहारे आपन कंठहार ।

रातः मिश्र विहास। ता० एकताल। मात्रा ३ तिस्रजाति मध्यलय।

॥ स्थायी ॥

२ १ २ पासां सां I नी नी मी I पामा ध्या I मागा न I सागा न बिं ऽ श्व I ज खन I निं ऽ द्वा I मंगन् I ग गन ३ ० १ को निसा प्रमाणमा प्रमाणमाणमा प्रमाणमा प्रमाणमा प्रमाणमा प्रमाणमा प्र

प्रमानो I धनी प्रधासपा I मा गाः। I गाः सः I पानी मा० र् I बी० णा० ०२ I ता रे S I प्रस्त म

निकान । पानन । सागान । गमापा प्यमा। ऽ । काऽऽऽऽरागगन्। अंऽऽ घ० ।

° १ गा-1-11-1रेसा निसा]] काऽऽऽऽ०० गु]]

॥ अंतरा ॥

सां - [संरां संदेशां - [नी नी: पा: [पनिधा नी -] सां ृ हे ऽ [बो० सि० ऽ] श य न् [छे०० डेऽ] मे

र न गां-| I गां गंमा पंगां I में पां माः गां: | गंशं सां पा] पा -| स्टे ऽ] ब्रा खि ०० I चे ये ऽ I था० कि ऽ | पा ई र पा प्रधानिसां निया । पा च्या - । । मा गा - । सा गा - । ने I दे० ०० खा॰ I ता ऽऽ Iऽऽ-र् I ग ग न्

३ ० १ I गमा पा मा I गा -। -। I -। रेसा सा I I I अं० ८ घ I का ८ ८ I ८ ०० र I I

॥ आभोग ॥

 $\{ {\bf Q}_{\bf Q}, {\bf Q}_{\bf Q},$

है थ ° १ २ है धा | पा -| ^धपा | मा -| गमपा | गा -| -| I गा गा मा | पा उ | हिंद लो | पूंद ००० | रेट द | जानि द | ने

० १ २ ३ नी-≀Iनीसांसंगां रिंसां-\I नीपामा पिमा पमा ∫कोन् Iविपू•ऌ Iवाणीऽ I बाजेऽ Iब्या० क्व०

० १ नी प्रिज्ञी पर्धामपा I मागा -। I लू I सू० ०० ०० I रें ऽ ऽ I

॥ संचारी॥

्र ३ ० १ २ १ पर्माधापा [नीनी-।] संनीसां-। ∐ सांसां-। ∐ सांसां (को०नुवे] द नाय् [बु० फिऽ] ना रेऽ [हु द रे सं 0 १ । 1 सं 1 सं

म है \circ १ २ $^{\mathbf{H}}$ पाI गा गा गा गा I पाI नी नी नी नी नी संनि गांI ये I ८ दि ते I चाई का I हा रे ८ I आ प \circ न I

है रिन रंसां संनि I धनी - | सां प्राप्त - | - | सा गा - | प्राप्त कं ००० ठ० I हा ऽऽ Iऽ ऽर् I ग ग न् I अं

ा मा रिगा - | -| रिसा . स्ता र ऽधरिकाऽऽरिऽ०० री

आवार एसेछे आषाढ़ आकार छेपे आसे वृष्टिर् सुबास वातास बेये। एई पुरातन हृद्य् आमार् आजि पुलके दुलिया उठेछे आबार बाजि, न्तन मेघेर् घनिमार पाने चेये। आवार एसेछे आषाढ़ आकाश छेये।

रोहिया रोहिया विवुल माठेर परे नव तृणदले बादलेर छाया पड़े। एसेछे एसेछे पई कथा बोले प्राण एसेछे एसेछे उठितेछे एई गान। नयने एसेछे, हृदये एसेछे धेये। आबार एसेछे आवाद आकाश छेये।

राग-मेघ मब्हार । तस्त्रजाति । दादरा । द्रुतलय

[रे]

१ | सासा - | सरेरेरे | रेगुसरेमा | मगा - | - | | | आ वार्० | पसे छे | आ००० ८ | बाढ ८ ८ |

गुमा मा मा | मरे - | - | | सिंग - | - | | । - | - | आ का श | छे ऽ ऽ | ये ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ

। १ ० रेसा सा १ ० | तिसासा । सारेसा सा तिसापा पा | आंसे वृष । ० टिर्स्स बा

प्सा मा | साति सारे | गा - 1 - 1 II ता स | बे ८८ | ये ८८ II

अन्तरा ॥

श्रिक कि श्रिक मिल्ला पायान। पा मानि निधापान द ई पुरातन्ऽ। हृदयऽ आमारऽ

१ ° १ -।-।-|-| मापा | पसांसांसां | सां नि ऽऽऽऽअाजि पु॰ ल के | दुलिया प १ ० १ मा पा पा | प मा पा पा | नि । । | गा । | नू त न | मे घेर | घ नि मा | ऽऽऽ | रूऽ

-| -| -| -| -| ग्मामा -| मरे -| -| सा -| -| 5 | 5 | पा ने 5 | चे 5 | ये 5 | 5

1 -1 -1 I | z z z I |

प र प म ० ग र ० ग र ० व मापा मा | मारा गारेगा | र सा - | - | - | - | | वाद ले | र छाया | प हे ऽ ऽ ऽ ऽ |

१ ० १ ० १ निनिनिनिसां । -। |-। -। पा | पानि ए से छे | ए से छे | ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ए ई

नि नि नि नि निसां । । | -। । I क या वो ले | प्राण ऽ ऽ | ऽ ऽ ।

मां | नि प्या नि घपा - । - । | I - । - । । I ने । छे प ई गान० ऽऽ । I ऽ ऽ ऽ

१ 0 १ 0 पितृ ति विघापापा | - | - | - | - | - | न | नयने पिपे छै | ऽऽऽ ऽऽऽऽ

१ नि नि नि | निधा पा पा | पा मा पा | धा नि धा ह द ये | प पे छे | धे ऽ ऽ | ये ऽ ऽ

धार गृष्ट रहे । रेगा सारे मा मगा आवार पसे छे । आ००० ८ । पाढ

. 1 - 1 - 1 I 2 Z Z I I

5 ----

एवार नीरव कोरे दाओ हे तोमार मुखर कियरे।
तार हृदय बाँशि आपनि कडे बाजाओ गभीरे।
नीशीथ रातेर निविड सूरे बाँशिते तान दाओ हे पूरे,
जे तान दिये अवाक कोरे ब्रह शिशरे।
जा किछु मोर छोडिये आछे जीवन मरणे गानेर टाने मिलुक
एपे तोमारो चरणे।

वहु दिनेर् वाश्यराशि एक निमेषे जा । वे भासि, एकला बोसे सुनवो बाँशि अकूल तिमिरे ॥ राग मिश्रकानडा । ताल । धिमानिनाला । मात्रा १६ । विलंबितलय ।

२ र सा I रारा मगुI न न मा I मा I सा I स

सारा) } सा-|-|-| I सा-| सामामा-| पाधा I दवा रू े ताऽऽर् I हृ ऽ द यू बाँऽशो ऽ I

१ मापासांसां ^{नि}संति - । नीधा दिशे घानीधानीपश आ ऽ पृति के॰ ऽडेऽ दिशे उत्ताऽऽ०ओ

धा प्रथा I मगुन्न न न न सारे I I ग भी० I र० ऽऽऽ एऽ बार् I I

॥ अंतरा ॥

२ : सांनि सांनि रं \cdot । सां \cdot $\mid I = \frac{1}{1}$ सां \cdot । या निधा $\frac{ध}{2}$ नि \cdot । वां ऽ सि ऽतेऽतान् $\mid I = 1$ दाऽओं हे \circ पूऽरे

-|I| सारा \dot{H}_{1}^{0} सारा \dot{H}_{1}^{0

२ ० व ३. -१ सां - 1 सा - १ रा - १ मा - १ मा पा पा वि - १ गा - १ रा ऽरेऽ । त्र ऽहऽ ऽऽश शि । रेऽऽऽ ए -। सारे I ऽवार I

॥ संचारी

२ -| I पामा पामा ति ति प्रापा I मगुः -। -। -। ।। । ऽ I जी ऽ व ऽ न ऽ मऽ र [णे॰ ऽऽऽ ऽऽऽ

॰ । सान सा ति धा तो पा धा Іमा पा तो धी ऽ । या ऽने र्टा ऽने ऽ । मि ऽ ल् क्

२ पापामागुः रिमगुन मगुन न न रेरे सिंगनन न न प ऽ पे ऽ रितो० ऽमा० ऽ ऽ र्चरिंगे ऽऽऽऽ

2 2 2 I

आभोग

। रिगं मां न मां रां न सां न रिनी घा नी घा नी न पा न रिनी घा नी घा नी न पा न रिनी दिया है

॰ १ . २ मा -।। पापा। पा। रेपामानि नि धा।पा। रेसा। रे प ऽक्लाबो ऽसेऽरस्इ न् वो बाँऽशिऽरिअऽकू

जीवन जावत शुकाय् जाय करुणा धाराय् एषो,
सकल माधुरी लुकाय् जाय गीत सुधा रसे एपो।
कमें जावन प्रयल आ कार गरिज उठिया ढाके वारिधार।
हृदय प्रांत हे नीरव नाथ शांत चरणे एषो।
आपनारे जावे करिया कृपण कोणे पड़े थाके दीन हीन मन,
दुवार् खुलिया हे उदार नाथ राज समारोहे एषो।
बासना जावन विषुठ धुराय अंध करिया अबोधे भुलाय।
आहे पवित्र ओहे अनिद्र हृद्र आलोके एषो॥

राग-जयजयवन्ती। ता०१ मात्रा १२ तिस्रजाति।

॥ स्थायी ॥

२ ग $^{\mathbf{2}}$ ० १ ग $^{\mathbf{2}}$ मा मा मा $^{\mathbf{I}}$ मा गा रा $^{\mathbf{I}}$ सा निष्या रा $^{\mathbf{I}}$ रा $^{\mathbf{2}}$ रा $^{\mathbf{3}}$ जिल्लान $^{\mathbf{I}}$ जिल्लान $^{\mathbf{2}}$ जिल्लान $^{\mathbf{2}}$ जिल्लान $^{\mathbf{2}}$ जिल्लान $^{\mathbf{2}}$

र गामा I पा पध मग I रगा-रगा-मा I मा -। -। I मा मा मगा रुणा I धारा० ०० । प० ०० ऽ I पो ऽ ऽ I स क ल०

है / ० १ २ । I रगम गर सा I रमा मा पनि I नि । सा I नि संरां संरंसं I मा०० घू० री I छु० का ये० I जा० यू I गी०० त०

े १ कि. तेती र निष्य पथितिथ थया र मिगा रेगा रेगा र मा । । । । । । । सुठ र था । र दसे र ए० ०० ०० र थो ऽऽ। ।

॥ अंतरा ॥

्नी-। नी ३०१२ मा-पापनि ! नीनी-। ! सांसां सां ! संनि सां-। ! सां क ८ म- । ज खन्। प्रव ल ! आ० कार्! ग

के प्रश्ति । भ्राप्त्रां I रां रां गुनि I निति कि जि I उत्ति अति उत्ति उत्ति

३ ० सं १ सं नि I सां नि सां I संरं संसं सां I नि संनि धप I पाधा य I प्राऽन्ते I है० नी०र बि ना०थु I शाऽ

े १ ^{पं}घपाीपामामगा रिगारगारगमा ! मा - | - |] 1 न्तर्गाचार जेर्गाए० ०० ००० विषेट 2 |]

॥ आभोग ॥

है पुरुष्य प्रमासा प्राप्त प्रमासा प्राप्त प्रमासा स्वाप्त प्रमासा स्वाप्त प्रमासा स्वाप्त प्रमासा स्वाप्त प्रमास स्वाप्त स्

३ ० १ २ र राI मापापाI मापापिI नि सांI नि संi ने संiरंस संन्I ह्रIर्खु िया I हे उदार्गर नाथ्I रारुजिस्

३ ० १ निधाधापा ेमाः गः रगमा ेमा -। -। मा० रो हें । ए ० ००० ेषो ऽऽ

॥ संचारी ॥

२ नो नी नी ३ ० १ प्र मा पा पा वि नो नी ने वि सां रंसां वि सां ने वि सां सां वास ना वि च नु वि पु छ० वि घु छ। यूवि अं ऽ घ

है \circ १ है है से साम है से सिंह I को सिंह I के दिया \circ प्रदेश हैं प्रदेश हैं प्रदेश हैं प्रदेश हैं प्रदेश हैं प्रदेश है प्रदेश हैं प्रदेश है प्रदेश हैं प्रदेश है प्रदेश हैं प्रदेश है प्रदेश हैं प्रदेश है प्रदेश हैं प्रदेश ह

० १ २ ३ कि: सां I ति संग्रें सां दिया I पा घा पा I मामा गा I ८ त्र I ओ हे० अ I ति० ० ० द्र र ह द्र शा लो के I ० १ रग गा रगमा I मा । - I I । ए० ०० ००० र पा ८ ८ र ।

Gitanjali Eng. Tr. No. 39

तुमि प्वार अमाय् लक्षो है नाथ् नही,
प्वाः तुमि फिरोनाहे हृद्य केडे नियं रही।
जो दिन गेछे तोमा विना तार आग् किरे नाहि ना जाक् से धूलाते
प्वन तोमार आलोय जीवन मेले जेनो जागि अहरह।
कि आवेशे किसंर कथाय् कि छि है जथाय तथाय पथे प्रांतरे
प्वाः बुंगर काछे ओ मुख रेखे तोमार आगन शाणी कहो।
कत कल्य कत पाँकि प्वना जो आछे बाकि मनेर गोपने
आमाय् तार लागि आग फिराया ना तारे आगुन दियं दही॥

बाऊल स्वर ता॰ दादरा ॥ तिस्नजाति मध्यलयं)

॥ स्थायी ॥

॥ गामगा॥
तुमि०

्र ० १ } रागा -| I मापा -| I पसां सां संनि I घा पा-घपा I मा प बार् I आ माय् I ल हा ०० I हे ना ०थ I ल थपा मा I (गा गा मगा) गा - । - । I सां सां - । I - । सां ०० हो । (ऽ तु नि०) ऽ ऽ ऽ I ए बा ऽ I र् तु

१ ० १ ० सां I मां संनि रां I सां मां रंमां I नी $\cdot | \cdot |$ नि मां I मि I फि रो ० S I ना है ० ० I S S S S S S S

मां) { । मा गमगा I | दुरु | मि० | 1

॥ अंतरा ॥

} १ ० १ ० { -1 -1 गा I गा गा गमा I मा पा घपा I मा पा -1 I १ऽऽज I दिन् गे छे० I तो मा ०० I बिना ऽ I २ऽऽको I आ वे शे० I किसे ०र् I क धा य् I ३ऽऽक I तक छुष् I कत०० I फाँकी ऽ I

१. ० १ ० - । - । मा 1 घा पवप पा 1 मा मा-गपा I मा मपा गा I १ऽऽता I रे आ०र् कि I रे चा ऽऽ I हि ना० ऽ I १ऽऽकि I रे छि०० हैं । जे था ०य् 1 त था० य् I ३ऽऽप I खो नो०० जे I आ छे ०० I बा कि० ऽ I १ 0 १ 0 1 मा 1 मा 1 मा 1 पा -1 -1 | I (-1 -1) १ जा क्से ० 1 घु ऽ ला I ते -5 -5 | I (5 5) २ प थे ०० I बा ऽ न्त | रे ऽ ऽ I (5 5) ३ म ने ० र I गो ऽ प I ने ऽ ऽ I (5 5

| | (z | (z

१०१० १०] । निनी निसां - । 1 सांसंनारां I १८ ए बन् । तो मार् ! आ लो यू I जी व०न् ! २८ ए बार् ! बुकेर् ! का छेऽ । ओ मुऽख् ! ३८ आ मायू ! तार्ला ! गिआर् ! फिरा०ऽ !

१ o १ सांसांनि I धनि संनिधवा I (। निनी) १ अ इ ऽ I र००० हो० I ऽज्ञेनो)। २ वाणी ऽ I का००० हो० I ऽतो मार् I ३ दिये ऽ I द००० हो० | ऽता रे I

। मा ^गमवा I | | | १८ "तु मि० २८ तु नि ३८ तु मि

तब सिंहासनेर आसन होते एछे तुमि नेमे,

मोर विजन घरेर द्वारेर काछे दाँडाले नाथ थेमे ॥ घृ० ॥

एकला वोसे आपन मने गाइते छिउंम गान,

तोमार काने गेलो से सूर पले तुमि नेमे, ॥ १ ॥

तोमार सभाय कतो ना गान कतोई आछेन गुणी,

गुणहिनेर गान खानि बाज बाजलो तोमार् प्रेमे ॥ २ ॥

लागलो बिश्व तानेर माझे एकटि करुण सूर,

हाते लये वरण माला पले तुमि नेमे,

मोर बिजन घरेर द्वारेर काछे दाँडाले नाथ थेमे ॥ ३ ॥

राग पिलू-वरवा । ता० दादरा तिरु जाति मात्रा ३

गामा [[तब [] ॥ स्थाया ॥

 $^{\{}$ र ० १ ० ॥ १ $\{$ पासां ती I घापाघपाI मपामरा मग्राI रासा । I रगुर्फि उहाI साने ०र्J था०स० ०नI होते उI ए०

० १ ० १ रमा-गा रासा-रा रिगारमा गाः रा० रिमा गामा) रिमा हे० ऽर्तिम ऽर्ने०००० र०र्मित वर्षि

१ 0 १ प 0 र गामा I मापा - I पापा - I पा नी - I नीधाः नीः धाः मो गुर्विज नुष्यि रेगुद्धा रेग्रिका० छेऽ

१ प्राः पाः प्रिया मपा गा । गा । मा । पा गा मा । । । दाँ० डा ऽ । ले० ना० थ् । थे ऽ ऽ । मे "न व" । ।

॥ अन्तरा ॥

 $\begin{cases} \xi & \bullet & \xi & \circ & q^{\xi} \\ q_{I-1} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} \\ q_{I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} \\ q_{I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} \\ q_{I} & \mu_{Q_I} \\ q_{I} & \mu_{Q_I} \\ q_{I} & \mu_{Q_I} & \mu_{Q_I} \\ q_{I} & \mu_{Q_I} \\ q_{I} & \mu_{Q_I} \\ q_{$

o १ o १ नी I सांगां: रां: I सांरां नी I सांसां - | I नी मां - | I ते I छि हे म् I गाऽऽ I ऽऽन् I तो मार् |

॰ १ ० १ सां सां: नि: I संनि संनि घा I घा घा नी I घा पा नI का ने S I गें० छो॰ S I से सुर्I ए छे S I

१०१ प्रधा I मया मरे मनु । रासा रा I मनु । मनु । । रासा रे०रु I ह्वा०रे०० ् I का छेऽ । दाँ० डा०ऽ । छेना

र o नी I साग मा I पा "गा मा" I I थ्रा थे ऽऽा मे "त व" I I

॥ आभोग ॥

 $\left\{ \begin{array}{lll} \mathbf{H}_{1}^{\mathbf{q}} & \mathbf{0} & \mathbf{0} & \mathbf{0} & \mathbf{0} \\ \mathbf{H}_{1}^{\mathbf{q}} & \mathbf{H}_{1} & \mathbf{0} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0} & \mathbf{1} \\ \mathbf{0}$

० १ ० १ ० मा [मागु:-| रासा-| -| -| -| -| मापा-| पापा -| ई का छेऽ [गुणोऽ [ऽऽऽ [गुणऽ [ही ने र्

१० १० १० ४] पा-। पा] पापाधा | त्ती - | त्ती यिधाधाधतो । जीधा [गान स्वा] निज्ञा ज्याबाज्ञी | तो मा ०र् । ९०

ण । 1 - | - | - |] मे ऽ | ऽ ऽऽ |

॥ सञ्जारो॥

 $\left\{ \begin{array}{lll} \textbf{१} & \textbf{0} & \textbf{1} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{1} & \textbf{0} & \textbf{1} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{1} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{1} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{0} \\ \textbf{0} & \textbf{$

० १ ० १ - । संनी I संनि संसां गां I रेनां रंसां नो I सां -। -। I नी क्टिंग कि कि ए I सिंग ००० ऽ I ऽ रं I हा

 $oldsymbol{\circ}$ १ $oldsymbol{\circ}$ नी सांI सां सां: नी: I संनि संनि घा I घा घा नो I घा पा ते I S

० १ ० १ नी -| I पा पा-| I पा-| धा I नो सां:-रां: | सां संनी -| ऽ I तु मिऽ वि ऽ ो मे मो रू l बि ऽ ० न्

o १ o १ I घा पा घपा I मपा मरा मगुI I सारा I मगुI नगुI । I घरे oर I द्वाI रे oर I दां o डाo I

I रासानो I सागामा! पातामा I I I लेना थ् I थे ऽ ऽ I मे "त व" I I Gitangali Eng. Tr. N. 49

आज बसंत जाम्रत द्वारे तब अवगुंठित कुंठित जीवने कोरो ना विलंबित तारे ॥धूला भाजि खुलियो हृद्य दल खुलियो, आजि भुलियो आपन पर भुलियो, पई संगितमुखरित गगने तब गंध तरंगिया तुलियो। पदे बाहिर भुवने दिशा हाराये दियो छोड़ाये माधुरी भारे भारे ॥ एक निविड बेदना बनमाक्षे आजि पहुचे पहुचे बाजे, दूरे गगने काहार पथ चाहिया आजि ब्याकुल बसुंधरा साजे। मोर पराणे दिखन बायु लागिछे, कारे द्वारे द्वारे कर हानि मागिछे, एई सौरभ बिह्नल रजनी कार चरणे धरणो तले जागिछे? ओगो सुंदर, बल्लम कांत, तब गंभीर आह्वान कारे?

॥ राग । खमाज बहार । ताल ३ । मध्यलय ।

॥ स्थायी ॥

ानीधारा } धनी धनीपामारिधपान मा आजि) व संदन्तरिजा००८ क्र

२ २ ॥ ३ सं मा 1 नी $_{ ext{-1}}$ सां 1 (धानो सां 1) 1 घा $^{ ext{+}}$ नी सां त े हा 3 3 3 4 5 1 5 5 6

० १ - | प्रियानी नी सां | सां - | सां सां | संनी संदां सां सां ऽ | त ब अब | गुंऽ ठित | कुं०० ठित

ा संदे प्रमुख्या प्रमुख्या प्रमुख्या प्रमुख्या । मिया प्

॥ अंतरा ॥

२ १ [नीनीसां-|]-|-|सांसां^{] सं}नीसांगंगं|गं [खुळियो ऽ]ऽत्रत्राति [भुळियोअ]प

 $\left\{ \begin{array}{lll} a_{11} & a_{11} & a_{12} & a_{13} & a_{14} \\ a_{11} & a_{11} & a_{14} & a_{14} & a_{14} & a_{14} \\ a_{11} & a_{12} & a_{14} & a_{14} & a_{14} & a_{14} \end{array} \right\}$

है सं नो धनी पा। प्रति पा। मिया पा मा। यो पा पा। यो पा। यो पा पा। यो पा।

म् गार्गिन | रान | सानस स्मार्गमान | मामा | तो गऽगऽ। नेऽत बो गंऽधत।

 q^{ξ} $q^{$

 $^{\circ}$ श्रिता मां पांत्रा मां मां पांत्रा मां पांत्रा मां पांत्रा मां मां पांत्रा मां मां मां पांत्रा मां मां मा

२ ∐धामांनि सं∐सा-। नीधा ∏माऽऽऽ∐रेऽआजि

॥ संवारी ॥

समा I मा मा मा मा मा मा मा मा मा पामा प्रका | निवि उबे I द नाब न I मा S भ्रे

र प्राधापा <u>ती l (धा - । सा समा)</u> । धा - । धा बाऽऽऽ l जेऽ प ० कि l जेऽ दू

ध्वती I नी सासां +|1 सां $^{\dot{H}}$ नो $^{\dot{H}}$ रां I नो नी सां $^{\dot{c}}$ राग ने काI हा र प धI चाहिया

रे -| 1 -| -| सां सां I नी सांसां सां I मगा-| मापा ऽ I ऽऽआ जि I च्या कुल व l सुंऽ घरा र Іगामा मगुरा II) सा । I Іसा ऽ ऽऽII (जेऽI

आभोग

० २ श्रानी बिने सांसां सां सां संनि रांसंगं बिने नो मोर िप राणे द िखिन० बा० युंि लागि

न नो पमा I पान मगुगुगु। गुगमारान I ऽर भ I विऽ व्हरुद्धि र ऽज ऽ I

I मिती: धः पसां नी l सां: नी: धा नी l सां गां गां l जा ऽ०० गि l छे ऽ ओ हे l सुं ऽ द १ शां [गां - | मां पां] मां - | गंमेपां] मां गां गां र [ब ८ हर भ] का ऽ [०००] न्त ऽ त

२ १ ति २ गां}गां मां मां मां मां शां सां सां सां सां सां वागंभी २० शाऽव्हा न ∤काऽ

नांगं] सांन विधाधा।] ऽऽ I रेऽ "श जि"]]

आमार खेला जबन छिल तोमार सने तबन के तुमि ता के जान्त !

तखन छिलो ना भय् छिलो ना लाज मने जीवन वहे जेतो अशांत । तुमि भोरेर् वेला डाक दियेछो कतो जेनो अमार आपन सखार मत

हेसे तोमार साथे फिरेछिछेम छुटे सेदिन कतना वन वनांत। ओगो सेदिन तुमि गाईते जे सब गान कोनो अर्थ ताहार के जान्तो शुधु संगे तारि गाईतो आमार प्राण सदा नाचतो हृदय अशांत। हठात् खेळार रोषे आज कि देखि छवि स्तब्ध आकाश् नीरव

तोमार् चरणपाने नयन करि नत भुवन दाँडिये आछे एकान्त ॥

मिश्र सुप्राही। ता॰ दादग। तिस्रजाति। मध्यलय।

॥ स्थायी ॥

१०१० वापा II नो निगनो Iधापा - | पापा - | घाषा - | व्यामारा बिला० ऽ Iजाबन् । छिलो ऽ | तोमार्

१०१ क्रिया । मिला नो प्रिया पाः घाः । मिला सिनो द्वान चनु । केद्र नु । सिना द्वा केद्र

प्राना मिगान न निन्ना । । गागा मामान जा॰ न्। तां ऽऽऽऽऽऽ। ऽत खन्। छिलो ऽ

० १ ० १ ० [रामा-| रिश्यामा रिगमारा विक्रो सा - रिगमा - रिगमा विक्रा दिया सा विक्रा स्थानी दिया सा विक्रा स्थानी दिया सा

॥ ३.तरा ॥

० १ ० १ ० १ ० १ ० १ ० १ ० १ ० १ १ मा पा ना नी नी ना नी । मां पिं मां ना ना उत्त मि । यो भारे भ्रवे ला ऽ I डा क् दि । ये छा ऽ I

१ ० १ ० १ ना सां नI न न न I नि सां निः I रा सां नI नो निसारां I क नो SI SSSI जे ना SI आ मार्I आ प ० न् I

॰ १ ० १ ० I पा पा - | I पना पा - | I मा पा - | I मा पा - | I I साथे S I फि ॰ रे S I छि छे म् I छु टे S I से दिन् I

.१ ० १ ० ० धासां: सं:- रेघापा - रामामपा-घपारामगा - रासी (-) कतो ऽानाचन् विना००० स्ति०ऽऽाऽ

सा सा I) ओ गो S

॥ आभोग ॥

१ ० १ ० १ ० रामान् I मामान् I पान्पा I धामान् I पान्न I पा सिंदिन् I तुमिऽ I गाइते । जेसब् I गाऽन् I अ

० १ ० - रारा शिसारां संशि रारां गां शिसं- सांशिसां ने सांशि ऽसुधु किंऽगे शितारिऽशिगाइ तो शिक्षा मा० २ ी

१ ० १ सिन्।-I धा धिन् सां I सिन्।-I धा धिन् सां I सिन्।-I धा पा धा I मा प्रा० ५ ए I स दा ० ६ I ना ० च् तो I ह द य् I अ

मपाध्या I मगा । । । (मागा रागा । रासा ।) 1 1 र शा००० I ऽऽऽी न्त ऽऽी आगोऽ[1]

संचारी

० स्^१ ० १ ० रांसां । I नी मां । I । - । I नी । नी I नी सां । देखि SI छ बि SISS SIस्त ऽच्छा आकाश

१ ति ० १ ० ० । ते नि सारा I साना - I प्रानी नी I (प्रापा -) I प्रा I नी र० व् I शशि S I र वि S I हु S I तो

१०१० १ धानी रिघाणा - रिपाणा - रिमाणा - रिघाणा - रिमा मार्रीचरण्रिणाने ऽनियन् किर्दर्शन ० १ नी ० १ पान∏ मापान∏ धासां नी सां∏धापान∏ मा¤पाधपा तऽ] भुवन् दिँडि ये ∏ आ छेऽ [एका०००

े | मगुर - । - । | | | न्त ० ८ ८ | |

Gitanjali Eng. No. 97

नदा पारंर एई अ।षाढर प्रभात खानि नेरे बो मन, नेरे आपन प्राणे टानि।

मबुज नीले सोनाय मिले जे सुधा एई छोड़िये दिले जागिये दिले आकाश नले गमीर बाणी नेरे, ओ मन, नेरे आपन प्राणे टानि ॥ पमिन करं चलते पथे भवेर कुले दुई धारे जा फूल फुटे सब निस्रे तुले।

सं फूल गुलि चेतनाते, गेँथे तुलिस् दिवस राते दिने दिने आलोर माला भाग्य मानि, नेरे आ मन, नेरे आपन प्राणे टानि राग मिश्र भैरवी ताल दादरा तिस्रजाति मात्रा ई मध्यलय

गं । मिता । मिता । मिता । मिता । मिता । मिता । ना । मिता । ना । मिता । ना । मिता । निर्देश । नि

o १ o १ I ^{घ्रु}पामापाीगमानागाीगधानानाधाधा I बोमनुऽीने !ऽऽीरेऽऽी आ पन्

I 1 - 1 - 1 I I I I Z Z Z I I

॥ अंतरा ॥

• १ • १ • १ । धा रिनी न सां रिस्तान न रिना न न रिता हो । इसे उद्योग उद्योग है । उद्योग स्था रिक्त स्था रिक्त

• १ • १ ग्रां | ग्रां - | - | I ग्रां नां - | - | I नां - | - | I संगां ग्रां ये | दि ऽ ऽ I स्ते ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ जा गि

• १ गु! गु! न रू! र गु! न न न न मां गु! गु! ये दि ऽ ऽ । ले ऽऽ । ऽ ऽ र स्था काश ऽ

o १ o १ o I गुं । रां I मंगुं । । I । । । । I सा सा । I सा [त ऽऽ[ले ऽऽ] ऽऽऽ। ग भोरऽ[वा

१ 0 १ 0 -1 -1 सिधा -1 -1 पा -1 मा र मधा -1 -1 र पा ऽऽणिऽऽ नेऽऽरिऽऽरि

१ ० १ ० मापाशिमा - । गाशिधा - । - । । धाधा - । । धा मन ऽ । ने ऽऽ । रे ऽऽ । आ पन ऽ । प्रा

१ 0 १ -1 पा | पसां -1 -1 | मधा -1 -1 | धर् -1 -1 ऽ ऽ । पा ऽ ऽ । दा ऽ ऽ । नि ऽ

॥ संचारी ॥

र् ० पु^१ ० १ |]सान्धा]घान्न् [^{घ्}यान्न्∏नन्न]पामाया |[एम्ऽनि]कऽऽ] रेऽऽ]ऽऽऽ]चल्ऽते

o १ o गृश् o | पश्चा - | पा | मगा - | - | 1 - | - | 1 मगा गा - | | गा - | - | गा गा - | | गा - | - | गा - | गा - | - | गा - | गा

१०१० १०१ | स्वाननान नामाननामानामानसामा | छेऽऽऽऽऽऽोदुईऽऽघिष्ठऽऽरिऽऽोजा

न न | गृह्म न न में स्थान न न स्थान स्थान न न स्थान स्थान न न

१ सगुां न न I गुां न न I गुर्ने न न I सां न न ो निसां संघा न निस् ऽऽो रेऽऽ | तुऽऽो लेऽऽ I से फुल्ऽ

० १ ० १ ० | तो तन् | सांचन | नन् | सांची सांची | | गुऽऽ| ल्डिऽऽऽऽऽीचे नऽो नाऽऽ|

१ ० १ ० संश निमां । - | 1 - | - | । (नसां संघा - | 1 नी - | सां] सं ने ऽऽ।ऽऽऽ। हें थे ऽीतुऽऽ। लि ० १ ० १ - । । र्रा । संग्रां गां - रां । र्गां - । - । र ऽऽ।ऽऽऽ। दिनेऽ। दिऽऽऽनेऽऽो

० १ • नमा | सान निवा | सञ्चान निवा न मा | मञ्चान ऽय्य | माऽ०० | तिऽऽ | तेऽऽ [रेऽ

० १ ० १ ० १ घान पा | पनां नन | मंघान न | घुरेन न I न न विवाद हो की उद्गादा द्रद्रानि द्रद्राद्र द्र

111₁

रूप सागरे डुव दियेछि अरूप रतन आशा करि, घाटे घाटे घुरबो ना आर भासिये आमार जीर्ण तरी। समय जेनो होयरे एबार ढेऊ खावा सब चुकिये देवार, सुधाय प्वार तिलये गिये अमर होये रबो मिर । जे गान काने जाय ना शोना से गान जेथाय नित्य बाजे प्राणेर वीणा निये जाबों सेई अतलेर सभा माफे। विरिद्देनेर सुरिट बेंधे शेष गाने तार कान्ना के दे, नीरब जिनि ताँहार पायं नीरब बीणा दिबों धिर ॥ ॥ राग खनाज ॥ ता॰ धुमालों ॥ मध्यलय ॥ मात्रा ४

॥ स्थायी ॥

्री १ ॥∫ गमा-पधा निसां नि ाधा-।धा-मा ामा-धा-पधिन नि क००० ०एसा ाग ऽरेऽ । डुऽ०० ब दि

० ी तिति धधपागा गिना पाना पाना पिधासंसं तिति ०००० छि०। अऽ रूपी र ऽ त००न

१ । निपा | पानि । नि I सां नि रंग्-संसं | निघा संसां नि ० टे ० | घु ऽर्बो | ना ऽआ००र् | भासि ये००

धार्यधानमाना रिगानगा रिगानगा रिगानगा रा । आ इमार जिते इर्णात इरी इरि

॥ अंतरा ॥

१ - । सां - । तिधा मित्धा पा गा मि । धा पध ऽव। र टिडे ऊसा वा०० स व विकिये०

ति सा I ति - । धा - । I धा - । ती - । I धा - । पा - । ० ० I दे ऽवार् I सु ऽ धा य I ए ऽ बार्

ँ १००० १। प्रिया भाषा भवः । मगारेगः मा -। । पा-नि-नि -। । नि -। । ति ळ ये० ००। गि००० ये ऽ । अ ऽ म र् । हा ऽ

सांगा मिगारागा मा । पागा 1 I येऽ 1 र ऽबोऽ 1 म ऽरिऽ 1 I

॥ आभाग ॥

। १ १ । $\frac{1}{1}$ संनि-रंसां संन $I = \frac{1}{1}$ संनि: धाः पा नI सा न श गा I के । ००० गा न I का ० ८ ने ऽ I जा ऽ य ना I स्मे

१ ० १ - मा - | Іगमापापा - | Іपा - | पा - | धा-पा І ऽनाऽ । से०ऽगान । जेऽधाय । निऽऽत्य । ० १ पघनो घा -| 1 ति_-| नि -| I नी -| सां -| 1 निसं रंस-बा०० जेऽ I प्राऽणेर I बीऽणाऽ I नि० ००

० १ ० नी घा पिघा-निघापा-| मिसा-|-। सा राजारामा रे ये ऽ जा००० बोऽ सिं ऽई अ रत ऽले रूर्

१ ० मा । शाध्या | मगा-गामा ।] } स ८ मा ० | मा० ८ झे ८]

॥ सञ्जारी ॥

्१ ∫ मा न मा ति िघा न घा नी ो नी सां न संग्मं ो नी न सां चिऽरऽो दिऽने २ | सृ०रटो ०० विँऽ घं

१ ।!सा-।तिधा सिनि-धा-पा-गा | माधा पधा विसां ! ऽ! दो ऽष गा ं ने ० ऽतः गोकाऽन्ना ०० [

्र मिन्दो घान् । प्रधान् नीन्। विधान्पान् । पाधा के ० ऽ दे ऽ । जी ऽर ब् । जिऽनि ऽ । ता ऽ

मया श्रवा मिना रेगा मा - | | पानी - नी - | | सिंगा हा ०र् | पा००० चे ऽ | नी ऽ र ब् | बी ऽ णा ऽ 🔭 Gitanjali Eng. Tr. No100

के गो अन्तरतर सं !

आमारा चेतना आमारो वेदना तारि सुगभीर परशे।
आँखित आमार बुलाय मंत्र, बाजाय हृद्य बीणार तंत्र।
कतो आनंदे जागाय छंद, कतो सुखे दुखे हरषे।
सोनालि रुपालि सब्जे सुनीले, से एमन माया केमने गाँथिले,
तारि सं आडाले चरण बाडाले: डुबाले से सुधा सरसे।
कत दिन आसे कत युग जाय, गोपने गोपने पराण भुलाय,
नाना परिचये नाना नाम लये, निति निति रस वरसे॥
राग इमन कल्याण ता० एकताल मात्रा १२ विलंबितलय

२ १ || गारासन् | गिन्ग | पामेपागा | -। : केगो अ० | | उन्तर ! तर० सा | ऽ

२ ३ ० -।-। | सासान्∏ितृष्ट्यानृष्ट्या | सासासा∏ ऽऽीक्षामारो | चेत ना∏ आामारो∏

१२३०० सास्त्रसाम्मारागाम्मावनीधाप्यिमा वेदनानारिस्दामभी०रोपर० ध्या I मी गा - । I I शे I ऽ ऽऽ I I

॥ अंतरा ॥

र ३ ० १ II) गागागा I प्रमाश्रा पा । गा पा श्रा I प्रशा) आँ विते I आ०मार ऽ । युलाय ऽ I र्र०

२ ३ ० निसां सां पिष्पारा । सारागा । गसारागा । ०० त्र बिजाय् ऽ हिद्य विकिणार् ।

सां ^{नि}गां । ^{रं}रां सां [सं^२ गां गां सां [संगां गांसां [नी घापा] गांग ऽ छंऽ द कितो स् [से दुस्ते [

॰] पापमा ^{भ्र}वा | मीगा ।]]] हर**०** पे | 5 5 5 1]

॥ संचारी ॥

र इ.स. सा सा निसा गर्गा स्तीसा ग ग्री सो नालिंगिर गालिं। संव जे ? ३ ० स्तरा गा I मेरा गामा I मी मी मी I गा मेपा धा सु० नो छे I सो एम I न मा या I की म० ने

f 1 ध्रिपा पा f I नी नी नी f I या f I नी सां नी f I f I गाँ० थि छे f I ता रि से f I आ डा छे f I f I

ध्रतरा I र्गारगरा सा I - | - | 1 I } धा I स र०से I

॥ अभोग ॥

र प्रश्तिक तो दि I न आ से I भिष्म निसं $\{I\}$ न में I कि तो जु \circ I \circ η

२ है • संरंसां । I पापापा I पापा I पमा भ्रापा I जाय० ऽ I गोप ने I गोप ने I प० राणा I

श्रं २ ३ ० गां I - I सां I सां I सां I ना घा पा I पा पर्मा नाम I 5 ळ ये I निति नि I ति रस्न I ब र०

ध्या । मा गा । [] पे | ८ ८ ८ | []

धाय जेनो मोर सकल भालोबासा तोमार पाने, तोमार पाने, तोमार पाने। प्रभु जाय जेनो मोर सकल गभीर आशा तोमार काने, तोमार काने, तोमार काने। वर्भ चित्त मम जखन जेथा थाके साडा जेनो देय सं तब डाके, जत बाँधन सब टूटे गो जेनो तोमार टाने, तोमार टाने, तोमार टाने। प्रभू बाहिरेर एई भिक्षाभरा थालि, एबार जेनो निशेष होय खालि, अन्तर मोर गोवने जाय भरे तोमार दाने, तोमार दाने, तोमार दाने। प्रभु हे बन्धु मोर हे अन्तरतर ए जीवने जा किछु सुन्दर सकलि आज बेजे उठ्ठक सुरे तोमार गाने, तोमार गाने, तोमार गाने ॥ प्रभु

राय मिश्र भिंभाटी ताल भंपक मात्रा ५ मध्लय

२ १ २ १ २ १ I पापमा I गा मा I मा I गा पा I I सा रा I गा I मा I पा ने I तो मा र् I पा ने I तो

र १ २ १ २ १ २ १ प्रमापा L पामापा L मा L

२ १ २ पान I सारा I गागमा पथपा I मागा I I भार I काने I तो मा० ०० र I काने I I

॥ अंतरा ॥

२ १ २ १ २ १ २ १ 1 नी -1 सिंसां -1 सिंसां -1 सिंसां -1 सिं1 मिनी 1 के 1 सिंदां -1 स

संनी भ्रवा I -

२ १ | सिंदा | गा गमा पंचवा | मा गा | I | | दा ने | तो मा० ०० र् | दा ने | I |

माभोग

१२१२१२ । II साराI साराI साराI साराI साराI साराI साराI साराI साराI था। I शिक्ष्य I भाराI था। I शिक्ष्य I भाराI था। I

२ १ २ १ २ १ - । - । I गापा - । I मापा I मेपा I मेपा I प्रदास्त्र I जो I निः००० शा I चे हाय् I खा०

२ १ २ १ २ घपा मा I गा मा I रा गरा गा I मा पा I रा गा I मा पा I ० ० छि I ऽऽ I अ०० न्त I र मोर I गो प ऽI ने जाय

१ प्रमा $\mathbf{P}^{\mathbf{q}}$ । $\mathbf{P}^{\mathbf{q}}$) $\mathbf{P}^{\mathbf{q}}$ । $\mathbf{P}^{\mathbf{q}}$ । $\mathbf{P}^{\mathbf{q}}$) $\mathbf{P$

२ १ २ प्रिया I मा गा I स्गा स्था गमा I गा गा I । 00 र् I दा ने I तो० मा० ० र् I दा ने I

॥ संचारी ॥

२ १ २ १ २ नी I - । - | I सां मां मां | सां | र [ऽऽ] एजा व I नेऽ | जा कि छु [सुऽ]

 $\mathbf{e}_{\widehat{\mathbf{q}}_{1}+\mathbf{I}}^{\mathbf{q}_{1}}$ प्राप्ता \mathbf{I} सारा \mathbf{q}_{1} रागा \mathbf{I} मापा \mathbf{q}_{1} सारा \mathbf{I} हे \mathbf{S} \mathbf{I} प्राप्ता मार्ष्टिंगा ने \mathbf{I}

१ नागमः पध्यपा I मागा I I तो मा० ००र् I गाने I I प्रश्तिद् आमि, हे जीवन खामि, दाँडावो तोमारि सम्मुखे! किर जोड कर, हे भुवनेश्वर, दाँडावो तोमारि सम्मुखे! तोमार अपार आकाशेर तले विजने विरले हे नम्र हृद्ये नयनेर जले दाँडावो तोमारि सम्मुखे! तोमार विचित्र ए भव संसारे, कर्म पारावार पारे हे निखल भुवन लोकेर माभारे दाँडावो तोमारि सम्मुखे। तोमारो ए भवे मम कर्म जबे समापन होवे हे ओ गो राजराज! एकाको नीरवे दाँडाबो तोमारि सम्मुखे॥

राग काफी ता० भपताल मध्यलय—

१२००३॥१ II{सासाीरसारारारापमा ापा-।-।]मामा ाह्यी{प्रतितिदि०ऽनीआ००।मिऽऽीहेजी

२ ० स्त ३ १ २ [मरामगागा]रा स्रामा-।-|[सानी]धा-।धा]व०]००न [स्ताऽ]मिऽऽ[सँडा]बोऽनो

० ३ १ २ बिद्या चित्रा विश्वा विश्व विष्ठ विश्व विष्य विष्य विष्य विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष

३ ।1 रा -। गुा I I ·ऽ I ऽ ऽ ऽ I I १ २ ० ३ १ II $\{$ नी नी I नी -1 नी I नी -1 I नी -1 सां I सांसां I I $\{$ कार I जो S \subseteq I कर I र S S I है भू I

सं \mathfrak{t} नी नी \mathfrak{I} सां न नी \mathfrak{I} सां न न \mathfrak{I} मा मा \mathfrak{I} पा न बंद ने \mathfrak{I} इवंद \mathfrak{I} र \mathfrak{s} \mathfrak{I}

० ३ १ २ पा I वा - । I पा - । धा I मा पा _I मा नो पमा I ^मगा - । I नो I मा ऽ I रिऽऽ I स ऽ I ऽऽम्मु० । खेऽ I

३ रा -| गुा]] ऽऽऽ]]

॥ अंतरा ॥

१ २ ० ३ १ ' | | | नी नी | नी | नी | नी | नी | सां | स

 $\mathbf{e}^{\mathbf{c}}$ ् $\mathbf{e}^{\mathbf{c}}$ ् $\mathbf{e}^{\mathbf{c}}$ $\mathbf{e}^{\mathbf{c$

 २ **० ने ३** १ २ पा I पा नी नी I मां ने सां न मा I मा मा I पा न पा य I ने ऽर्जा ऽ । ले ऽऽ दाँ डा बो ऽतो

• ३ १ २ [पा-|पा-|धा]मापा[मानो पमा]^मगा-| [माऽ[रिऽऽ[स ऽ | ऽऽम्तुः] स्टेऽ[

है रा -| गा I I .s s s l l

॥ संचारी ॥

१ २ ० ३ १ [I] सासा [रा-|रा]रा-|गा | मामा ∫ तो मा [रोऽवि|वऽ[त्रऽ] ए भ

रा I रा - | 1 रा पा पा | मा गु I रा - | स्ता I पा I रा द | बा द र I पा द I रे द द I

१ २ • ३ १ - | धा I मा मा I पा - | पा I पा - | घा I मा-पा ऽऽI दाँ डा I वो ऽतो I मा ऽI रिऽऽ I संऽ

२ | मान्तोपमा | ^मगु। - |] रा - | - | I I | ऽऽसु० | स्वेऽ | ऽऽऽ | I

॥ अभोग ॥

१२०३१ नीनी Iनी-Iनी Iनी-IसंIसांसांIतामा Iर ऽए Iभ ऽIवेऽ ऽIम मI

 $\overset{\mathbf{e}^{2}}{\mathsf{e}^{3}}$ े $\overset{\mathbf{e}^{3}}{\mathsf{e}^{3}}$ $\overset{\mathbf{e}^{3}}{\mathsf{e}^{3}}$ $\overset{\mathbf{e}^{3}}{\mathsf{e}^{3}}$ $\overset{\mathbf{e}^{3}}{\mathsf{e}^{3}}$ $\overset{\mathbf{e}^{3}}{\mathsf{e}^{3}}$ $\overset{\mathbf{e}^{3}}{\mathsf{e}^{3}}$ $\overset{\mathbf{e}^{3}}{\mathsf{e}^{3}}$

२ ० $\frac{\mathbf{1}^{\mathbf{1}}}{\mathbf{1}}$ रा -। $\mathbf{1}^{\mathbf{1}}$ रा -। संनी \mathbf{I} नी-। \mathbf{I} सा -। -। \mathbf{I} प ० ऽ न \mathbf{I} हो ऽ \mathbf{I} वे ऽ०० \mathbf{I} हे \mathbf{I} ऽऽऽ \mathbf{I}

- ३ १ ् -तो -| I घा -| नी I | ती घा I ती घा वा | वा -| वा -| वा ऽऽ I ऽऽऽ I | ओ गो | राऽज I राऽ I ज ऽऽ

१२०३ १२ IमापाIपानीनीIसां-।Iसां-। μ IIमामाIपाIपाIपकाIकी Sनी Iर S I वे S S I दाँडाI वो

पवार भासिये दिते होबे आमार एई तरी।
तीरे बोसे जाय जे वेला मिर गो मिर ॥
फुल फुटानो सारा कोरे, बस्तंत जे गेलो सरे,
निये करा फुलेर डाला बोलो कि किर ॥
जल उठेले छल्छिलये ढेऊ उठेले दुले,
मरमिरये भरे पाता बिजन तस्मुले,
शूल्यमने कोथाय ताकास्, ओरे सकल बातास् सकल आकाश्

आजि ओई पारेर ओई बाँशीर सुरे उठे शिहरि॥

राग हमीरकल्याण ता० दादरा तिस्रजाति मात्रा ३ मध्यलय

१०१ । I धाः। नी I धनी संनो मा I I पासां नि I घापाः। I I प ऽऽ I वा०० र I I भासि ये I दिते ऽ I

में धिया मी I गांगा मी I यो नी नी I धा - । - । हो वेऽ I आ मागु I एई त I रीऽऽ

१०१ । घाषाना प्रधापान । पान मापान मा । तीरेऽ बोसेऽ । जायऽ जे । वेऽऽ

पापा I मवाधनी - । I धापामी I I 'S म I रि ०० S I ए बार"

॥ इ.तरा ॥

१०१I पा-। पाI नीधानीI सांसां-। I फूल्फोI टानोऽI साराऽI

नि । वं १ ० १ सां ना ना ना ना मां संगाः को ऽऽ I रेऽऽ Iऽऽऽ I ब स

o १ o १ ti I गां मां I I गां सां I तां I त

ला - । I सामा गा I मा - । - । I स मा मा - । I लो ऽ I कि ऽ को I रि ऽ ऽ I म रि ऽ I

॰ गापापाI में पाधानीI घापामाI I गोS मI रिS S I ((प्रवार्

॥ संवारी ॥

१ ० १ ० 1 I सा सा सा I मा मा - | I मा मा मा I मा जल्ड I ठे छे ऽ I छल्छ I लि

गा पर्मा I पा - | - | I - | - | I स पा मो पा I घा ०० ये ऽऽ I ऽऽऽ I हे उउ I हे पा मा I घ्रामा - | I - | - | I सा मा मा I छेऽ I दु होऽ I ऽऽऽ I मरऽ म I

भामा-| मिनामाना रियं दर्र स्था-|-| रियं दर्र महरे, दरिया दर्द ताइद

ासा - । । । । । ले ऽऽ। ।

आभोग ॥

र o १ o । पा I नी धा नो I सां सां -। I सां शू ऽन्य I म ने ऽ I को धा ऽ I ता

्। नी $I^{\stackrel{?}{ ext{ti}}}$ । \cdot \mid I सांसांनि I घा घा नी I S S I कास्S S I को रे S I स कल I

 $^{\circ}$ सं $^{\circ}$ ता स $^{\circ}$ $^{\circ}$

o १ सं o . -। नी I धा धा नी I सां -। सं गां I रां सां -। I. ऽऽ I आ जिऽ I ओई ऽ पा I रेर ओई ऽ I

१ 0 १'0 समामा - | I मा - | गा I मा - | - | I - | - | - | - | बाँशोर S I सु S S I रे, S S I S S S

१ I समामा - | I प्रमापामा | पा - | नी I - | - | I उठेऽ I शाऽह | रिऽऽ I ऽऽ

१ 0 १ 0 -। I मपा पा -। I मी पा पा I मैपा धनी -। । धा ऽ I म रि ऽ I गो ऽ म I रि ऽ ऽ I "ए

पा मा I बार" I

> पई मिलन वस्त्र छाडिते होवे होवे गो पई वार आमार पई मिलन अहंकार। दिनेर काजे धुला लागि अनेक दागे होलो दागि पमिन तप्त होये आछे सद्य करा भार आमार पई मिलन अहंकार। पखन तो काज सांग होलो दिनेर अवसाने

होलो रे ताँर आसार समय आशा एलो प्राणे। स्नान करे आय एखन तवे प्रेमेर बसन परेते होवे संध्या नने कुसुम तुले गाँधते होवे हार ओरे आय् समय नेई जे आर। राग पिलुबरवा ता० एकताल मात्रा १२ मध्यलय

२४ ं ३ [नीधानीधा पाधा धपा]० गुा I I गुग्नापधा I पा-। पध्रपा मिरामगुगुग पर्द I I मलि० ०न I व ८ स्त्र० I छाड्ते००

१ २ ३ ० गा गमा गमपा प्रिया पा - । प्रियापा - । प्रिया तिलां - । मार् ए० ००ई । मिलिन् । अहं ऽिका००० ऽ

१ -। नी -| I I ऽऽर्1 I

॥ अंतरा ॥

र [तो पा मपा] ३ ० १ II] पा मपा गा I गा गा मा I पा नी - | I नो दि ने र्I का जे ऽ I घु छा ऽ I छा २ ३ ० सां-I संती संसां $\mathop{\rm id}
olimits_{I}$ अ० ने०० क्I दा गे SI हो लो SI

प्याती । धा से वा ध्या प्रधा मा गा गा ये ऽ ऽ । आ छे ०० । स ऽ हा ० । क ऽ रा

० १ २ ३ Іमा-। मा Іमा मा गमवा Іपा वा -। І । Іभार् आ Іमार्ष ००ई Іम छिन्। अ हं ऽ І

० पन्नानिसां -। I -। नी -। I का० ०० ऽ I ऽऽर् I I

॥ संचारी ॥

निसां पा पि पा - । । पा पा मा पि - । धा दिनी म य् । आ शाऽ । ए लो ऽ । बाऽऽ । ण

॥ अभोग ॥

र सां - I संनी सां गुांI रां सां रंसां I सां नी रां I सां वे S I प्रते I हो

सां नो } र ३ ० , सां नो } रिनो - । धा | रिपापा - । रिपापा नो रिधा बे ऽ रिसं ऽध्या रिब ने ऽ रिक्क सुम् रितु

सं नीः धः I पा धा पधपा I पा मगा गा I गा मामा ले ऽ I गाँध् ते० I हो •० बे I हा रूओ १ २ ३ ० [मा ममा पा]पा पा -| पा | पा | पा विसां -|] रेआ० युस्तिम यू]ने ई जे [आ००

१ | 1 - | ची - | | [] [] | I ऽऽर्ष |

प्रमे प्राणे गाने गंधे आलोके पुलके
प्लावित करिया निखिल द्युलोके मृलोके
नोमारो अमल अमृत पिडिछे फरिया ॥
दिके दिके आजि ट्रिया सकल बंध
मृरित धरिया जागिया उठे आनंद
जीवन उठिलो निविड सुधाय मिरया ॥
चेतना आमार कल्याण रस-सरसे
शातदलसम फुटिलो परम हरपे,
सब मधु तार चरणे तोमार धरिया ।
नीरव आलोके जागिलो हृदय प्रान्ते
उदार उषार उदय-अरुण-कांति
आलस आँखिर आबरण गेलो सरिया
राग मिश्र तोडी धृाद नाल नवताल बिलंबितलय ।

१ २ ३ ४ ॥१ Îl ती तीधाधायाधा पा I मापा I -। सा I मामा प्रेमे ० प्रा I णेगा | नेगं I ऽ घे I आ लो २ ३ ४ १ २ मा ो पा पा पा नि<u>धा । ना मधा</u> संनिसां I रांर्सां I के I पुछ I ऽके ० I ऽऽI एळा वि० त I क रि० I

8 १ २ २ ३ ४ 1 गा - 1 पर्मापा ती I तिश्वा श्वपा I पा मा I पा I ऽ ऽ I तो ० मा र I अ० म० Ⅰ छ अ Ⅰ मृ

१ २ ३ ४ गा | गुरा रसा सा | सा सा I - । धा I - । धा I I न | प ० डि० छे | फ रि | | ऽया | | | | | | | |

॥ अंतरा ॥

१ २ ३ ४ १ २ सां सांसां [सां - |] नी सां] - |] घा घा घा] संनि स क छ [वं ऽ] ऽ घ] ऽऽ] मूर ति] घ०

सांI सां गुंI ग

१ २ ३ ४ I तीश्चाश्चापा I पापा I घा गं I गामा l I I सुं० घा य् I म रि I ऽ या I ऽ ऽ I I

॥ अभोग ॥

१ २ ३ ४ १ तो सातिधा दिये सा रिया गार्रिन गार्रियामा पा चेत नो० सामारिक ! ८ ल्यारण र स

२ ३ ४ १ २ [मापा]मगा-|] गसा [सामाधा]धा पा] [सर[से०ऽ] ऽऽ[शतद] लम्|

३ ४१ २३ पापमा] पानो] निधाधापा मापा मापा] मफु०] टिलो [प० र म] हर्ष प्रेऽ]

8 १ २ ३ ४ १ - । । ग्रागा ग्रागा मा । प्रामा । प्रागा । ग्रागा ग्रागा । ऽऽ। स्रामा घूनाँ। रूचो रणे। तो मा

सा I सा सा I रा सा I तो छा } I I र् I घ रि I ऽ या I ऽ ऽ } I I

॥ सञ्चारी ॥

१ २ ३ ४ १ 11 । धांधाधा बिनेसां । सांग्रं रांग्रं । सांसां 11 ∫ नार व बिन्नालो किं जा जिले हिंद

२ ३ ४ १ २ मां [सां-|]नीसां]-|-| [घ्राध्राध्राप्रानीसां य [प्राऽ] इन्ते | ऽऽ] उदार ! उवा

३ ४ [सागुं]गुंगुं] [रऊ:|दय]

र २ ३ ४ १ मंगुगरां रंसां रां⊣ा नसां ानधा ोाधा अ०६० ण० किंा ऽां ऽन्ति ऽऽऽीं अ

२ ३ ४ १ कि. मिं मिं 1 र्यं रंसां 1 सां संनि 1 संनी नी 1 निष्ठा ल कस 1 आँ बिल् 1 र आल्1 व र 1 गुल

२ ३ ४ ध्राध्रवा I वावा छित्र वा I गुना I I गेलो• Iसरि I ऽया I ऽऽ I I

आमारे जिंद जागाले आजि नाथ, फिरोना तबे फिरोना, करो करुण आँबिपात॥ घृ०॥ निविड बन शाखार परे १५ आषाढ़ मेघे बृष्टिकरं, बादल भरा आलस् भरे घुमाये आछे रात ॥ विरामहीन विज्ञृति घाते निद्रा हारा प्राण बरषा जल धारार् साथे गाहिते चाहे गान ॥ हृद्ये मोर चोखेर जले बाहिर होला तिमिर तले, आकाश खोंजे व्याकुल बाले बाडाये दुई हात ॥

> ॥ राग नट मल्हार ताल भंपा ॥ मात्रा ८ मध्यलय

> > ॥ स्थायी ॥

१ ग सारा | मा मा | पा पा पा | मा पा | आ मारे | ज दि | जा गा छे | आ ति | पृ १ प्र १

॥ अंतरा ॥

१ २ १ २ प्रमाधापा | निधानी | सांसांसां सां | निबड | वक्ताशास्तार | पूरे | १ नी संघानी । संनि रां । सांनी संनि । धनि धनी आ पा० द्वा में । से वृट ष्टि । मा रे

१ २ १ **२**] पमा घा पा | मा मा | मग पा पमा | पा पा | -| बा०दल | भरा | आ०ल स० | भरे | -

? २ १ २ १ भ्रासा सामिता प्राप्ता मा न न I न सना I रा घूमा ये । आ छे। राऽऽ ।ऽ ०त I कि.

. २ : १ २ १ गरागा | मापा | रागरागा | मापा | रागा रो०ना | त.वे | फि.रो०ना | क.रो | क.रो

२ १ २ मा र मधापा स्मान न र र न सगरा र र ण र आरक्त कि र पाट ट र ट ०० नूरि

॥ आभोग ॥

{१ २ १ २ १ सासासा । राशा िरागा गा I मापा I पितृ विराम I होन I विजु० छो I घाते I निः

२ १ २ **१** म: मगा रिष्मा-। रिषा । -। रिना -। रिपमा प्रमह द्वा ०० रिहारा० रिप्ना ऽऽर्रेऽण रिच० र• २ १ २ २. १ धिनु I धापा I पमाधिपामा I मा गा I रा गा प्राo I जलि घोठराठ र् I साथे I गा हि

॥ संवारी ॥

१ २ १ २ २ प्रमाधा पा I निधानी I सांसांसां I सांसां I ह $_{\mathcal{C}}$ द य I मो० र I चो स्त्रे I ज ले I

१ २ १ २ सां निस्तिया नी] संनि [येन् येन्] येन् येन्] बाहि॰ र्] हो॰ लो] ति मि र॰] त॰ ले॰]

१ २ १ २ १ पf H पf H मामाf I मगापf H मगापf H पापाf I धा सां आf o का श्f I बाडा

थ स्तां I धापा I मा - | - | I - | मग I ये दिई | हा ऽऽ I ऽ ०न् I

१ २ १ २ १ रा गरा गां I मापा I रा गां I मापा I रा गां रा गां I मापा I रा गां रा

२ १ २

मा I मधापा में मा न न I न मगरा II ण I आँ० खि I पा ऽऽ I ऽ०० त् II

पई करेछो भालो निदुर ०ई करेछो भालो पम्नि करे हृदय मोर तीव्र दहन ज्वालो। आमार ए घूप ना पोडाले गंघ्र किछुई नाहि ह्यले आमार ए दीप ना ज्वालाले देय ना किछुई आलो। जखन थाके अचेतने ए चित्त आमार आघात से जे परश तब सेई तो पूरस्कार। अन्यकारे मोहे लाजे चोखे तोमाय देखि ना जे वज्रे तोलो आगुन करे आमार जत कालो॥

इमन कत्याण । एक ताल । मध्यलय

स्थायी

- । - । I । सहारा विष्य - । - । । न - । मा । मा मा । मा ऽऽः । । नि हुगिहे । ऽऽऽ । एई का रि

० १ २ ३ रागा | रासा - 1 - 1 - 1 - 1 - 1) गार्मपा पा I पापा - 1 I को ऽ I भा लो ऽ I ऽ ऽ ऽ ऽ ो) ए ०म नि I करें ऽ ो ० १ २ ३ मापान् 1 मागान् 1 सां। गांपीरां सांनी इद्वर्शियोरीतां 5 व्राद्वन्

० १ २ - ३ निधान प्रासारे गिनान नी ससारे । जालो ऽ निट्राहिऽऽ निदुर ।

र पान्।।।। नमा रामा । नारामा। हेऽऽ।ऽऽऽ। ए हंक । रे छोऽ।

• १ रासा-। [-|-|-|] भालोऽ [ऽऽऽ]]

अन्तरा

्र ३ ० १. चा पा गा र पा पा घा र घा सां सां सां सा ना र अंश मार र ए पूप र ना ८ पो र डा छेऽ।

२ ३ ० १ सां। नि I घार्घान सां बिने धा नी I घाषा नी गंऽध्वी कि छू० ई बिन ही ऽ I ढालेऽ∫

२ है $^{\rm co}$ श मां गां - $^{\rm I}$ रां सां - $^{\rm I}$ मां - $^{\rm I}$ गां - $^{\rm I}$ गां - $^{\rm I}$ गां - $^{\rm I}$ यां सां - $^{\rm I}$ आ मा $^{\rm I}$ प दी $^{\rm I}$ $^{\rm I}$ गां - $^{\rm I}$ $^{\rm I}$ उ $^{\rm I}$ जा $^{\rm I}$ $^{\rm I}$

नो२ **३ ०**१ I नो नो घासां िनो घानों नानिघा दिय्नाकि छुई बिआ छोऽेऽऽ००

२ १ पासां सां] नी धान पामापा ! गासार पर्दका ! रे छोऽ I भालोऽ ! नि ठूर

२ ३ ० १ २ | गा-|-| शिसारा | पा-|-| | -|-| मी गा | हेऽऽ | निठ्रा हेऽऽ | ऽऽ ऽ | ४

३ ० १ 'मामा I गारा गा I रासा । [-| -| -| 1] I ईक I रेबो ऽ [भालोऽऽऽऽऽ] I

॥ आभोग ॥

२ हो ३ ० १ सांशाधाना सारा गागाना । गागान जला निथा के ऽाअचे ऽतिने ऽ

२ ३ ० १ | रासान् । सारम्यानन् । नान्ने । | एचि ऽ । त्त्रकामाऽऽ । ऽऽ ३ ।

२ ३ ० १ २ पापान् [पापान्] मीपान् [मीगान्] गान् आद्यात् [म्येजेऽ] परश्चीत ्वऽ] से ई मा I पा मा - | I गा - | - | ग - | I I तो I I तो I द्वार प्रदेश हैं । प्रदेश हैं ।

॥ संचारी ॥.

ि २ ३ ० १ पा-| गा[पापाधा [धनां सां-|] सांसां न अंऽध[कारेऽ] मो₀ हेऽ] लाजेऽ

२ ३ ० १ I सां। नि I धा धनि सां I नी धा नि I धा पा । I } I चो ऽस्वे I तो मा० य् I देखि ऽ I ना जेऽ I }

२ १ सां-। गां | रांसां-। । स्गां गां-। | रांसां-। | । व ऽ ज्रो | तो हो ऽ । आ गुन्। क रेऽ।

नीर है ० १ रां सां -। I नी धा सां I नी धा \cdot । I -। -। निधा I आ मा र I ज त ऽ I का लो ऽ I ऽ ऽ ० ० I

२ ७ १ पासां सां I नी धा +I पा मा + गा सा रा I प ई क $\{I$ रे छो ऽ I मा लो ऽ I नि ठूर I

२ १ गामामा I गारागा I रासा - | I - | - | - | I III एई का रेछोड़ I मालोड I ड डड I IIII

, ॥ गाना ।

दया दिये होबे गो मोर् जीवन धुते नोईले कि आर पारबो तोमार चरण छुँते।

तोमाय दिते पूजार थाली बेरिये पडे सकल काली, पराण आमार पारिने ताई पाये थुते। पतो दिन तो छिलो ना मोर कोनो व्यथा सबे अंगे माखा। छिलो मलिनता।

आज ओई शुभ्र कोलेर् तरे व्याकुल हृदय् कँदे मरे, दियोना गो दियोना बार् घूलाय् शुतं।

रागिणी भैरवी । ताल एक ताला । तिस्नजाति मध्यलय

॥ स्थायो ॥

२ **३ ॰** १ <u>तिसागा I ग</u>़सा - । I - । - । I - । - । - । I जीवन I धुते ऽ I ऽ ऽ ऽ I ऽ ऽ ऽ I

गीताञ्जलो

^{हर} उठ० १ ध्<u>रा।ध्रा]पापा-|</u>]पा-|ध्रु!∏पामापा नोई लें कि आर्∏पार बो!तोमार

२ ३ ० १ चो [तिसान] न तिया ति [ति सा ।] न तिथा ऽ [देया ऽ] ऽ तं च] द या ऽ] ऽ तं

त्रि 📗

॥ अंतरा ॥

र १ १ भानो भा ा ना भाना । जो सां-। ा नि मां-। ा र तो माऽाय दिते । पुजार् ाडालीऽा

२ १ ६ १ संगु गां गां I गां गां I गां गां I मां संगु गां I गां मां दे रि ये I प है •• I स क O O O O O

१ २ ३ ० नि नि धा रिधनो नि नि । धा पा न रिन न ी ने ताई पा ये ८ । ध्रुते ८ । ८ ८ ।

१ -ध्रान-तो । तो सान । निध्राति । तिसान । ऽऽऽो दयाऽऽऽ त्वी दयाऽ।

१ निधु नि॥ ऽतंबी

् ॥ आभोग ॥

र ३ 0 १ सा सा । 1 सा : ग़ 1 ग़ा ग़ा । 1 मा मा । 1 ए तो ऽ । दिन् तो । छि छो ऽ । ना मो र । ए तो ऽ । दिन् तो । छि छो ऽ । ना मो र । उप म पा मा 1 ग़ुग़ ग़ा । 1 । । । 1 सा । । । । सा न । । । मा 1 गा । मा 1 मा ग़ा । 1 सा मा ग़ा । 1 सा मा मा सा गा । 1 सा मा मा सा उ व । इ उ ने 1 मोठ खाऽ । छि छो

॥ संचारी ॥

र ३ ० १ ध्राधामा प्रधान नि ति सांति नि सांति प्राधामा प्रधान नि ति सांति वि सांति वि सांति वि सांति वि सांति वि

३ ० १ गु⊣ I रां गांरसां। सांसरां गा I रां सां -। कुट् हृद ब्य् I कं दे० ऽ I मो रे ऽ

^{घुर} धृ<u>नि</u>नि धुलाय्

रे नीधानि I निसा - I - । निधानि ॥ नंबे दिया ऽ I ऽंख वे॥

॥ गान ॥

सेजे पारो एसे बोसे छिलो तबु जागिनि, कि धुम तोरे पेये छिलो हतभागिनि। एसे छिलो नीरब् राते बीणा खानि छिलो हाते स्वपन माभे बाजिये गेलो गभीर रागिणी। जेगे देखि दिखण हावा पागल करिया, गन्ध ताहार मेसे बेडभ्य आँधार भरिया। केनो आमार रजनी जाय काछे पेये काछे ना पाई। केनो गो तार् मालार परश बुके लागेनि। राग खमाच। धृपद॥ ताल तेवरा मध्यलय।

॥ स्थायी ॥

१ २ ३ १ पाधनो॥ संस्ति - 1 रिधा - 1 रिवा - धवा मिगा रागा मि संजै । पासे ० ८ वि ८० वि ०० वि ० से ८ म

२ ३ ॥ १ २ ३ १ मा ४ ! पा १ | गा मा २ | पा २ | घा २ | वि २ २ | वि छि ऽ ! लो ऽ । त बू ऽ । जा ऽ I गि ऽ I नि ऽ ऽ I

र ३ १ २ ३ I सां नी I रंस निसं I संसां नी I घा I घ

१ २ ३ सां । सां ी नीधा प्रिधनी II नी 5 'ऽ Iऽ ऽ I से जै० II

॥ अन्तरा।

्र २ ३ १ २ - ∏ नानी-∏ नो प्रसिन् मां निधा प्रधाप्त ऽ] बीणाऽ [साऽ] नोऽ | छि० लो ०० हा० ००

३) १ २ ३ १ | धा-|| स्तिसां मां गां-| गां गंरां | गांगुरां गुनि | तेऽ| स०पन् | माऽ | भरे०० | बाजि० ये०

्र ३१ २२३ है। |ना-|सांन∏नां सांन|नीन|सांनी∏सांन |गेऽ|लाऽ]गभार|साऽ|गिऽ[णीऽ

र तो । धापा | पाधनी | I ऽ ऽ ऽ | से जे ० | I

॥ आमोग ॥

? २ ३ १ २ ३ मा मा-| मा-| मा-| मा एा धपपा | मा-| | गा ज गेऽ|देऽ | खीऽ | द बि ००न् | हाऽ | वा

१ **२** ३ १ २ ३ १ न | माधान | नी न | नी न | सांन | न | न | नी युपागल | का ऽ कि ऽ या ऽऽ। ऽऽ । ऽऽ । सं २ ३ १ २ २ - । नी | नी - | मिलां - | | नी सिन सां मिलो - | धा -ऽ थ्रे | ना ऽ [हार | भेसे ० ऽ बिऽ] डाऽ

१ २ ३ १ २ Іघा पर्धातुन्। । धनिंधा । पर्धातुधा । पा। । । । न । । आँधाटर । भ ८ । रिट ०० । या ०० । ८८ ।

1 - 1 - 1 }

॥ संचारी ॥

्रे २ ३ १ २ ३ मगामनि - | घा। प्रियानि निस्तः निः सिनंती । सं कै०ना० । आर्थामा ३ | र ८ ज निते ८ । जा

१ २ ३ १ २ ३ -। निनि-। निने। सिने। निस्ति ग्लां I निन। धा यूका छेऽ पिऽ थिऽ कित छे० ०० निन ऽ पिः

१ २ ३ १ २ - | |) गांगां - | | गांन | | इ. | ∫के नो ऽ | गोंऽ | तार | मालार | गंऽ |

३ १ २ ३ १ २ सां न] संति सां मा [पा न [धा न] ति न न] न न] र शृ [बु० के ऽ [साऽ] गेऽ [निऽऽ] ऽऽ]

3 घशाधा I॥ "से⇒जे" I॥ अोई आसन तर्लर माटिर परे लुटिये खो,

तोमार चरण घुलाय घुलाय घुसर होबो।

केनो अमाय मान दिये आर दूरे राखे! चिर जनम,

एमन करे भुिल को नाको असम्माने आनो टेने पाये तब।

तोमार चरण घुलाय घुलाय घूसर होवो।

आमि तोमार यात्रि द्लेर रबो पिछे,

स्थान दियो हे आमाय तुमि सबार नोचे।

प्रसाद लागी कर्ताई लोके आसे धेये,

आमि किछु चाईवो नातो रहबो चेये।

सबार शेषे जा बाकि रय् ताहाई लबो।

तोमार चरण घुलाय् घुलाय् घूसर होबो।

(चंगाल देसका श्रेष्ट सुर) कीतेन ताल घूमाली मात्रा ४

॥ स्थायी ॥

॰ गामारागाः) रेपाधानी संनी I धानिधापा-धाI धासां ऽ ग् ओई ऽ रे । छ ० र रे ऽ । छ ऽ

० १ ० सां - | ी नी संनिधा-तिधा [या धा मा पा] गा मा रा गा] टिऽ] ये ०० र ०० [वो ऽऽऽ]ऽऽओईऽ]

१ ० मा - । पा - । 1 मप घा पा - । 1 [(-। घा मा पा | गा मा रागा) आ ऽस न् 1 त० ऽ छेऽ। । (ऽ ऽ ऽ ऽ।ऽ र आई)

 $\left. \begin{array}{c} \{ \\ \text{eti} : | \text{eti} :$

१ ० १ सांनि निसांसां⊣ानिसंनिधा ति्या पाधामा लाय्।धुऽसऽार०० हो ०० । वाऽऽ

पा । गा—मा ग- गा I

॥ अंतरा ॥

 $\begin{cases} \xi & \text{o} & \xi & \text{o} \\ \text{eii-} | \text{eii-} I \text{ eii-} | \text{eii-} | \text{eii-}$

१ संसं--रंसां I निसां नि-धा I पा घा पघ निसां I नि - I - I आ००र् द्रिटरे०० I रा ८०००० I खो ऽऽ

ं सं -| I -| -| धपा -| I र्पा -| पघ |-निसं I ।न -| धपा -| } I पं ऽ I ऽ ऽ .०० ऽ I रिव ऽ र ० ०० I ज ऽ न ०ऽ } I ऽ ० १ - । - । - । पा पा पा । पा - । पा पा । पा - । पा - । पा न । पा - । प

१ ० ^ध नि घंपा I पा नी नी संनि 1 म् I प ऽ मन् I क ऽरे० ०० I भू ऽ ली ०० I

॰ १ ॰ १ ॰ १ ॰ पा न पा न प्यान्पमा I पा घा घुनि पा I पा न । न घा प्राप्ति पा I पा न । न घा प्राप्ति पा I पा न । न घा प्राप्ति पा I पा उने ऽ I पा ऽ ऽ ऽ I

॰ १ ०१ ० ती धा नो ध्रुपा I पा । । । । । । । । । । सां । सां । I सां । ये ऽ त ०० I ब ऽ ऽ ऽ I ऽऽऽऽऽ I तो ऽ मा ् I च ऽ

धा-नोधा I पा धा मा पा I गा मा रे गा I सा । सा । I हो ०० I वो ऽ ऽ ऽ I ऽ ऽ "ओई I अ। ऽ मि ऽ I

• १ • १ रा। रागा I मा। । धा I पाधवा मा पा I गा। । मा I तो ऽमार् I जा ऽऽत्रो I द ०० छेर् I र ऽऽ ऽ I

॰ १ , ० १ मा । मापा I पा । । । I । । । I पध-निसां -। सां वो ऽ पी ऽ I छो ऽऽ ऽ I रुधा ०० न् दि

• १ ० १ बिनीः। धिषाः। प्रधाधाः। ४ । नोधपाः पिधानिसां बिनीऽ हेऽ । अर्थाः । ४ । उठऽ०यः । स्थाः ००

्र संनि। ध्या-। I याधाधा। I धा। I मा I या I या I स्वाप्त I स्वप्त I स्वाप्त I स्वा

० १ I सां। संसां रेंसं I नी सां निधपा I I लो ऽके००० I का ऽ से ०० I ह प्रमात का श्री का श्री ना ना का प्रमात का श्री का ना प्रमात का श्री का श्री का श्री का प्रमात का श्री क

ृश्यात्वा । पाधा। धा। धा। धा। धा। पानीनी ०० कि ऽछुऽ। चाऽइबो | नाऽ तो ०० र इबो

१ ० १ स्रोति । धा । । निधा | पा -। -। -। -। -। -। -। -। ना मा मापार्रे ०० । चे ऽऽ ०० । ये ऽऽ ऽ। ऽऽ ऽऽ । स्त ऽ बारा

श्रुधानुभिष्वषा पा।।। [।।।। [इ. छ००]बोऽऽऽ । ऽऽऽऽ [

० ' १ ० सांसां। र्रिनी संनिधा निधारिया घा मापार्रिया मा ऽस ऽर्रिर ०० हो ०० रिवो ऽ ऽऽर्रिऽ ऽ

रे गा 🛘 🗸 ऽ ओइ 🗓 🗎

जगते आनन्द जज्ञे आमार निमंत्रण धन्य होलो धन्य होलो मानव जीवन । नयन आमार रुपेर पुरे साध मिटाये वेडाय घुरे . श्रवण अमार गभीर सुरे होयेछं मगन । नोमार जज्ञे दियेछो मार बाजाई आमि वाँशी गाने गाने गे थे वेडाई प्राणेर कान्ना हामि एखन समय होयेछे कि साध मिटाये तोमाय देखि जय ध्वनि शुनिये जावो ए मोर् निबेदन । रागणी सर्पर्दा । नाल-एकताल । विलंबिनलय । मात्रा १२

॥ स्थायी ॥

२ ३ ० १ २ २ रा रा पमा I पा - । पा I धान् । घान । पमा पा मगा I मगा जा ग ०० I ते S आ I नं S न्द्I जा० S ज्ञे O आ O

र प्राप्त के प्राप्त

२ ३ ० १ २ -| I सा -| सा I रागा सा I रागा पा I पा मा पा I मपधा ऽ I घ ऽ न्य I हो ऽ लो I मा००

३ ० १ नीसंरां रां I संसांधा नीपा I मपा धधपा मपा I मगा मगमगा ००० न I व० ८०जी I वह ००००६ I न०००००

1 I I z

॥ अंतरा ॥

 $\left\{ \begin{matrix} \mathbf{2} & \mathbf{3} & \mathbf{0} & \mathbf{0} \\ \mathbf{q}_1 & \mathbf{q}_1 & \mathbf{I} & \mathbf{n}_1 \\ \mathbf{q}_1 & \mathbf{q}_1 & \mathbf{I} & \mathbf{n}_2 \\ \mathbf{q}_2 & \mathbf{q}_3 & \mathbf{q}_4 \\ \mathbf{q}_3 & \mathbf{q}_4 \\ \mathbf{q}_3 & \mathbf{q}_4 \\ \mathbf{q}_4 & \mathbf{q}_5 \\ \mathbf{q}_5 & \mathbf{q}_6 \\ \mathbf{q}_6 & \mathbf{q}_6 \\ \mathbf{q}_$

३ ० १ । सां I निसां निसंघा नी I संनी रंगेसां I संनी संघा धूमि I टा०००० ये I बे० डा०० यू I घू० रे०

 $\left. \begin{array}{lll} \textbf{1} & \textbf{2} & \textbf{3} & \textbf{0} \\ \textbf{1} & \textbf{2} & \textbf{3} & \textbf{4} & \textbf{4} & \textbf{4} \\ \textbf{2} & \textbf{3} & \textbf{4} & \textbf{4} & \textbf{4} & \textbf{4} \\ \textbf{3} & \textbf{3} & \textbf{4} & \textbf{5} & \textbf{4} & \textbf{4} \\ \textbf{3} & \textbf{5} & \textbf{6} & \textbf{6} & \textbf{6} & \textbf{7} \end{array} \right. \\ \textbf{3} & \textbf{6} & \textbf{6} & \textbf{6} & \textbf{6} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{4} & \textbf{6} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{5} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7} \\ \textbf{7} & \textbf{7}$

१ २ २ ६ १ प्रमुख्या निसंशं I स्रंसां घ०० नि० पा I मधा सु० रे SI हो ये ००००० [छे ०००० म I ग०

१, धधपा मपा I मगा मगमगा रा I I

गा आभोग ॥

 $\left\{ \begin{array}{lll} 2 & 3 & 0 & \xi & 2 \\ \text{en } & \text{en } \\ \text{fi } & \text{in } \\ \text{fi } & \text{in } \\ \end{array} \right.$

३ ० १ २ संसां-गां I रां सां -I I सां -I तां -I तां I सां -I तां I ता

३ ० १ २ घतो I घा या - $_{I}$ I पा मपश्रपा मपा I मा गनगा मरा I रा ०० I-गा ने S I गं थे००००० I वे डा०० ०ई I प्रा

गा रेगा I मा मधा धपपा I मगा मगमगा रा I णो र I का ०० न्ना०० I हा० ०००० ऽ I

१ निरसा मा । I I सि०० ऽ ऽ I I

॥ संचारी ॥

३ ० १ २ ३ नाधानी I सांसांनी I संनी बंसांसां I सां I संसां समग्री हो ये ऽ I छे० कि० ऽ I साध मि I टा०

निधा नी $I^{\frac{1}{6}}$ रां संनि सां I धनी U - II संनी संकां मंगां 0 < U > I तो मार्थ I दे 0 सिं 0 < U > I तो मार्थ I दे 0 सिं 0 < U जिल्ला 0 < U

े] रांसांनी]] ध्वनि ८]

० १ २ ३ सां संनि संरंग्सां I निसां धनुी पा I पा मपधा निसंगं I सनि \mathfrak{A}_{I} सुनि ० ये०० ० I ० ० जा॰ वो I ए मो०० ० ० रूI नि ०

धः नो० पा I मपा धधपा मपा I मगा मगमगा रा I I वे ऽ ऽ I द०००००० व ०००० ऽ I I

Gitanjali English Trans,-No 16.

तुमि एकटु केवल बोमते दियो काछे, आजि आमाय शुधु खणेक तरे। हाते आमार जा किछु काज आछे, आमि सांग करबो परे। ना चाहिले तोमार मुख पाने, हृद्य आमार बिराम नाहि जाने काजेर माझे घुरे बेडाई जतो, (फिरि कूलहारा सागरे। बसन्त आज उच्छ्वासे निश्वासे, एलो आमार बातायने। अलस भ्रमर गुश्वरिया आसे, फेरे कुञ्जेर प्रांगणे। आजके शुष्टु एकान्ते आसीन, बोखे बोख बेये थाकार दिन। आजके जीवन समपणेर गान, गाबो नीरव अवसरे। रागिणी बैरवी ताल दादरा मात्रा ३ मध्यलय।

.० १ ० <u>ग</u>१ सामा-||| सा-|घ्रा]घ्रापा-||ग<mark>्</mark>या-|पा| तुमिऽ]|एक्ऽटु|केबलऽ!बोसऽने|

० ॥ पृ१ ० पृ१ ० प्रमा पा -। I ध्रा -। -। I -। -। पा I मा -। -। 1 सा दि० ओ ऽ I का ऽ ऽ I ऽऽ ऽ I छे ऽऽ I आ

सारा । $\frac{t^{\ell}}{t^{\ell}}$ $\frac{t^{\ell}}{t^{\ell}}$

१ ० ५ १ ० सा । I नौधा । I नौसा । I स्रा । I रा I रा I सा I जि I हो ते I आ मार I जा I कि I छुकाज I

मा -। I वा वा -। II रे ऽ I तु मि ऽ II

॥ अन्तरा॥

सं $^{\xi}$ 0 $^{\xi}$ सं $^{-1}$ सं $^{-$

१ ° ० १ ० <u>भ</u> । І ध्राधा । I I पापा । I पध्रा निसां नि I ध्रा पा पा ई I जातो ऽ I I फिरिऽ I कूळ ०० हा I रासा ऽ

॥ संचारी ॥

II स्रानि विश्वासी स्थान स्था

I $\frac{\mathbf{q}^{\xi}}{\mathbf{r}^{\xi}}$ सासा \mathbf{q}^{i} I सासा \mathbf{q}^{i} I सासा \mathbf{q}^{i} I सासा \mathbf{q}^{i} I सास \mathbf{q}^{i} I सासा \mathbf{q}^{i} I सास \mathbf{q}^{i} I सा \mathbf{q}^{i} I सा \mathbf{q}^{i} I सा \mathbf{q}^{i} I

 $I \xrightarrow{\eta^0}_{\text{प्राया}} I \xrightarrow{\eta^{\xi}}_{\text{triul}} I \xrightarrow{\eta}_{\text{triul}} I$

श्राभोग

१०१ 11 माधाधा । धाधानो । नी सां नी सां ने नो । सां न 11 आज ८ के । शुधुऽ । एका ऽ । न्ते ऽआ । सीनऽ

१ ० $\frac{1}{1}$ $\frac{1}{1}$

र्वात्री विधापा विभागानी रासानी विस्तिति विश्वापा विभागानी रासानी विश्वापा विष्या विश्वापा विष्यापा व

निभृत प्राणेर् देवता जेखाने जागेन एका भक्त सेथाय् खोलो द्वार आज् लबो ताँर देखा । सारा दिन शुधु बाहिरे घुरे घुरे कारे चाहिरे संध्या बेलार् आरति होर्यान आमार शेखा । तब जीवनेर आलोतं जीवन प्रदीप उत्रालि है पूजारि आंज् निभृतं साजाबो आमार् थालि । जेथा तिखिलेर् साधना पूजालोक करे रचना आमि ओ सेथाय ध्रिबो एकटि ज्योतिर् रेखा ॥ राग पूर्वी कल्याणि । धृपद । ता॰ तिस्रजाति रूपक बिलंबितलय ।

.। स्थायी ॥

्र सिन् गुगवा I पापा पा I पापमा धर्मा I - 1 - 1 गा | गा नि० भृत ० । प्राणे र । दे व० ता० । ऽऽऽ । जे

के प्रति । प

े १२ गा। पर्माधर्मासां I सां ^{सं} नि^धपा I - । ने । ने पा धनी का I से ० था० यु I खो लो द्वा I ऽऽर् I आ०० जे

नी I घ्रषा ध्रमा I मा गार्। I पा गारा I I स्ना गार्। I स्ना गारा I I स्ना तार्। I स्ना तार्। I स्ना तार्। I स्ना तार्थ I स्न तार्थ I स्ना तार्य I स्ना तार्थ I स्ना तार्थ

॥ अंतरा ॥

२ ३ ० १ सां गां गां I पां गां I सां I पूं सां I पूं सां नी ध्रुपा I मा I गा I सां I

वा वा I वा वा I वा वा I न। I वा I न। I हो य नि I

है ध्वाः मः I मा गारा I वा गारा I I आ ला मार् I हो स्वा S I S S S I I

॥ आभोग ॥

मा नि I धपा धपाः मः I मा गा गा I सा -| -| ता बो I आ σ मा ग् I धा σ σ σ

॥ संचारी ॥

्रे १ पागा प्रमा I ध्रपाधासां I सांसांसंग्रं I रंसांसां - I र जिथा नि र बिब्लेर् साधाना ०० ८ ८ I

२ ३ ० १ २ २ सां गां गुं I पां गां गुं सां I गूं नी धपा I मा I गा I गा पा पुजा लो I क करे \circ I र च ना \circ I \circ I

है ० १ २ ३ पा पा पा पा पा पा ना मा ना मा नि I धपा अभे I से था य् I ध रिबो I ऽऽऽ । ए क्टी I जो०

हेथा जो गान गाइते आसा आमार होय नि से गान गावा, आजो केविल सुर साधा आमार गाईते केवल चावा। आमार लागे नाइ से सुर आमार बांधे नाई से कथा, शुधु प्राणेरि माभ्रखाने आछे गानेर व्याकुलता। आजो फुटे नाइ से फुल शुधु बहेले एक हावा, आमि देखि नाइ तार मुख आमि सुनि नाई तार बाणी। केवल शुनि क्षणे क्षणे ताहार पायेर ध्वनि खानि, आमार द्वारेर समुख दिये से जन करे आसा जावा। शुधु अश्सन पाता होलो आमार साराटा दिन धरे, घरं होय नि प्रदीप उदाला तारे डाकबो केमन करे। आछि पावार आशा निये तारे होय नि आमार पावा॥ राग मिश्र बिहाग ता० धुमाली० मात्रा ४।

र II वा मा पा सां I सां न नी न I पा न मा श्रा I पा न II है उथा ऽ I जे ऽ गा न् I गा ऽ ई ते I आ ऽ

्मा पा र मान् गां पा सिन् । तिसा र गान् । मा शां ऽ अर मां र् । हो ऽ य्नि र संऽ गान् । गा

।। ० १ ० १ -। गा - १ गा - | -। रा र सा - । सा -। ऽ वा ऽ । आ ऽ ऽ जो र के ऽ ब ऽ र छि ऽ सु र र सा

० १ - भ्या - रिपा - रि

धनी सांना सांनि पामा रिगान सा रिगान परा वा ० ऽऽरि आ ऽमा गुरिहोय ऽनि सिं ऽ गा

अंतरा

० १ ० १ । - $_{
m I}$ नी - $_{
m I}$ नी - $_{
m I}$ सां - $_{
m I}$ सां - $_{
m I}$ नी - $_{
m I}$ पा $_{
m I}$

० १ मापा मानानानाना रागरा गान मानापाना रा थाऽ युऽधुऽ प्रा०० जेऽ यिऽमाक् यास्र

० गरागा-|] मा-| पा -| । पधापामागा] रागा रापा .oo⁴ने ऽ 1 आ ऽ छे ऽ ा गां० ऽने र् विदाऽ कुऽ

१ 0 १ पा | पा-| -| -| 1 पा -| धा -| 1 ती -| सां रां रिरंसां ति धा से 1 फू ऽऽ ल् 1 शुऽ धुऽ । ब ऽहे ऽ । छे० ऽ प क्

१ | पाधामापा I मागागारा I सा नि - । सा I गा - । रा | दिइ दिवा ऽ I आ उमा रु I हो ऽयुनि I से ऽगा

संचारी 🕝

I I}-| सान् I सा-| सा-| I गा-| रामा I गा-| -| -| -| S ऽ आ मि I दे ऽ खि ऽ I ना ईता रू I मुऽऽऽ

I - I

॰ १ ॰ गर -| रिमा-| गामा दूरा-| गा-| रिमा-| पा-| रिमा-| गा ऽ किं ऽवल् पृश्च ऽनि ऽ किं ऽ पेंऽ रिस् ऽ जे

॰ १ -|] मान,पान| पिश्वा पामागा | रागगागा पा] मान ऽ | ता ऽहार्] पा० ऽ ये र् | ध्व •० नि ऽ] खा ऽ

१०० १ ० गा - | गा मा मा पा | पा - | पा ने पा न

मा गा **** I वा ऽ

. आभोग।

• १ ० १ सां - सां - । आ ऽ मार् । सा ऽ रा ऽ । टा ऽ दि० न् । ज ऽ रे

१ • ० १ गा-| 1 गा-| मा-| I-|-; गावा I मापा-| पा I पा शा S I नि ऽ ये ऽ I S(ऽत्राः!।रे [हो ऽ युनि I आ १ ० .१ - | पा - | I पा घा नो सां I नो घा पा घा I पघा मपा - | मा ऽमा रु I पा ऽचा ऽ | आ ऽ मा रु I होऽ ०० युनि

० 1 गारासागा] रामागा । I I I संऽगान ऱगाऽ वाऽ] I

जनिन, तोमार करण चरणखानि
हेरिनु आजि ए अरुण किरणरूपे।
जनिन, तोमार मिरणहरण बाणी
नीरव गगने भरि उठे चुपे चुपे॥
तोमारे निम हे सकल भुवन माझे,
तोमारे निम हें सकल जीवन काजे।
तनु मन धन करि निवेदन आजि
भक्ति पावन तोमार पूजार धूपे॥
राग गुणकली ताल नवपंच ताल विलंबिनलय।

🏿 🖟 सासंनि 🖟 सां-। स्'निधार्मिष्टाध्वपापमामगार्मिता 🌃 जन्ठिति ८ तो ०मार्थि०० र० करु हर्गण

रागामा I मा - | रासा I सारा I मामा मा मा I मापा चरण I खा ऽ ऽ नि I हे रि I नुधा जिए I अह नुधा ध्रुपा I पापापागा I पारा - । सा I Iण ० कि॰ I रण ऽ ऽ I ऽ ह ऽ पे I I

अंतरा

II $\{$ मापा I $\{$ निधा - $\}$ नी सां I - $\}$ सां सां सां I हं नी धा I I $\{$ ज न $\}$ $\{$ न $\}$ $\{$ तो माI $\}$ र म र I \emptyset $\}$ ह

नी सां I रां -| सां -| I गां I गां I रां गां I सां I सां

धानी I धावावा - I गावारामा I I ऽऽI ऊठेचुऽ । ऽऽच्वे I I

संचारी

I [सासा] सानिधानिधानिधा I निधाधाधाधा I ितो मा I रेन० मि० हे० I स० कल भु I

पामा नो धा ि। सां । । । सांनि I धानी धा पा I वन माऽऽइझे ऽऽ I तो मारिने मि है I

ष्ट्रापामापा बिमागागा । बिगुमा । ।) I संकलजी बिन का SIS जै SS (I

आभोग

 $I\int$ मापाI निष्धानिष्ठा नो सांI सां सां सां I सां I त नु I म \circ न \circ ध न I क रि नि बे I द

सारा -|I| - मां -|I| |I| गां - |I| गां रां सां |I| न आ |S| जि |S| जि |S| जि |I| जि |I|

सानिधानी I घाषापागा I पारा -। सा II तो मा S S I र पूजा S I र घू S पे II

सुन्दर वट तब अङ्गद्खानि नाराय नाराय खिनत, स्वण रतने शोभन लोभन जानि वर्ण वर्ण रिवत। खड्ग तोमार आरो मनोहर लागे बाँका विद्युत आँकाशे. गरुडेर पारवा रक्त रिवर रागे जेनो गो, अस्त आकाशे। जीवनकशेषेर शेष जागरणसम भलसिछे महावेदना। निर्मिष देहिया जाहा किछु आछे मम लीब भोषण चेतना। सुन्दर बटे तब अंगदखानि नाराय नाराय खिनत, खड्ग नोमार, हे देवो बज्जपणा चरम शोभाय रिवत॥

गाग इमन कल्याण ता० धुमाली ४ द्रुतलय

१ ० ग्या । रागा नरा। गाँ याधाधा। पानन न । इ. नि. इ.] तारायता। रा वृष्टि । त इ. इ. इ. इ.

पा I प्रमान मा I मान्। पानी I निधाधा पान्। I नि चरणे S I बरणे S I रिचन S I

१ ० १ ० १ ० । - । - । - । - । - । - । - । - । मां । मां मां मां मां मां मां मां मां पां पां प्रां ऽ ऽऽऽि खड़ ग तो । मा नो ह

्रं प्रंति के प्रति के प्रति

१ ० १ ० १ ० । -1+1+1+1=1 गांपां मां मां 1 गां गां गां -1 रां रां मां -1

१ १ ० निश्चा I नां I सां नी धापा I ने मा मा I मि धा I र I र I र I र I र I ने नो मो अ I उस्त अग का I शे

० १ -) गारा I रागामी पा | धाधानी नी I सां -) -) -| गां ऽम ऽ I भर ल लि छे I महा बेद I ना ऽऽऽ I नि

ा गां -। । रारां सां -। । गां गां रां रां । मां नी घा घा । मे षेऽ । द हियाऽ। जा हा कि छू। आ छे म म । १ ० १ ० गां-। रां सां I नी धा या मो I गाः-। -। I सां रा गा गा I ती S त्र भी I य ज जेत I ना S S S सुत्दर I

१ गाँधाधाधा पानना [] र युखचि I तऽऽऽ। I

१ ० १ ० [सारागामां]पाधानीनी सिं-।-।-। -। -। -। -। -। [चरमशो]भाय्रचि]त ऽऽऽऽ]ऽऽऽ

II

जात्री आमि ओरे, पारबे ना केंड राख्ते कामाय घरे। दु:ख सुखेर बांधन सबई मिछे, बाँधा ए घर ग्इबे कोथाय पिछे, जात्रो आमि ओरे

विषय बोभा टाने आमाय नीचे,
छिन्न होये छोड़िये जावे पडे।
जात्री आमि ओरे।
चोलते पथे गान गाहि प्राण भरे।
देह दुर्गे खुट्वे सकल द्वार,
छिन्न होवे शिकल बासनार,
भालो मंद काटिये होवो पार
चलते रवो लोकं लोकान्तरे।

जा किछु भार जाबे सकल सरे। आकाश आमाय डाके दुरेर पाने भाषा विद्वीन अजानितेर गाने संकाल साँझे आमार पराण टाते काहार बाँशि एमन गभीर स्वरे!

जात्री आमि ओरे—
बाहिर होलेम ना जानि कोन भोरे।
तखन कोधाओ गायनि कोनो पारवी,
कि जानि रात कर्त्र छिलो बाकी,
निमेष हारा शुध्रु एकिट आँखि
जोगे छिलो अंघकारेर परे।
जात्री आमि ओरे—
कोन दिनान्ते पौंछबो कोन घरे।

गीताञ्चली

कोन तारका दीय ज्वाले सेईखाने, . बाताश काँदे कोन कुसुमेर ब्राणे, के गो संथाय स्निग्ध दुनयाने, अनादिकाल चाहे भामार तरे॥'

राग मिश्र कालंगडा ताल दादरा

।। स्थायी ॥

II नी न निसां रिसंनी न धिषा न न रिनो नी कि जाऽ त्री रिआर रिमि० ८ ८ रिओरी

नी -। ^{नि}सां I-। ^{सं}नो । [घषा -। -। I-। -। -। पनी -। जाऽ त्री Iऽ आ ऽ! मि०ऽऽ Iऽऽऽ । पागुऽ

नो] - नो - । विधा-। या] - । या - । य मा-। या] वे] ऽना ऽ] केऊ ऽआ] ऽमायऽ] राख् ऽते]

धा ^ध पान् | मगान्न | मापाधा I I ऽ धऽ | रे० ८८ | ८८८ | I

अंतरा

II संग्रां - । ग्रां -

सां - 1 सां - सां 1 - । मां नी 1 निरं - । सां 1 - । संनी ए ऽ रिश्वर दर्द । ऽ वे ऽ रिको ऽ धाय रिऽ पि

न न नि नी न नि न नि सां र न सं नो न र घ्रापान न र न ऽऽरित ने ऽक्षिर मार्ग ऽ नो ऽचि० ऽऽरऽ

े ख्रमः चाधा ध्रमः । । मापाधा I । जा ऽबे I ऽपऽI डे०ऽऽI ऽऽऽI ।

ानीन संगिन संनीन प्रियम न न मिन न स्वी पा जाऽ त्रीरि काऽामि०ऽऽरऽऽऽ चो I धा ध्वा । I मगा - । I - । । - । I सा - । सा I रा - । I
I ण मऽ I रे० ऽऽ I ऽऽऽ I दे ऽ हो I द्र्ऽ l

रा-। राI । रगा माI H रा-। गा I- H मा -। I H गा H ठ खुI ळ वे० ऽI सं ऽक Iऽ ळ ऽI द्वा

नी रिन्नो न र्घनी न न रिघापा धार्मित न धार्मित स्थापा स

ध्रा $\cdot \Gamma^{rac{ extbf{y}}{2}}$ वा $\cdot \Gamma^{ extbf{q}}\Gamma^{ extbf{I}} \cdot \Gamma^{ extbf{q}}\Gamma^{ extbf{I}} \cdot \Gamma^{ extbf{q}}\Gamma^{ extbf{I}} \cdot \Gamma^{ extbf{q}}\Gamma^{ extbf{I}}\Gamma^{ extbf{q}}\Gamma^{ extbf{q$

पा - | - | I - | धा नी I I रे ऽऽ I ऽ ऽ ऽ I I

lIनी-। ^{नि}सां I-। ^{सं}नी-। I ध्रया -। ·। <u>I</u>-।-। जाऽ त्री Iऽ आऽI मि०ऽऽIऽऽ

ध्यान् Γ मान्या Γ ध्या $^{rac{1}{2}}$ यान् Γ मगान्न Γ

I - I

रां गां I मां I सां I गां I सां I

 $-1 - 1 - 1 = \frac{1}{2}$ $-1 = \frac{1}{2}$ -1

-। संशं रें संI संती-। सं I -। संशं I -। । । ऽ जा ॰ ऽ I नि ऽतेग् I ऽ गा ऽ I ने ॰ ऽ ऽ

+++1 नी ++ सां I++ मं ती ++1 घषा +++1 ++1 दिंद I नी ++1 दिंद I में I के I दिंद I है I है I है I है I

I ^पनीन नी रिन्धान रिप्तान पासिया I काऽहार्रेऽ बाँऽी शिऽपरिमन

। ^{श्र}मान् पान् । पान् । । पान् । । पाश्रानी । । । गऽभोर् । ऽस्व ऽ । रेऽऽ।ऽऽऽ। ।

नीन ^{नी}सां Iन ^{सं}नीन प्रियम नन Iननन । जाऽ त्री Iऽ आऽ Iमि० ऽऽ Iऽऽऽ] I

धान धा I न धान I ध्यान पाI धा ध्यान I बा S हिर I S हो S I छेम S ना I S जा S I

 ${}^{\mathbf{q}}$ मा - । धा I - , ध् ${}^{\mathbf{q}}$ पा - । I मगा - । I - । - । I सा - । ित I - I - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - । - । I सा - । I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - |

सा \P । रा \P रा Π । रा Π । गा मा Π रा Π गा Π । खन् Π उ को Π धाओ उ गाय Π उ नि Π त Π को Π ने Π

मा न I^{H} गा न न I^{H} न न I^{H} न I^{H} मा न I^{H} वा पा SI^{H} खी SS^{H} SS^{H} SS^{H} कि S जा I^{H} S न S^{H} रात्

-। पा I -। q $^{\bullet}$ -। 1 1 2 पा -। 1 2 पा -। 1 2 पा 1 2 पा 2 पा 2 2 पा 2 $^$

न । I न न । I पा न प्रा । न प्रा न I प्रा न पर S र S र S र S र S र S र S र S र S र S र S

ष्ट्रित त्रुवा प्रमान पाष्ट्रित त्रुवान समान । गा

I - I

गामा I मान पा I न पान I पानन I न धा ध्र ऽ I काऽरेर् I ऽ प ऽ I रे'ऽऽ Iऽ ऽ नी I I ऽ I I

नी-। निसां [-। संनी-। प्रिया-।-। I-।-।। जाऽ त्री Iऽ अगऽ] मि॰ ऽऽ Iऽऽऽ I

पसां - $\frac{4}{6}$ नी I - I निश्चा - I प्रिया - I पा I धा भ्रा ना I कोन I दि I ते I ते I से I से I

-। - $| \mathbf{I} |$ संग्रां -। ग्रां $| \mathbf{I} |$ ग्रां -। $| \mathbf{I} |$ ग्रां -। $| \mathbf{I} |$ ग्रां -। रां $| \mathbf{I} |$ ग्रां -। रां $| \mathbf{I} |$ ग्रां -। रां -। ग्रां -

ा ^{रं}सां । गुंगि ^{गुं}गं । ^{सं}नी न गो । । । । ऽ। लेऽ सेई । ऽखाऽ ने ऽऽ । ऽऽ ऽ

ा^{नि}गुां-। रां !-। ^{रं}सां-। I ! बाऽतास ाऽ काँऽ I

सांन् रां रन् संसान् संनीन् सां रन् संनीन्। र देऽकोन् रिकुटीं सुऽमेर रिघाट ध्रया - । - । I - । - । I नी - । नी I - । I ध्रया - । I ध्रया - । I णे ० ऽ ऽ I ऽ ऽ ऽ I के ऽ गो I ऽ से ऽ । ध्राय् ऽ स्नि

सर्गा - | गा I - | गा I - | गा I - | गा I मा I मा I पा अ० ऽना I ऽ दि ऽ I काल ऽचा I ऽ है ऽ I आ ऽ मार्

I - पा - | I पा - | - | I - | धा नी I I I ऽताऽ I रेऽऽ I ऽऽऽ I I

यदि तोमार् देखा ना पाई प्रमु एवार ए जीबने,
तवे तोमाय आमि पाई नि जेनो से कथा रय मने,
जेनो भुले ना जाई, वेदना पाई शयने स्वपने ।
ए संसारेर हाटे आमार जतोई दिवस काटे,
आमार् जतोई दुहात भरे उठे धने,
तबु किछुई आमि पाईनि जेनो से कथा रय मने;
जेनो भुले ना जाई बेदना पाई शयने स्वपने ।
यदि आलस भरे आमि बोसि पथेर परे
जदि धूलाय शयन पाति सजतने,
जेनो सकल पथेई बाकि आछे से कथा रय मने;
जेनो भुले ना जाई बेदना पाई शयने स्वपने ।
जतई उठे हासि घरे जतई बाजे बाँसि,

ओगो जतई गृह साजाई अयोजने, जेनो तोमाय घरे होय 1न आना से कथा रय मने जेनो भुळे ना जाई बेदना पाई शयन स्वपने ॥ ८॥

राग सिंधकाफि ता० १,बिलंबितलय।

॥ स्थायी ॥

र २ ३ ० सं I = I । I = I मा I = I मा

१ २ ई ० धापामा I पा सां नि I धापा घपा I मा गा मा 1 1 1 2 जे नो I से 2 क I धार ० य् I म 2 ने 1 2

२ ३ ० १ मगा मा I मा मा पा I पा पा - | I सा सा - | I रा रा धा | I जे ० नो I भु ले ऽ I ना जा ई I बे द ऽ I ना पा 'ई I

२ पुरे मापाधा I ध्यामागा I गामामा I -। सासा I I श:य ऽ I ने ० स्व ऽ I प ऽ ने ऽ I ऽ "ज दि" I I

अंतरा ,

२ ३ ० १ २ II पापा II पापा II पापा II नी नी नी पसंII सारे रूI हा II टेII आ मार्II ज त

ं '१२२ के कि प्रश्नेति । प्राप्ता I पा सांनी I धा वा धवा I मा गा नि I5 जैनो Iसे 5 क I2 था के ०यू I मा 5

ं गा - | І मापाधा І प्रवामा गा । गामामा | І-। पां १ । शय ऽ І ने ० स्व ऽ । प ऽ ने) । ऽ

सासा I I "ज दि" I I

संचारी ।

२ **३ ०** १ | II सागान I रागान I रागा | जदिऽ I आलस् I भरेऽ I ऽ आ मि

२ ३ ० | गगुनमगुन्धिसान्। | बास्टिप धेर्नपरेटा

३ ० १ २ ३ -|1 पा -| -| I पा पा -| I पा पा घा I पा सां नो I घा पा ल I प ध ई 1 बाकि ऽ आ छे ऽ I से ऽ क I धा र

० १ २ ३ ध्रवा रिमा गा मा निम्मा मा निमा पा न निपा पा न सि ०य रिम ८ ने रिजे० नो सिं छे ८ निमाजाई रि

• १ २ सा सा-| I ग गा -| | मा पा घा I घषा मा गा I वे द ऽ [ना पा इ [श य ऽ | ने • स्व ऽ]

र⁰ गामामा [-|-|-| यापा-| प्रापा धा [प ऽने [ऽऽऽ[जतदं[उठेऽ | नी -। सां I -। सां सां I हा $\mathcal L$ सी I $\mathcal L$ धारे I .

आभोग

र ३ . ० १ २ I नी नी -II नी नी -I सां I -I सां I नी नी I ज त ई I बां जे S I बां S शो I S आ गो I ज त

रे ० १ घर ३ नी I नी नी -I I नी नो -I I नी नी -I I सांई I \mathcal{J} $\mathcal{J$

रां गां I सां - - - । I रां सां I रां सं रसां - | I नी नी हो र ऽ I ने ऽ ऽ I (ऽ जे नो I तो मा॰ यू I घ र

 ${}^{\circ}$ । ${}^{\bullet}$ । ${}^{\bullet}$ ने ${}^{\bullet}$ ने ${}^{\circ}$ । ${}^{\circ}$ ने ${}^{\circ}$ ने ${}^{\circ}$ । ${}^{\circ}$ ने ${}^{\circ}$

१ : -।सासा I I ऽजदि I I

Gitanjali English Trans. No. 19

तोरा शुनिस् नि कि शुनिस् नि तार पायेर ध्वनि ओई जे आसे, आसे, आसे ! ज़गे जगे पले पले दिन रजनी, से जे आसे, आसे, आसे। गेयेछि गान जखन जत. आपन मने खेपार मत सकल सुरे बेजे छे नार आगमनी से जे आसे आसे आसे कत कालेर फागुन दिने बनेर पथे से जे आसे, आसे, आसे। कत श्रावण अंधकारे मेघेर रथे. सेजे आसे, आसे, आसे। दुखेर परे परम दुखे तारि चरण बाजे बुके, सुखे कखन बुलिये से देय परश मणि से जे आसे, आसे, आसे॥

> राग सिंध-काफि ताल तेवरा बिलंबितलय स्थायी

सा ${\mathfrak t}$ ${\mathfrak t}$

२ ३ [°] १ २ ३ १ रसारा I पा - I I मा मगा - I गारा I गामा I - I - I - I नि॰ ऽ I नार् I पा ये० ग् I ध्व ऽ I नि ऽ I ऽ ऽ ऽ

रेंसां +1 सं $\frac{2}{4}$ धाI पा +1 पिश्वाभी धपा I मा +1 छै । I प I ज I ज I

३ १ २ ३ १ २ मा - | [| - | - |] - | | मा मा मा मा मा मा मा | - |] रा सा I नो S I S S S I S S I से o जे | आ o से o | - I आ S I

है र^१ २ इ गरा I पापा - I गारा I सारा I I से S I आसे S I "तो S I रा S" I I

अंतरा

 के १ २ के ५ निसं निया I पा -। I मा मा नो I घा -। I घा नी I मां निसं नि ०० I त S I) स क ल् I सु S I र S I चे जे०

२ प्रश्ति २ ३ १ - । I घा - । I पा - । I घा - । I मा गा I मा - । I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I - | I

र^१ प<u>गा । I गारे I सारे I I</u> आसे ऽ I ताऽ I राऽ I I

मुंचारी

१ सं २ ३ १ १ ३ विसां में नी नI घा नI पा घा I पघा निसां निया I पा ना I ना से S I आ S I से S I आ S I S I अ S I S

-। १२३ १२३ | I पा पा -। I पा घा I पा घा पा I मा -। I गा | द्राकतो द्राक्षा द्रावण् I अंद्र धा का द्रार

१ ' २ ३ १ २ ३ -| I गा गगा मा I मा गा I मा -| I -| -| 1 गा 5 I में बे० र I र 5 I थे 5 I 5 5 5 I 5 5 I से

१ २ ३ १ २ मा Іमगमा - | Іगारा Іसा रा स्राग्नागुरा Іसा जे І आसे 5 Іआ 5 Іसे 5 Іआ 6 0 0 0 1 से

आभोग

१ २ ३ १ ${}^{\xi}$ २ ३ ${}^{\xi}$ पा ${}^{\eta}$ । ${}^{\eta}$) ${}^{\eta}$) । ${}^{\eta}$) ${}^{\eta}$)

१ २ ३ १ २ स्मं I नी नी -I घा -I घा मा I घा धनी सां I नी निघा I ऽ I ता रिऽ I च ऽ I र ψ I बा जै ० ऽ I बु ० ० I

२ ३ १ म_ग २ ३ - | -| I -| -| I म्गामा [मण् मगु | -| रासा | रारा [ऽऽ]ऽऽ। से॰ जे [आ० से ऽ] आऽ [से ऽ]

र^१ म २ ३ पा पा-| <u>। गारा | साः गः | | |</u> आ से ऽ <u>। तो ऽ । रा</u>ऽ । <u>। ।</u>

Gitanjali Eng. Trans. No. 45.

पखनो घोर भांगे ना तोर जे मेले ना तोर आँखि, काँटार बने फूल फुटे छे रे जानिस् ने तुई ता कि । ओरे अलस जानिस् ने तुई ताकि ? जागो एबार जागो, बेला काटास् ना गो ॥ कठिन पथर दोषे

कोथाय अगम विजन देशे

ओ सेई बन्धु आमार एकला आछे गो दिस्ने तारे फाँकि।
ओरे अलस, दिस्ने तारे फाँकि।
जागो एबार जागो बेला काटास्ना गो॥
प्रखर रिबर तापे, ना हय शुष्क गगन काँपे,
ना होय दग्ध बालु तस आँचले दिक चारिदिक ढाकि।

पिपासाते दिक् चारि दिक् ढाकि॥

मनेर माझे चाहि देखिरे आनन्दकी नाहि ? पथे पाये पाये दुखेर बाँसुरी बाजबे तोरे डाकि मधुर सुरे बाजबे तोरे डाकि । जागो एबार जागो बेला काटास ना गो॥

राग मिश्र पिलु ता०दादरा मध्यलय।

० १ ० १ ० - | I - | - | - | I गा गा गा I गा रा - | I गा पमा पा I - | - | ऽ I ऽ ऽ ऽ I मे ले ऽ I नातोर् ऽ I आँ०० बि I ऽ ऽ

१' ० १ ० १ - । I पा पा - । I पा पा - । पा पा पा मा I पधा नी ऽ I काँ टार्ऽ I ब ने ऽ I फुल ऽ फ़ु I टे छे ऽ I रे ० ऽ

• १ ० १ ० -| I -| १ धर I पापाधा I पा मा गा I रगामा मा I -| ऽ I ऽ ऽ ऽ I जानिस् I ने तु ई I ता० ऽ कि I ऽ

१ ° १ म ° - |- - | I गा गा गा I रा गा रा | गा - | रा I म गा रा सा I ऽऽI जा गो ऽI ए बार I जा ऽऽ I गो ऽऽ ो

१ ० १. ० रारापा I मागारा I सरागुरासा I । । । I I वे ला ऽ I का टास् I ना००० गो I ००० I I

अंतरा

१ [तोधा -|]० १ ० II स्वापा-|Iपापा-|I धापामा Iगामा -| I II क ठिन् I प थेर् I हो चेऽ I को धाय्ऽ I

१ ० १ $\left\lceil\frac{1}{n!}$ घा - $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$ ० पानी - $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$ नी सां $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$ नी सां - $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$ घा - $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$ वा साम $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$ विज्ञ न् $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$ हो $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$ यो से $\left\lceil\frac{1}{n!}\right\rceil$

१०१० १० नी [धानी - | प्धा-। नीघा | पाधा मा | पा- | - | । । धु] आ मार्ऽ | पक्ऽ ला० [आ ऽ छे | गोऽऽ | ऽ

१०१ घाषा घाषा मासानी । । । । १ गामा । मासानी । घाषा घा । मामा । । । । । १ ऽऽ। दिस्ने । तारे ऽएकाँ ऽकि । ऽऽऽ।

॰ १ ° १ १ ° प्यापान I पापान I पापान I पापान I पापान I पापान माना अभेरे ऽ I अलस् I दिस् ऽ ने I ता रे ऽ I फाँऽ

प १ ० १ ० म $_{f HI\ I-I-I}$ । III II

० १ स्ना I रारापा I मा गा रा मिसरागृत सा II ऽ I बेलाऽ I काटास्ऽ I ना००० गो II

संचारी

॰ १ ० १ ० नी नी सा I सांसा । I नी सा । I सा गागा I गागा । I गगन ऽ I काँ पे ऽ I ना होय्ऽ I द ऽ भ्य I बाल् ऽ I

१ ० १ ० १ ० १ १ ० प्रेमान मान्या । मान्या । मान्या । मान्या । सान्या । त. इ.स. १ अपँड च । छे ऽऽ। ऽऽऽ। दिक्ड चा ।

० म रा गु।-। रासा,| रिन्।-। रापाना पिषा प्रथा रि रिद्क्ऽरिडाकि ऽरऽऽरिपपाऽसि ते०० रि

म्र ० म पानमा राष्ट्रम् गान । रासान । न न न । दिक्टचा । रिदिक्ट । ढाकि ऽ । ऽऽऽ ।

आभोग।

१ [नी घा-|] ० प्१ प्रमा-| I मणा-| मा प्रानी 'पापा-| प्रापा-| घामा-| I मा प्रानी म तेर्ऽ I मा झेऽ । चाहिऽ I देख्ऽ रे I आ न

 $\begin{array}{c} \circ \\ -! \ I \ \text{all} \ \text{fill} \ I \ \overset{\text{dist}}{\text{dist}} \ I \ \overset{\text{dist}}{\text{dist}} \ : \ I$

० १ **० १** ० १ घानी-। २ घानी घा I वा घा मा I वा -। -। I गा मा -। I वा वा येऽ । दुखे रृषि इं शारी ऽ'ऽ I ऽऽऽI बा

० १ ० १ ० सां नी । धाप धा मा मा मा I. । - । - । पापा - । पा ज्बे । तो रेऽ। डाऽ कि । ऽऽऽ। मधुरऽ। सु

पासां रिसां । ती रिधापा पार्मामा गामा । । रेड बिज् ड बेरितो रेडिड डिकिट ड

० १ पा स्मागा रासिरागुरासा निनन ना ऽोकाटास् ऽिना०००गो । ऽऽऽ।।

Gitanjali English Trans. No. 55

कोलाहल तो वारण हो हो, एवार कथा काने काने।
एखन होबे प्राणेर आलाप, केवल मात्र गाने गाने।
राजार पथे लोक छुटेछे, बेचा केनार हाँक उठेछे,
आमार छुटि अबेलातेई दिन दुपरेर मध्यखाने,
काजेर माझे डाक पड़े छे केनो जेता केईवा जाने।
मंगर कानने अकाले फूळ उठुक् तबे मंजरिया।
मध्यदिने मौमाछिरा बेडाक् मृदु गुञ्जरिया।

मन्द भालोर द्वन्द्वे खेटे, गेछं तो दिन अनेक केटे, अलस बेलार खेलार् साथी एवार आमार हृद्य टाने। विना काजेर डाक पड़े छे केनो जे ता केई वा जाने?

राग मिश्र धनाश्री ता० दादरा मध्यलय

II मापा-। प्रधातिसां तिधा पामा -। रिगा रमागुरा कालाऽ। इ० ल्० ना० वारण्ऽ। हा० ००००

स_{नी सनी न न न}िसासागा गागा न रिसा गा लो ऽऽ । ऽऽऽ एवार् । कथा ऽ । काने

- |] मापा ध्वा | व मागामा | - | - | गा | रागा - | - | रा ऽ | का ऽ ने | ऽऽऽऽऽऽ । य खन्ऽ। हो

ंगुः । 1 रागुराो गुरामगुरा l सानी - [] - | - | न् घंपा चंडी प्राणेर् ! आ०००ऽ l लाएंऽ l ऽऽऽ l क

नी - 1 सा - । सा 1 सनी सा - 1 नी सा - 1 निसारगा - 1 बल्ड 1 मा ऽत्र 1 गांने ऽी गांड ऽीने ०००ऽ।

1-1-111

अंतरा

🏿 पा मिया-। । मा गामा । पानीनी । निसां-। नो । 🗓 राजाग्ऽीप थेऽी लोक्छू । टेऽऽी

सान नI न न न न सामा I मां मंगारा सामा छ ऽऽ।ऽऽऽ। बे बाऽ I के नार् I हाँ

निरंसां । सां - । - । नो ना - । - । - । - । विसां नो ना धा कः उठिऽऽ। छ ऽऽ। ऽ ऽऽ। आ मार्ऽि छु

पान्∏ पापान्। पापाधा | नो सांनो | धापा^धपा ामा टिऽाअ बेऽा लाते इ. | दिन्दु पुरे र्|म

गागा | गा पमागा | गुरा गुरा | रागु: - | रगु मा ऽध्य | स्वा ने ऽ | का जरऽ | मा झेऽ | डा० क्

गु। रासाः। । स्वापाः। । पा ^धवा। । मा मागु। प । डे छेऽ। के नोऽ जिताऽ कि ई वा।

रासा - | | जाने 5 |

संचारी

ी । सागुःगः । रागान । रागान । गा पान । प्रमासः । । मोर् कानिनेऽी अकाऽ। लेक्छऽि (इ. ट्

गा [रागा - | [रामा गा [रासा - | [सापा पा [पा पा क् [त बे ऽ [मं ऽ ज [दिया ऽ [म ऽध्य [दिने ा प्रधानो नो पंत्रोधा संनोधा एपा पाधा [ध्रामा द्रमी • द्रमा छिरादि वेडाक् [सृदु

गो । रगामामा । गा^षमा -।। ऽ । गु॰ ऽ जा । रियाऽ ।

ंवाभोग ।

्ष्या । पा प्रमागामा । पानो सां । नी वं सां । । १ । मंडदा भालो र । द्वं उद्वे । स्वे टेऽ।

ैनी सांगुi \downarrow रां i गु $_{i}$ रां \downarrow सांनिसां रां \downarrow र सांनु $_{i}$ $_{i}$ $_{i}$ सांनि $_{i}$ $_{i}$ $_{i}$ सांनि $_{i}$ $_{i}$

न्। -। I घा पा -। I पा पा -। I पा पा घा I निसां नी -। I सस्प्र I से सार्थ I ए बार् I

धापा $^{\mathbf{H}}$ पा। मा गा - (1 गापमा गुः (1 गुः -) 1 रा गुः आ मा र् I ह दय ऽ I टा ने ० ऽ (1 व नः ऽ I का जेर्

, -। | रामागा | रासा-। | स्पापा-। | पापा-। | मा ऽ.। झाक्पी डेडे ऽ | के नो ऽ | जे ताऽ | के

रमा मृगा रिसा न । । । ई० वा रिजा ने ऽ। रि

Gitanjali Eng. Trans N 89

अमारे तुमि अशेष कारे छो

पंमनि लिला तब।

फराये फैले बाबार भरेछा

जीवन नव नव।

कत जे गिरि कत जे नदीर्तारे 🕟 🧢

बेडाले बहि छोटो ए बाँसिटिरे

कत जे तान बाजाले फिरे फिरे

काहारे ताहा कवो॥

तोमारि ओई अमृत परश

आमार हिया खानि

हारालो सीमा बिपुल हरवे

उथिल उठे बाणी!

आमार शुध्र एकटि मुठि भरि

दिते छो दान दिवस विभावरो,

होलो ना सारा कंत्र ना जुगधरि,

केविन आमि लगे॥

राग नद्द मदहा । ता० भंपक मध्यलय

॥ स्वायी ॥

१ २ १ पूरि 11 सापामा I पा पा I पा मपा धनिसां I निधापा I मा आमारी तुर्भि 1 अहो ००० वृ I को रे I छो २ - | 1 ना मा I : गरा ना I मा पथा I था मा - | 1 - | 5 5 I 5 5 I प मे - | नि I लि ला | I | त ब 5 I 5

्र स्मामा । म्यामा प्रापा । यथा नी प्र निसान। ऽ 1 फुराये । फिले । आबार ऽ 1 म रे 1 छो ऽ

- । प्रस्थापा I धाधनो पा I मा पधा I धामा - । I S I S S I जो ब ० न । न व ० I न ब I I

,२ -1 -1 I 2 2 I

॥ अंतरा ॥

१ २ २ ति १ २ से १ ति १ ति । पापमापा I नियानी I सो सो सो I सो सो सो I सो सो सो I कत \circ जो I न दी I ती ।

सां I सं ति सां I धनी पा I धा धनां ति सां I धा धिन सां I धा धिन सां I धा धिन सां I धा धिन सां I दि रे I दि उ I ०० I कत I के I सान सां I

पा 1 पा पा पा पा पा पा विश्वासों निसं । सं चा पा I ऽ I बाजा ले I फिरे २० I ऽऽ 1

गरे २ रागरागा। मायधा। यामानं रना। सा काहा०रे। ताहा०। क बोऽ।ऽऽ।।

🐞 संचारी 🎚

१ २ १ २ पूर्र || सासासा I रान | I रागरागा I मापधा I मान । । | तो मारि I ओईंड | अमु०न I प र० I शेंड ऽ!

म^२ मंगा मा I गरा गा I मा पा I पा । गा I रा सा ऽऽ] आ मा ०री हिया 1 खाऽऽ I'निऽ

निसं या प्राप्त प्रमित्र पर्वे स्थापा प्रमित्र प्रमित प्रमित्र प्रमित प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रम

व^२ मा - | I 1 णी ऽ I I

॥ आभोग ॥

II पा पा- $_{!}$ I निश्वानी 1 निश्वां सांसां I संसां सांसां I सं अप्रमार्S I शुधु। एक टिI मुठिI म

२ $_{\rm e}$ $_{\rm e}$

२ १ संनी सां I संनी सां I धनी पा I धा धसां निसां I वि ϕ मा I व री ϕ ए ϕ है। हो लो ϕ ना ϕ I

'२ १ २ 1 धा पा I मा पा पा I धा नी I सो सो निसो I संधा पा सा रा I कतना I जुग I घरि०० I ऽऽ

ा रा गरा गा रिमा पन्ना रिवामा -| रिना -| रा ति विकास कि शिक्षामा विकास कि विकास कि शिक्षामा -| रिना -| रा ति कि विकास कि शिक्षामा -| रिना -| रा Gitanjali Eng. Trans. No. 1.

--:o: --

हार माना हार पराची तोमार गले।
दूरे रबी कती आपन बलेर छले॥
जानि आमि जानि भेसे जाबे अभिमान।
निबिद्ध व्यथाय फाटिया पोडिबे प्राण॥
शून्य हियार बाँसिते बाजिबे गान।
पाषाण तसन गलिबे नयन जले॥

शतदल दल कुले जाबे थरे थरे । लुकानो रवेना मधु चिरिंदन तरे ॥ आकाश जुडिया चाहिबे काहार आँखि, घरेर् बाहिरे नीरवे लक्ष्वे छाकि ॥ किछुई से दिन किछुई रवे ना बाकि । परम मरण लियो चरण तले ॥

राग मिश्र शहाना ता० दाद्रा विलंबितलय

१ ० १ ० II पारे ^मगा I रासारे नि I सिन सारे I रपा हार प्रामा नाहार ०० I प० राबो I तो०

पा घा I प्राप्यपा मदा I म् $\frac{1}{2}$ । $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$

I नी $^{\circ}$ प्राप्ति $^{\circ}$

•• • • । मण् यथा मना । मण् यथा मना । मण्

अंतरा

्। I नो संरां रसां I स्तो निया निया I ध्री । ध्रनी । ध्रनी ऽ I का ६० या I प० डि० बे० I प्राण ८००

्र प्रदेश विद्याय्ऽ र व्राप्त ते I

॰ १ ० १ घा पा पद्मा I मा । - । I पा - । - । I मा पा नो I निधा बा जि बे । । । । ऽ ऽ ऽ ऽ I पा पा ण I त

पाधाI मापाप्धाI भाषाप्धाI भाषा प्धा मपाI स्मापाप्धा I स्माप्धा स्थाप्धा स्याप्धा स्थाप्धा स्थाप्य स्थाप्धा स्याप्धा स्थाप्धा स्थाप्य स्थाप्धा स्थाप्धा स्थाप्धा स्थाप्धा स्थापा स्थाप्धा स्थाप्धा स्था

म्या । । II केऽऽII

संचारी .

सर् निपानी I नी सा ^{नि}सा I नी पानी I सांसारा I शात द I छद छ I खुळे जा I वेथ रे I १ म_{या न} I न न न । <u>ग</u>वापामा I गागुरागु I घ १ ऽ I ऽ ऽ ऽ I लुकानो I रबे०ना I

१ ० १ समा गारा I समंग्रससा I सिन्सा । I सिन्। सा म० घृचि रिद्वा तुरेऽ ऽऽ

1 I I z

॥ अभोग ॥

सं ती सां I । । । । । । नि सां गुर्ग I रंगुं रां सां I औ खि ऽ । ऽ ऽ ऽ । घ रेर् ऽ I बा० हि रे I

सं । १ सं । \mathbf{E} ने सं सं \mathbf{E} सं \mathbf{E} ने सं सं \mathbf{E} सं \mathbf{E} ने सं सं \mathbf{E} सं \mathbf{E} ने सं \mathbf{E} है । \mathbf{E} है है । \mathbf{E} है । \mathbf{E}

हैं । धा I पा -1 -1 I मा पापा I पा पा पधा I बाट 5 I कि 55 I परमाम र पा । I

० १. ० मापापधारमापारारमापबामपार्मम् । । । लक्षिको चरणात ०० ०० । लेऽऽ

• -1 -1 -1 II -2 -2 II

Gitanjali Eng Trans. No. 141.

मामार एई एथ चाबातेई भानन्द ।

खेळे जाय रौद्र छाया, वर्षा आसे बसन्त ।

कारा एई समुख दिये आसे जाय खबर निये,

खुषी रई आपन मने बातास बहे सुमन्द ॥

सारा दिन आँखि मेळे दुबारे रबो एका ।

शुभखन हठात् एळे तखनि पाबो देखा ।

ततखन खणे खणे हासि गाई मने मने,

ततखन रहि रहि भेसे आसे सुगन्ध ।

आमार एई पथ चावाते ई आनन्द ॥

राग तिळककामोद ता० दादरा तिस्रजाति द्रुत्तळय

१ ० १ १ मा I मा गरा गा I I मा घा या I मा गा रा I सा निधा नी आ I मार प०ई I I प ध् चा I बा ते ई I आ न • ऽ १ ० १ ० १ ० १ । सा निया नी मा निया सा I नी । सा निया नी मा निया नी मा निया सा I नी । इस I छा

ण्ण १ ० १ घृणा - 1 - सा - सा 1 नो सनि सा 1 रारा गा रिगा मा यो ० ऽ 1 व ऽ षा 1 आ से० ऽ 1 व संऽ 1 त० ऽ

० १ -। । गमाधापा । मा गरागः।।। ऽ। ००ऽ "आ। मार् ए० ई"।।

॥ अंतरा ॥

॰ पा-| मा I पा मं वा घा 1 ध्वा मा पा I मा गा -| I } -| -| -| 5 ऽ आ I से जा यु ऽ I स्व ब रू I निये ऽ I } ऽ ऽ

१०१ सा I सा सिन् सा I रा गरा गा I मी पा · I सा सा -| I नि खु I सि र०ई I आ प०न I म ने ऽ I बाताए ऽ I अ

० १ ० १ सान् I नन्न I नन्न I सासान् I I निसन्सा I रा हेऽ Iऽऽऽ Iऽऽऽ I बातास्ऽ I I बंहे०ऽ I सु रा ना I रगा मा - I गमा घा पा I मा नरा ना II में ऽ I द० ऽ ऽ I ०० ऽ "मा I मार् ए ० ई" I1

ं॥ संवारी॥

१ ० १ | | निसा - | | सानिमा ना | रारास्तरा | सनी - | सा | गा | | बारे S | रबो० S | एका S | S S श्रा भ

० ग १ ० १ गा-। I गा रागमा I मा मा । I -। -। गा I ग सा -। I खन्दा ह डा०त् I ए छेटा टट न I ख नि ८ 1

° निधानी Iसारा-| II पांबीऽ I देखाऽ II

॥ आभोग ॥

१ प्रमाया प्रमाया माना - | I - | - | सा I सा I सा I सा वा माना - | I - | - | सा I सा I सा I सा I सा माने SI SS त I त

• १ ० स् नीसारिगारागा रिमापा - | सिनासा - | रिनीसा - | रिन स्न न् रिहि० ऽरिहिऽ सिसेऽ आसेऽ ऽऽ

१ ० १ ० १ - |-| |-| |-| |-| साभा | | रागा | रगामा | | गमा घा ऽऽ[भे सेऽ] आ सेऽ[सुगंऽ] घ०ऽऽ। ०००

पा I मा गरा गा II "आ I मारू एई 5" II

Gitanjali English Trans. No. 53

पेयेछि छुटि बिदाय देहो भाई।
सवारे आमि प्रणाम कोरे जाई॥
फिराये दिनु द्वारेर चाबि, राखिना आर घरेर दाबि,
सबार आजि प्रसाद बाणी चाई,
सबारे आमि प्रणाम करे जाई।
अनेक दिन छिळाम प्रतिबेशी, दियेछि जता नियेछि तार बेशी,
प्रभात होये एषेछे राति निविया गेलो कोणेर बाति,
पोढेछे डाक चलेछि आमि ताई,
सबारे आमि प्रणाम करे जाई॥
राग मिश्र कालंगडा ता० भंपक मध्यलय

॥ स्थायीः ॥

१२१२ १२१ 11 सारामा I मामा I मामा I गमा पगा - I I II पे ये छि I छुटि I बिदा यू I देही I भा००० ऽ I

२ मपा-। I पागारा।सान् I सारापा I गररा दिता -। • • ई I सदारे I आपि I प्रणाम् I कोरे I जाऽ सा I -। - | II ऽ I ऽई 1I

॥ अंअरा ॥

रां I सेंदां गां I रां सां - $_{1}I$ धापा $_{1}I$ पाधारां I सां सां ना I आ॰ र् I घरें र् I दाबि $_{1}I$ स बार् I आ जि

1 संनी सांनी । धाषा १ निधा - । - विषा । - । - । । पाधाषा । प्रसाद । बाणी । चाऽऽ । ऽई। सबा

मा I गार्I सार्I सार्

॥ संचारी ॥

II सार्े-। I गामा.I मामा-। I मापमा I अने कृ I दिन् I छि छाम् I प्रति । I नामा-| I-| -| I नामापा I पापमा I पानो ती I बे शी S I S S I दिये छि I ज सा । निये छि

^{1 धृ}तो धा I धापा-| I | | } III I तार I बेझीऽ Iऽऽ } II

॥ आभोग ॥

 $I \ \$ पा पश्चा - । I मा पा I गुंग सा I सा सा I I मा पा I गुंग सा I सा सा I I पा ति I पा ति I

सां हें हें I हां $rac{\mathbf{II}}{2}$ ें I सासरें सांI धाया \mathcal{I} या ति कि I सोणे र् I बाति \mathcal{I} प

धा रां I सां - $_{1}$ I नी सां नी I धापा I $\frac{f_{1}}{2}$ धा । - $_{1}$ I डे छे I डाक् I च छे छि I आ मि I ता S S I

नि_{वा ।} I प्रधापामा I गारा मिन रा^सपा I गारे I सा ऽई । संवारे I आनि । प्रणाम् I कोरे I जा

-| HI |-| -| II

Gitanjili English Trans. No 135

सीमार माझे असीव तुनि वाजाओ आपन सुर।
आमार मध्ये तोमार प्रकाश ताई एतो मधुर॥
कत वर्णे कतो गधे कतो गाने कतो छंदै।
अस्ता तोमार कपर छिछ।य जाने हृदय पुर॥

आमार मध्ये तोमार शोभा पमन सुमधुर।
तोमाय भामाय मिलन होले सकलि जाय खुले॥
विश्व सागर देऊ खेलाये उठे तखन दुले।
तोमार आलोय नाई तो छाया आमार मार्क पायसे क:या॥
होय से आमार अश्रुजले सुन्दर विधुर।
आमार मध्ये तोमार शोभा पमन सुमधुर॥

राग युधीकामोद् ता०१ विलंबितलय

र पधा पध्यमा - पा I मा - गमा रा I सा ससरगा मा I मा - स्ती मा०० र I मा ०० भे I अ सा००० मू I त

र ग है o १ ,मगा मरें I रा रगा रगा प्रिमाण मी I या -1-1 I -1 मि० ०० I या जा० ० अगे I आ० प न् I सू ऽऽI ऽ

२ ३ ० १ पा । I पा सां संति I धन् धन् परा I र गा गा I मा मपा । काश् I ता इ पर I २० ०० मरु I घु ऽऽ I ऽ ०० ९

॥ धंतरा ॥

२ १ २ Іपापा। I नी श्रानी I सांसानि I सांसां सां I सां Іकत ऽ I व ऽ ण I कत ऽ I ग० ऽ न्धे I क उ के पारा I रा रगा- मपा I मा गा मगा I रा सा -I सा सा क प्I तो मा॰ ॰ ्I कि पे ॰ र्I छी छ। य्I जा गे

३ ० १ २ ३ -मा I मा मना पर्मा I पा - - - | I पा पा - | I धा ऽ I हृद००य् I पुऽऽ I ऽऽर् I आ मा ् I म

• १ २ । निस्ता I संगारंसा निस्ता I धनि पा \cdot । I पा पा संनि I S ध्ये॰ I तो मा॰ ॰ 2 I शा॰ भा S I प म ॰ 2 I

है ० १ धित धित परा I रागा गा I मा मपा - I I सु० ०० म० I घू ऽऽ I ऽ ०० र I

॥ आभोग

 $\left\{ \begin{array}{lll} \mathbf{2} & \mathbf{3} & \mathbf{0} & \mathbf{3} \\ \mathbf{4} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{7} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{7} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{7} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{7} & \mathbf{1} \\ \mathbf{7} & \mathbf{1} \\ \mathbf{7} & \mathbf{1} & \mathbf{1} \\ \mathbf{7} & \mathbf{1} \\ \mathbf{7$

र ३ ० १ २ र स स स मा I मा पा - I घ्या प्रमापा I मा - I गा I स स क S I छि जा य I छ ००० S I छ S S S S I वि

्रे ० १ २ गरागा मापा-| रागरेगा मापा-| रागा ०० १व माग र | हे ० उसे लिये ८ | ऊटे

के १ मां घ्रिया पश्चरा मेशीमा गामा दिस्सा ।] ऽ। त छ० ०न्। दुऽऽछिऽऽ।

॥ संचारी॥

 $\left\{\begin{array}{lll} \xi & \xi & \xi & \xi \\ \text{quut} & \vdash & \text{faulfallellel} & \text{file} & \text{file$

३ ० १ ॄ२ .-|पा|रारगामगा|नागामगा|रासा-||सा यसे]आमा००र्|अ ऽश्रु०िज छेऽ |सं

-। स्तमा ो मागप मा I ऽद० ो र ०० वि I

पानन Iनेनन I पापान I घोन निस्तांI स्तांस्सांध्य ऽऽI ऽऽर्I आसार्Iम ऽध्यें \circ I नो मा \circ

१२३०० निसां र्थितुपा - रोपा पासंनि रिधितुधितुपरा रिस्सा ०र् शो०भाऽ पि म ०न् सि००० म० थ्रिऽ

१ गा | मामपा-||| ||5 || 5 ०० गु|

॥ गाना ॥

कोन आलोते प्राणेर् प्रदीप जालिये तुमि घराय् आसो साधक ओगो प्रीमक ओगो पागल ओगो घराय् आसो। एई अकुल संसारे

दु:ख आघात तोमार् प्राणे बीणा भंकारे। घोर विषद माझे कोन जनतीर मुखेर् हासि देखिया हासो। तुमि काहार संघाने सकल सुखे आगुन जेले बेडाओं के जाने एमन् व्याकुल करे के तोमारे काँदाय जारे भालोवासो

तामार् भावना किछु नाई— के जे तोमार् साथेर् साथी भावि मने ताई। तुमि मरण भुळे

कोन अनंत प्राणसागरे आनन्दे भासो॥

बाऊलसुर ता॰ घुमाबो विलंबितलय

॥ स्थायो ॥ *

स्ति । न नी नो न नो ना
१ श - पा - मा ८ भा - पा - पा - पा - रे गा जा ८ ८ ८ लि ८ ८ ८ ये ८००८ तू ८ मि ८
१ सा - - गा मगा रा गरें सा - - - - रा गा घड ६ ६ रा ० युआ ०० सो ६ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८
े १ १ पान
े प्राधा निधा पा -। पा -। मा -। मा -। रा सा -। -। रा ओ ऽ गो ऽ पा ऽ गल आ ऽ गो ऽ ध ऽऽऽ
॰ गा मगा गा गरें सा - । - । - । - । - । - । - । गा रा ॰ ग्ञा ॰ ० वो ऽऽऽऽऽऽऽ

॥ अंतरा ॥

(ं १ '	0	8	•
- }	-। -। मा -।	मा -। पा -।	पत्र नो नो-धा	qt -1 -1 -1
१ (८८ ए ई	आ ८ कूल	सं॰ ऽ सं ऽ संऽधाऽ	₹ 5 5 5
ર	ऽऽतु मि	काऽ हो गुः	सं ऽ घा ऽ	ने ऽऽऽ

- 1	-1 -1 -1	वसां । । सां	र मां । संसं-शं	सां । नि ।
१	222	दु: S S ख	र मां - संसं-शं आ ऽ घा० त् सु ऽ ख ० ऽ	तो ऽमार्

१ धा -1 पा-धा मा -1 पा -1 धान धान घा पा -1 -1 -1 । १ प्रा ८ पो ८ बी ८ पा ८ भें ८,०० का रे ८ ८ ८ । २ जे ८ छे ८ वे ८ इर आ के ८०० जा ने ८ ८ ८

पा मान न पा पानी नी घा पान मान है। उनि उ २ के ऽ दो मा ऽ रें ऽ का उदाय जा ऽ रें ऽ

१ सा -1 रा -1 गा मगरा गरे | सा -1 -1 -1 -1 रे गा १ देऽ खिऽ या ०० हा ०० सो ऽऽऽऽऽऽऽ २ भाऽऽऽ लो ०० बा ०० सो ऽऽऽऽऽऽऽऽ

क्ष तिसरा अंतरा भी इसी तरह गाना चाहिये।

कबे आमि बाहिर होलेम तोमारि गान गेथे से तो आजके नय से तो आजके नय।

भुले गेछि कवे धेके आर्माछ तोमाय चेये से तो आजके नय से तो आजके नय'।

भरना जेमोन वाहिरे जाय जाने ना से काहारे चाय तेमिन कारे घेये एलेम जीवन घारा वेये से ता आजके नय से तो आजके नय । कतोई नामे डेकेलि जे कतोई छवि ए केलि जे कोन आनन्दे चलेलि तार ठिकाना ना पेये से ता आजके नय से ता आजके नय । पुष्प जेमन आलोर लागि ना जाने रात काटाय जागि तेम्नि तोमार आशाय आमार हदय, आले छेये से तो आजके नय से तो आजके नय ॥ राग इमन कल्याण । घृषद । ता० तेवरा मात्रा ७

॥ स्थायी ॥

{ १ २ ३ प१ २. ३ | सांसां-| | ति -| | धामी | धापा-| मा-| गा | क बेऽ| आऽ| मिऽ | बाहिर्| होऽ | हे

१ २३१ २३ - | | गगा-मा | मा - | गा-पा | गा - | रा सा - | सारा | म् | तो माऽ | रिऽ | गान् | गेऽऽ यिऽ स्तिता [

१ २ ३ १ २ ३ स्नानुरामान्योगना सिन्गोपान् विन्नार्थे आज्कोनयोसेतो। आञ्कोन्ऽ]ऽयूर्

१ २ ३ सां साँगां | गं । सां: नि: | रां सा - | ी न - | ी धा भू ले ऽ | गेऽ | छिऽ | को बे ऽ] धं ऽ | के

१ २ ३ पा] नि - धा] पा मी] गा मी] निधानी न न सिसासा ऽ] बास छि | तो ऽ] मा ट्री चे ये ऽ] ऽऽ] से तो

१ २ ३ १ 1 सा I रा I गाना | रा गाना | रा I पान I न न | | | | | 1 आ ज्के I न य् I से तो | आ जके | न ऽ I ऽय्) | | |

॥ अंतरा ॥

१ २ ३ १ २ ३ पा-|गा] पामी [धामी | स्वांनी सां। [सांन भारता जिंद्र [मिल्] बादि [रेट [जाय्

१ २ ३ १ २ ३ l सांगां रां l गां +l मां +l भा गं गां +l सां +l जा ने +l दि +l सां +l जा ने +l दि +l दि +l दि +l जा ने +l दि +l द

१ २ ३ १ २ ३

िधापान I पा-मां I नामां I नो बान I न न I सा सा I जो व न् I धाऽ I राऽ वियेऽ Iऽऽ I संतो

१ २ ३ १ २ ३ [सा-|रा∏ग-|∏रागा] या ⊣रे[पा-|[-|-| [आजुके]न न्यृ[सो-ना| आजके |न ऽऽिय्

I | -1 -1

॥ आभोग ॥

(१ २ ३ १ २ ३) सासाधा I सान I सारे | गागा - I पान | गान I कती ई I नाऽ I मेऽ I डेकेऽ | छिऽ I जेऽ |

१ २ ३ १ २ ३ १ रागारे | गा-| | मा-| | गारागा | रा-| | स्मा | प्रान| कतो ई । छऽ। विऽपि केऽ। छिऽ। जेऽ। को न्

२ ३ १ २ ३ १ , पा | पा - | I.पा - | पा पर्भा धा | पा मा | गा - | गा मा आ | नंऽ | देऽ | च ले० ऽ | छि ऽ I नार् | ठिका

र ३ १ २ ३ नि । धा । I पा रा I गा. । रा I सा । I सारा 1 ऽ I ना ऽ I पे ऽ ऽ I ये ऽ I से तो] १२**३**१ -२३ सान्दीगान । रागा सान्दाण न । निन् आज्के । नय्। संता । आज्के । नऽ।ऽय्

1-1-1

॥ संचारी ॥

र्मिश् २ ३ । १ २ पानगापा मो घामा सिनंसान किंना पुट्टपानं ऽ। मन् आलो र्लिइ ऽ।

३ १ २ ३ १ २ स्रां-। स्वागां ने | गान | मांन | गांगां गां। गीऽ | नाऽजे | नेऽ। रात् | काटाय्। जाऽ

३ १ २ ३ १ २ सां-ा गांनगां राना साः निः । रांसांना निय गिंऽ। तेम् निर्तातोऽ। मार्थिका शाय् । आऽ

3 १ २ ३ १ २] भ्रापा | भ्रापा | पार्मा | गार्मा | निभ्रान | I - I न | मार् | हृद्य | ब्राउ | छेऽ | छेयेऽ | ऽऽ

3 |-)-||||| | 2य|||||

जनगणमन-अधिनायक जय है भारत-भाग्यविधाता । पंजाब सिंध गुजराट् मराठा द्राविड उत्कल बंग विध्य हिमाचल जमुना गंगा उच्छल-जलधितरंग तव श्भ नामे जागे तब श्भ आशिष मागे गाहे तव जय गाथा। जनगण मंगलदायक जय हे भारत भाग्यविधाता। जयम्हे, जय हें, जय हे, जय, जय, जय, जय हे ॥ अहरह तब आव्हान प्रचारित सुनि तब उदार वाणी, हिंदु बौद्ध शिख जैन पारिसक मुसरमान खृष्टानी । पूरव पश्चिम आसं तब सिंव्हासन पारो, प्रेमहार होय गाँधा। जनगण ऐक्यविश्वयक जय है भारत भाग्यविधाता। जय हे, जय हे, जय हे, जय, जय, जय, जय है ॥ पतन अभ्यूदय बंधुर पंथा, जुग जुग धावित जात्री, तुमि चिरसारथि, तव रथचक्रे मुखरित पथ दिनरात्रि । दारुण विष्ठव माझे तब शंखध्वनि बाजे संकट दुःखंत्राता । जनगणपथपरिचायक जय हे भारत भाग्यविधाता। जय हे, जय हे, जय हे, जय, जय, जय, जय, हे॥ घोर तिमिरघन निविड निशीधे पीडित मुर्छित देशे, जावत छिलो तब अविचल मंगल नतनयने अनिमेधे

दु: बप्ने आतंक रक्षा करिले अंके स्नेहमयो तुम्मि माता।
जनगण दु: खत्रायक जय हे भारत-भाग्यिवधाता।
जय हे, जय हे, जय हे, जय, जय, जय, जय हे।।
रात्रि पभातिल उदिल रविच्छित्र पूर्व उदयगिरिभाले,
गाहे बिहुंगम, पुण्य समीरण नवजीवन रस ढाले।
तब करुणारुणरागे निद्रित भारत जागे तब चरणे नत माथा।
जय जय जय हे जय राजेश्वर भारत-भाग्यविधाता।
जय हे, जय हे, जय हे, जय, जय, जय जय हे॥
॥ राष्ट्रीय गीत ता० धुमाली राग खमाज॥

सारागागा गागागागा । गा-। गागा । ^गरेगमा जनगण I मन अघि । नाऽयक । जयहे

न् । म्यान गागा । रान रान । निरंत्र सान । । । । ऽ । भाऽरत । भाऽस्य वि । धाऽता ऽ । ऽ ऽ

में। ^धपान | मानमान | मानमागा | ^गरैमा गान] ऽठाऽ | द्वाऽविड | उऽत्कलः | वंऽ गऽ | -1-1-1-1 I स्मा गा गा गा 1 गा । गा रा I पा पा पा -1 I S S S I, विं S ध्य हि I मा S च ल I ज मुना S I

पमा नमा न मिन्ना गा । परेरेरे नि । निरेनसा न । गंऽगाऽ । उऽच्छे छ । जलधित । रंऽ गऽ ।

ानान ने ना गा गा गा गा ना मा । मिरे गा म: । I ऽऽऽऽ ति वशुभीना ऽमे ऽ । जाऽ गे ऽ I

्नन्न । । गामापापा । ^मपानमागा। ^गरेमागान । । ऽऽऽ ः ऽ । तत्र शुभािश्रा ऽसीचा माऽगेऽ ।

-1-1-1 म गान्यान । गागा गरेरे I मित्र मान्। I SSSS गां से दें I त व जय I गां उथा S I

-।-।-। 1 ^{स्त्र}पाया वाचा चित्र । वा मी प्रान्। वा चा र ऽ:ऽ-ऽऽर्रे जनगण मिंऽगल दिः। ऽयका

 $^{\mathbf{q}}$ मं घापा-। मा-। मा-। $^{\mathbf{H}}$ गा-। गागमा $^{\mathbf{I}}$ गा $^{\mathbf{q}}$ मा $^{\mathbf{q}}$ गा जय हे ऽभाऽरत $^{\mathbf{I}}$ भाऽयं वि $^{\mathbf{I}}$ घाऽ ता

- | - | पापा | प्या - | - | - | सासा रेरे | गागारे गा | ऽऽजय | हेऽऽऽ | जयजय जियजया

मा । -। -। 1 II हे ऽ ऽऽ। 11

अंतरा

!! सासासासां! सासासिन्सा! स्रारेरेरे। रंक १ अहरहात बआंऽ व्हाउनप्रचाठ २ पतन अ ८ भ्युद्य चंऽभ्रुर पंठ ३ घोऽरति मिरघन निविड नि शाऽ ४ राऽ त्रिप्रभाऽतिल उदिलोर विऽ

रे रे I रे सारेगागा I | गागा गागा I गि मा मा पित सुनितव १ उदा ८ र बा ८ जो ८ था ८ जुग जुग २ था ८ वित जा ८ जो ८ थे ८ पी ८ दित है ८ शे ८ च्छ बिपू ८ वें ड 1 ४ दय गिरि भा ८ छे ८

1-1-1-11	मया वा वा वा	l पा मा पा मा I		_
2222	हिंऽ दुवी	ऽद्धिशिख	۶	जै
2222	हे ऽ चिर	साऽरधी	ર	ন
2222,	जा 5 ग्र न	छि ला न ब	3	अ
2222.	गा ८ है वि	हं ८ग म	8	g

में प्रा विधाधा । पा.मापापा पा । मामा मामा । मा दनपा दस्य क्रिकेट मुख्य रितप् व रथ क्रिकेट मुख्य रितप् वि क्र स्ट्रगल नतन्य ने दिप्यस मादरण नवजी दिव

भारेरे। र्वेन्सिन्। I 1-1-1-1 I गा गा गा गा न खुड प्टांडनीड १८८५८ पूडर व शिंदन राइबिंड २८८५८ दाइ हे ण ३८४५८ दे इस्ब ५६ न र सं ढाइछेड ४८६५८ त व क ह

L भा गा गा गा	गरेगा मा म	1 14-14-11
प ८ श्चिम	आऽ से ऽ	2 2 2 2 2
बि ८ एस न	माऽ झे ऽ	2 2 2 2
प् ने 5 आ 5	नं ऽ के ऽ	5 2 5 2 5 .
णा ८ रु ण	राड गेड	2222

रिगामापाणा पिषण मागा। गरमा मगागा। । १ त वितंद हाड मन पाड होड ड २ त वशंड खडध्वनि बाड जेड ड ३ र डक्षाड करिलेड अंड केड ड ४ नि डिद्रित भाडरत जाड गेड ड

|-|-|-| विषयापापा | मैं | पापापामा | | SSSS जनगण ऐऽक्य बि | SSSS जनगण पथ्य रि | SSSS जनगण दः S ख S | SSSS जय जय जय है S

में वापापापा। पमाधा ध्वापा। मामामामा। मगा १ धाऽयक जय हेऽ माऽरत भा २ चाऽयक जय हेऽ भाऽरत भा ३ त्राऽयक जय हेऽ भाऽरत भा ४ जऽयरा जेऽ श्वर भाऽरत भा

बन्दे मातरम्

सुजलां सुफलां मेलयज शीनलां सत्य शामलां मातरम् ॥ धृ०॥ शुभ्र जोस्ना पुलक्तिन यामिनीं फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीं सुद्दालिनीं सुमधुर भाषिणीं सुखर्दा वरदां मातरम् ॥ १॥

राग विश्रदेस ता० चतस्रजाति त्रिपुट मात्रा ४

१०१० १० सां न सां न । तिसा - रंसां विद्यापापाधपा स्मप वं ८ दं ८ वे ८ ०० वे ८०० ८ मा ०० वे ००

निध्यामा र्या न न न रिगमामा न िन्या रागार्री रस ८०० ८ रिम् ८८८ रिसुज ला ८ रिम्सुफ ८ ला

निसान I न न न न I रारामामा I ^{गम}वा न न वा I इ.स. इ.रे. इ.इ.इ.रू. म ळ यज्ञ र शो इ.इ.त. I

 $^{\mathbf{q}}$ qा न न न न न न न न न । मा न पा न I नी न न न । हां ऽ ऽ ऽ I . स ऽ स्य ऽ I शा ऽ ऽ ऽ I

धित सा - नती सा नन्नी सा न । ति] गॅनन सा ०० ८ ८ म िलां ८ ८ ८ मा ८ ८ ८ ८ ८ ८ त

I संग्लं ती घरमा [पानाति सांनानाति सरसं नी घापा

I र ऽऽऽ। मूऽऽ विंऽऽऽ विंऽऽऽ देऽऽऽ

! सामामागा ! म रे न न । । ! ! ! म ऽ ऽ त ! रं ऽऽऽ!

॥ अंतरा ॥

मानपान ∃नोन धनि संरी गंसो सासा सिंसां सां शुऽभ्रऽ I जो ऽस्ना०० I पुल कित I था मिनी

नी | नी न नी नी | सांसांसां । या ना सांसां । निसंदं सां ऽ । फ्ऽल कु] सु मि त ऽ | द्रमद ल । शो भि

पान्] । प्यां नो निधानी । धानी सां सां ! नोंऽ! ∫ सु हाऽसि । नोऽऽ म् ! सुम धुर]

सां निधापामा I पानी सां +I गामापासां I सांनी रे भा पि णो मृ I सुखदां S I न र दाम् I मा S S

सां I संरंभं ती ध्रपमा पा I सां न न न I निसां रंसां निध्र पा त I रं ८०००८ विं ८८८ दि००००० ८ रिस्मामा सा ता स्वान्तना निष्यामा ता ता स्वान्तना स्वान्त स्

धा । पध नी श्रनि सां I तिसां रां - । सां I संगंसां ति धप मा I ऽ I ००ऽ ००ऽ I ००ऽ० तः । २०ऽऽ I

पान्ना । सान्ना नी संसंसंती तीधा । पापधा मपा ऽऽऽऽ। वं ऽऽऽ। दे ००० ऽ०० । मा००००

मगा र गुरे । । । । । त र र र र र

ओइ रे तरी दिलो खुले। तोर बोफा के नेब तुले!
सिम्ने जखन जावि ओरे थाक्ना पिछन पिछे पहे,
पिठे तारे बहते गेलि, एकला पड़े रहिल कूले।
घरेर वोक्ता टेने टेने पारेर घाटे राखिल एने,
ताइ'जे तोरे बारे बारे फिरते होलो गेलि मुले।
डाक्रे आबार माक्तिरे डाक,बोका तोमार जाक् भेले जाक्।
जीवनखानि उजाड कीरे सँपे दे तार चरण मूले
राग—भेरवी ताल-रुएकडा मात्रा—बिलंबिनलय

॥ स्थायो ॥

३ १ २ ३ १ २ -। I सा -। - I घा - | पा I पा - | I घा - | पा I मा-| मा I मा ऽ I छे ०० तो र्बो I मा ऽ I के ऽ ऽ I ने ० रे I तु

अंतरा

१ २ ३ १ २ ३ II मधा - । धा I धा - | I I घा नि घा I नि सां - | I रें - | I सां सा मने I ज S I I च S न I जा बि S I ओ S I रे

३ १ २ ३ १ सां I निधान I सांनिसां न 1 रेन I सां न न I निसां ऽ I डेऽऽ I पि० ठेऽ I ताऽ। रेऽऽ I सो हि

१ मानगा I गुरुन 1 स्नानन I I र इं क्षि I क्रुटी छे ऽऽ I I

॥ आभोग ॥

१ २ ३ १ २ ३ II { सास्ता-| I सा-| I सा-| I मा-| I मा-| घरेरी बोर्ड I भार्ड I टेनेट I टेटी नेट

 \mathbf{r}^{\dagger} स्वाप्त प्रान् । \mathbf{I} पा प्रान् । \mathbf{I} पा रे । \mathbf{I}

र्ने २ १ २ ३ गुगागार्थि गुरुन्य सान्। येघान् घार्यान्। येषान्। ये ० व्हार्वे ४ ८ ४ वर्षे

१ І पाण्या नि І यनिया पा І मा । । І मा पा मपमा І गा І बारे • ऽ , І बा • ऽ Іरेऽऽ І फिर्ते ने • І हो

३ १ २ ३ इ. | गानधा प्रधानि गा १ गुगा रे मिस १ न |] I I इ. | लोड इ. | गेलिंड | [मु० इ. | लेड इ. इ.] | I

॥ संचारी ॥

रे हैं के कि कि स्तान नियान नियान कि प्रति मान्य नियान नियान नियान नियान नियान कि स्तान कि सिंद कि स

१ <u>नि निधान I धनिधान I पानना I पाणा I</u> उजा० इ. ट. कर्ड I रेड टी सी पेड I रेड टी

निधान पा सिगा म्यान प्रेक् हे ता ऽर्रेच० रण् स्निश्ठा छेऽऽ॥

दाओ है आमार भय भेंगे दाओं
आमारिद्रके ओ-सुख फिराओ।
काछे थेके चिन्ते नारि, कोनिद्रके जेकि नेहारि
तुमि आमार हृद्बिहारि हृद्य पाने हासिया चाओ
बोलो आमाय बोलो कथा, गाये आमाय परश करो
दिखन हान बाडिये दिये आमाय तुमि तुले धरो;
जा वुम्म सब भुल बुम्म हे, जा खुंजि सब
भुल खुंजि हे, हासि मिले कान्ना मिले
सामने एवे ए भुल घुचाओ॥
राग जंगला ता० धुमाली मान्ना ४ मध्यलय

१ ० १ ० १ मा-पा-, पा 1 पा-।पा मा I मा । धा पा I मा पा गा मा I । १ दा ० ओ है 1 आ 5 मा र I म ं 5 यू में I गे 5 दाओ I १०१ पाधाधा-सां रिमां । संसां गंरिसां । नि - रिनी - । धनि आ ऽमा गृरिद्दि ऽके ऽिओ ऽसुखी फिऽ रा०

०१० संI नी -। धनिसां नि I नि -। धापा I पाम-। धा I ओ I दा S ० ओ हैं I आ S मा I म S य में I

पा -। मगा-मा II गे ऽदा ० ओ II

॥ अंतरा ॥

√ सां⊣ सां⊣ I नी -। धानो 1 पधः निसां-। नो I नी -! नो े काऽ छेऽ I थेऽ केऽ I वि००० ऽन्ते I नाऽरि

न । स्यान न नो मिनान संगा संगन सामित सान दिल्ला को उन्दि । को उन्दि । को उने उने । हा उ

संसारा) । संनि - । - । - । - । - । घपा - । । पा - । पश्चा - । र ० ऽ $\int I$ ० ० ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ० ० ऽ । तु ऽ मि० ऽ

I घा -। नो घ्रवा I पा -। -। घ्रो I मा -। पा -। I गा मा मा पा I आ S मा \circ र् I हु S दु बि I हा S रि S I हूं S द य

ो पाधा नी ना 1 पाधा धा सां I सां न संसारां I सां न ना I पा ८ ने दी हा ८ सि ८ I या ८ चा० ओ दिए ८ औ

नी बिने न घापा पितामा घा पघा पान मगामा II हे बिज दमार्थिम दयभा विद्याल औष्टि

॥ आभोग ॥

स्ता न सा न I रा न रा ना I सा न पा घा I सा पा सा न यो I सा न पा I मा न पा I न न पा I पा I घा I सा I चा I च I चा I च I I च I च I I I I I I I I

॥ संचारी ॥

मगा । I गा मा पा पा I पा घा नी । I पा घा घा सां I सां । छे । डा दा प द भु ह् I घू द संसां रें I सां । । नो I ती । घा पा I पामा घा पणा I पा चा अो I दा द ओ है I आ द मा र् I भ द य में I गे । मगा मा II

गाये आमार् पुलक लागे चोले घनाय् घोर,

हृदये मोर्के वे घेछे रांगा राखिर डोर।
आजिके पई आकाश नले जले स्थले फुठे फले,
केमन कोरे मनहरण छोडाले मन मोर।
केमन खेला होलो आमार आजि तोमार् सने,
पैयेलि कि खुँजे वेडाई मेदे ना पाई मॅने।
आनन्द आज किसेर छले काँदिते चाय नयन जले,
विरह आज मधुर हो व कॅरेले प्राण घोर्।
मिश्र खमाज। ता० जलदत्तेताला। मात्रा १६ बिलंबितलय

॰ पानी नी ना नी ना सां ना विसारां ^{सं}रंसां न नी घापामा गांऽयेऽआऽमार्षि पू०ऽ ळ०क्ळाऽगेऽ

र है गा । I गा - | मा - | गा - | मा - | I - | गा - | गा - | मा - | I I चो ऽ खे ऽघ ऽ.ना यु I घो ऽऽऽ ऽ ऽ र ऽ I ॰ १ मा-। मानीधा-।धा-। Iधनी सां सां-।नीधापा इट द द ये ऽमो र् I के॰ ऽ वें ऽधे ऽ छे

पाम: TI 5 र II

॥ अंतरा ॥

र सांगांगां। गां। गां। गां। गंगां पंमां पंमां गंरां संनि आ दिन दिने दिए ई। आ० द का० ० शांत

० -। पथानी था-। ो नी-। नी-। नी-। नी पा] पनी ऽफ०ऽ छेऽों किऽमॅन्कऽरेऽ] म

२ -। सांगंनी ः स्वां-। सां । ना नधा पा मागा माना ऽन ऽहऽरण्छोऽडाऽछेऽ मन् ामोऽ

-|-| गा-| मा-| I | ऽऽ ऽऽऽन् I |

॥ संचारी ॥

. र सा - । सा - । रा न । रा गा वा मा न । पा भ्रामा न । के दे में न स्वे द लाद हो द लो ०० आदमा र्

२ ीसा-|रागुारागापपाममा∏गुरामा-|-|-|-|--|आऽजिऽतोऽ मा००गृ∏स्ऽनेऽऽऽऽऽ

्र | ह्यां न नो न घाना | घाना सांसां नाघापामा | पेऽयेऽछिऽकिऽ | खूँऽ जे ऽब ऽडाई

२ | शानी नी न नी नी नी नी नांसांनान | भेड वेडनाड पाई | मड नेडड

2 2 2]

॥ आभोग ॥

्रिसां गांगां -। गां -। गां -। । गांवां पां मंपनां गरां संनी आ ऽनं ऽदऽक्षाज् रिक०ऽ से००र् छ

धा -। पथा नो धा -। $\{ \{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \} \}$ नी -। नी -। नी -। नी पा $\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \} \}$ वि $\{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \} \}$ न ज $\{ \{ \{ \{ \{ \{ \{ \} \} \} \} \} \} \} \}$

 q^{ℓ} नी न सां रांनी न सां रें I^{-1} सांन नी धाधापा म S धुर हो S ये S I का S रें S छे S

मा गा र मा । । । । गा । मा । 1 र प्राण् र बो ऽऽऽऽऽऽ । र

जा हारिये जाय ताइ आग् हे बोसे रइबो कतो आर!
आर पारिने रात जागते हे नाथ भावते अनिवार।
आछि रात्रि दिवस घरे दुवार आमार् बन्ध करे,
आस्ते जे चाय् संदेहे ताय् ताडाय् बारेबार।
ताइ तो कारो हय् ना आसा आमार् एका घरे
आनंदमय भुवन तोमार् बाईरे खेला करे।
तुमि ओ बुक्ति पथ नाहि पाओ एषे एषे फिरिया जाओ
राख्ते जा लाइ रय् ना ताओ धूलाय् एकाकार्॥

मिश्र भिंभोटी

ला॰ १।

मात्रा १२।

॥ स्थायी ॥

२ प्रसा ॥ $\{$ रा गा पा 1 $^{\text{H}}$ प्रमा गा 1 रे $^{\text{H}}$ गा गम $^{\text{H}}$ मगरे जा ॥ $\{$ हा रि ये 1 जा $^{\text{H}}$ जा $^{\text{H}}$ ये 1 जा $^{\text{H}}$ जा $^{\text{H}}$ रे $^{\text{H}}$ जे $^{\text{H}}$ हो रि ये $^{\text{H}}$ जा $^{\text{H}}$ जा $^{\text{H}}$ रे $^{\text{H}}$

२ ३ ० १ | रागारे] - | रारा] (रगमा-प्या - प्या] ममा - गगा -| र ई बो] ऽकत] आ०००० ००] ००

० १ २ ३ रसा I) ∫ रगमा पगा पया I मगा रना या I पा या । I पा मया ०र् I वे आ०००००० I ०००० र् I पारि ऽ I ने रा०

o १२३ प्रिमित I पा मी घपपा I मी पा-मा I गा - मा पपा I ममा गा o त I जा ग तेव्व I हे ना व्यू I भा यू तेव्I ०० अ

्रं, नसिन् । सा-गा-। । पा सा । । नि०० । त्रा ऽऽ । ऽर"जा । ।

॥ अंतरा ॥

२ ३ ० १ २ ∫ रारा-| दिन रे। गामामा रिपापा-| रिपा संनि रे^आ छिऽ। राऽत्रि। दिव स्प रिघ रेऽ दूबा०

३ ०१ पा२ निधा I पिनुधा निधा I पा। मा I गागः। I) गाः मामा I ०र् I आ०मा ०र् I व ०न्द I करेऽ I) आ स्ते I

३ ० १ २ मापा-| I मापा-धनि ^धनिश्राी श्रमा पा-मगा I गा गमा-जेचा-य सिंग्. ००न्दे०० डिंग् ताल्य् । ता सा० पमा 1 गारस नि ! सा - गा - । ! (हो । - पा) । ना । ० ई ! बारे ० ऽ ! बा ऽऽ ! ऽ र । ० र

सा II 'जा"II

। संचारी॥

२ ३ ० १ २ सा गरा I ना गा I ना गा I ना गा I ना गा I ना रा I हो य ना० I S आ सा० I आ \mathbb{R}^{-1}

३ ० १ २ ३ I - । रागः I रागमा पा I मगा - । - । I गवा पा - । मिया - । I I ऽएका । घरे०ऽ I ००ऽ-ऽ । आ० नंऽदि मया

० १ २ म ३ I मंपप धनि I मा पा मगा। गा प गा I गमा गा रस्नि । I भुव००न् I तो मा र० I वाई र०० I ०० खेळा०० ।

सागारगा । । - । । । करे ०० | ऽऽऽ | }

॥ आभोग ॥

२ ३ ० १ २ राराराी - । रारा [गापापा [घाघा-| | गंसंरें-सां तुनिओ | ऽ चुक्ति | प धना | हिपाओ | ए वे ऽ र सिनिधानिधा । पंधापा मा । (मागा - मा) । भगारा - । । । ए० पे ऽऽ। फि रिऽ । याजा ओ । । या० जाओ २ २ ३ ० १ २ मा । मा । मा मा - रा ! रा मा पा । मंपध्या मंपा मंगा ! गा रा ख्ते । जा चा ई। रय ना । ता००० ऽऽ ऽव । धु

र १ गमा पमा र गा रेला नि र ला - । । (नी। पा) ∤ नि । ला०० यूर्र प का० देरिका द्रद्र र द्रि रू

सा) } ∐ जा),∫ ∐

आजि गंधविधुर समीरणे कार संघाने फिर बने बने ? आजि खुड्य नीलांवर माझे एकि चंचल क्रंदन बाजे! सुदूर दिगंतेर सकरण संगीत लागे मोर चिंताय काजे आजि खुंजि कारे अंतरे मने गंधविधुर समीरण ॥ 'ओगो जानिनाकि नंदनरागे सुखे उत्सुक जीवन जागे। आजि आम्र मुकुल सौगंध्ये नव पहुच मर्मर छंदै,

चंद्र किरण सुधा सिंचित अंबरे कश्च-सरस महानंदे आमि पुलकित कार परशने गंध विधुर समीरणे॥

राज परज-बसंत ता० ३ मध्यलय।

र १ २ चा नी सांसां I I धा प्रांति I धा प्रांति I आजि ए ई I I गं I घ विI धुर सभी I र

रे -| सां-| Іधा संं सां-| दिसंनी नी -| या घा पा I ऽणे ऽ रिका रुसं ऽ पि धा ऽने ऽ रिऽ कि रि I

२ दे पर्मा । पाध्रा । पामा गा । I ब ऽने ब I ऽने ऽऽ I

॥ अंतरा ॥

र १ II - । । घाघा I में घाघाघा I नि । सार्गि नि सां II ऽऽ आ जि I क्ष्र व्यक्ति I लांऽ वर I मा ऽ

३ ० १ २ नी.न. I.न.न. I समामामामा I मामामागा | मानी जेऽ [ऽऽऽऽ] सुदृर दि] गंऽ तेर] स क

३ ८ १ घाषा I पाना I माधाधाधा I निनासार् I में निकाम के प्राप्त I का से देशीत I का से देशीत I का

सां¹ सं^२ सां¹ नी । सां । I - । - । I • रे I म ऽ ने ऽ I ऽ ऽ ऽ I

॥ संचारी ॥

है \mathbf{v} \mathbf{I} नामा मा \mathbf{I} मा मा मा \mathbf{I} मा मा मा \mathbf{I} मा मा मा \mathbf{I} मा मा मा \mathbf{I} \mathbf{I} मा मा मा \mathbf{I} \mathbf{I}

है मं ० १ पा [गा - | गा मा गा मा गा मा गा मा गा मा गा प्रमा गा मा उद्युक्त दिल्ला के निर्देश

गर रा । सा । I - । । - । - । 1 जा ऽऽऽ। ऽगेऽऽ।

॥ आभोग ॥

३ ० १ २ नी-|]-|-||सामामामा मा मा मा गा 1 मानु। देऽ ||ऽऽऽ | चंऽ द्रकि | र ण सुधा 1 सिंऽ

नो धाधा I पा -। मा गा I मा धाधाधा I नी नी सां ग़ं चि त I अं S व रेI अ S श्रुस I र स म हा

र्^{.२} १ । ^ननी-।सां-। । ।-।धानी । सांसंगागां गां रिमां । नं ८ दें ऽ । ऽऽआ मि 1 पुल कित रिका

मीं गांगां सां सिंगी नान 1 न न न 1 1 गुपरी शडने डी डडडी 1

प्रभु आजि तोमार दक्षिण हात रेखोना ढाकि !

पर्षेछि तोमारे हे नाथ पराते राखि ।

जिद्द बाँधि तोमार हाते पोडबो बाँधा सवार साथे,
जैखाने जे आछे केंद्रोई खेना बाकि !

आ़जि जेनो भेद नाहि रय आपना परे,
आंभाय जेनो एक देखि है बाहिरे घरे।
तोमार साथे जे विच्छेदे, घुरे बेडाइ केँदे केँदे,
क्षणेक तरे घुचाते, ताइ, तोमारे डाकि ॥ १॥

कीतेन्स्र ता० युमालो मात्रा ४

, ० ॥१ ० - १ | मागारेगा सा स्ति। गागा मा I मापापवानी I ऽ I ऽ ग प्र० भू । बा ऽ जि ऽ I तो ऽ मा० ऽ I

१ **० १ ०** पा धपा I मा पा गा - | 1 मा - | पा धा I सां - | सां - | मां - | नी हा ० ० | ऽऽऽऽऽऽऽत् I रेऽ स्रोऽऽना

्र । χ ।

गा - । रें रिगा मा मापा रि - । - । - । रे पि पा मा मापा रि - । - । - । रे पि पा कि प्र रें रे रे रें पि पा कि प

० १ ० धाधासां I सां । रांसंनो I सां नी नी ध्या I पाधा ऽपेऽ I छिऽतो ०० I माऽरे० I हेऽ

१ ० नीधा पाध्रपा मा पागा - | 1 मा - | गारा | I ०० रा०० | खिटटट I ट ट "ब्र भु" | 1

॥ अंतरा ॥

 11 } सां-। सां-।
 सां-। सां-।
 सां-। सां-।
 प्रधा नी । पा -। पा

• १ ० १ निसां । घान नीन र्राननान र्रानन घषान रिपानी • र्रोहा ऽतं ऽरऽऽऽर्रेऽऽ००ऽ थो ड्र

० १ ० नी संनी या नियाप धपा I माधापा धपा I मापा बो ०० वि ०० घा०० ये स ८ बा ०३ यस ८ 'o (पाननसां) I पाननन् I सानसान् I रान ऽऽऽऽ ं । ऽऽऽऽऽ I (जेऽबाऽ I ने ऽ

, १ $\dot{\theta}^{o}$ शिक्षां I पांचां I पांच

संनो धा पा] I ०० 'प्रभु"[I

॥ संचारी ॥

• १ • १ - । - । - । I पा - | पा I पा I पा - | पा I पा - | पा I पा - | पा I I पा I

॰ १ धाः∏धा-। पाधा I माधा पाधा रेगा मा I मा देरिबिं ऽहेऽ I बाऽहिऽ I रेऽघऽ I रे

 $\begin{array}{c} \{ \text{o} \\ \text{ul} - | - | I - | - | - | \\ \end{bmatrix} & \left\{ \begin{array}{c} \{ \} \\ \text{eii} \mid \text{eii} \mid I \\ \text{ol} \mid - | \text{eli} \mid \text{eli} \\ \end{array} \right. \\ \text{SSISSS} & \text{SSISSS} \end{array} \right\} & I & \left\{ \begin{array}{c} \{ \} \\ \text{eii} \mid \text{eii} \mid I \\ \text{ol} \mid \text{eli} \mid \text{eli} \\ \end{array} \right. \\ \text{ol} & \text{eli} \mid \text{eli} \mid \text{eli} \mid \text{eli} \\ \text{eli} \mid \text{eli} \mid \text{eli} \\ \text{ol} \mid \text{eli} \mid \text{eli} \\ \end{array} \right.$

१ ० १ नी I पा। पधा निसां I धा । नी । I । । । । । ऽ I जेऽवि० ०० I च्छेऽ देऽ I ऽ ऽ ऽ ऽ

ं.० १ ० I-|-|धपा-|Iपानीनीसंति|धानिधापाधपा ISS००ऽ[घुऽरे००]बे०० डा०ई।

-। धा नी I $\begin{cases} e^{\xi} & \bullet \\ \text{धा -1 -1 } & \text{ = fi } I \ \text{ = quantum } I \ \text{ = quantu$

्र । ध्रधा पा 1 मा पा गा -। } I सां -। मां -। I नी संनी ऽचा॰ ऽ l तें ऽ ता ई } I ता ऽ मा ऽ I रे ००

· १ o धानी I पाधानी । I सांसंनिधा पा I 🛭 I डाऽ I किऽऽऽ Iऽ०० "प्रभु" l 1

॥ गाना ॥

बाँचान बाँचि मारेन मिर । बलो भाइ धन्य हरि । धन्य हरि भवेर नाटे, धन्य हरि राज्यपाटे, धन्य हरि धन्य हरि । धन्य हरि धन्य हरि । सुधा दिये मातान जलन, धन्य हरि धन्य हरि । व्यथा दिये मातान जलन, धन्य हरि धन्य हरि । व्यथा दिये काँदान जलन, धन्य हरि धन्य हरि । आत्मजनेर कोले बुके, धन्य हरि हासि मुंखे, छाइ दिये सब घरेर सुले, धन्य हरि धन्य हरि । आपनि काले आसेन हेसे, धन्य हरि धन्य हरि । फिरिये बेडान देशे देशे,धन्य हरि धन्य हार । धन्य हरि स्थले जले, धन्य हरि फुले फले, धन्य हरि एके फले,

कीर्तनसूर ता० दादरा

॰ १ ० १ ० नी सां - $_1$ प्रसां - $_1$ संनी $_1$ सां सां $_1$ गुं $_1$ यां - $_1$ सां $_1$ ना टें $_2$ $_3$ घं $_3$ न्य $_4$ हिंदि $_3$ $_4$ रा $_3$ ज्य $_4$

१ ° प्रमापा गा I मापा गा I मापा गा I मापा गा I रासा - ; I I ध ऽ न्य I ह रिऽ I I

, ॥ अंतरा ॥

पाना प्रमान्मा रिस्तारा रिगामा म्या रिस सन् घटन्य दिरि ८ छि ८ न्य दि

नो ०१ घ ०१ मधानी घाषा प्राप्ता मागा। रिगा। मपा । तास्त्र न् प्रियं द्वार दिद्या घटन्य ।

 \mathbf{q} \mathbf{q}

१ ० १ संना निर्मासां प्रसान निर्मासां प्रसान निर्मासां प्रसाम स्वीति स्

o I मा पा-। I मा -। गा I रा सा । I I I ह रिऽ I घ ऽन्य I ह रिऽ I I

॥ संचारी ॥

१ ० १ ० प१ II सा - । समा मरा मा - । रामा - । या पा - । I मा - । II आ प् नि का छेऽ । आ से न । हे संऽ । धऽ

o १ म o स्व१ गु: 1 रासारा दिशामा मगु: 1 रासा - 1 1 पा पा पा 1 न्य 1 हरि ऽ 1 ध ऽ न्य 1 हरि ऽ 1 फिरिये 1

१ . ॰ १ ॰ मा रिपायना - रिनी सां - रिसां - रिनी रिसां मां गां रि ऽ स्थि छै ऽ रिज छै ऽ रिध ऽ न्य रिहर्र ऽ रि

श्रांतो, आमार आलो, ओगो आलो भुवनभरा!
आलो नयन-घोवा आमार, आलो हदयहरा।
नाचे आलो नाचे —ओ भार, आमार प्राणेर काछे,
बाजे आलो बाज ओ भार, हदय-बीणार माझे,
जागे आकाश छोटे बातास हासे सकल घरा!
आलो, आमार आलो, ओगो आलो भुवनभरा।
आलोर स्रोते पाल तुलेछे,हाजार प्रजापित।
आलोर हेवे उठलो नेचे, मिल्लका मालती।
मेघे मेघे सोना—ओ भार, जाय ना माणिक गोणा,
पाताय पाताय.हासि—ओ भार, पुलक राशि राशि,

सुरनदोर कुळ डूबेछे सुधा-निफर-फरा। आलो, आमार आलो ओगो आलो भुवनभरा॥

बाअलसूर दाद्रा मध्यलय---

१ ० १ ० १ II सासान I सिन् नान I रारान I सा रान I गागा आ छो ऽ I आ मार् I आ छो ऽ I ओ गो ऽ I आ छो

े । I मापा - I घा नो - I - I । I भा नो - I सां I I मा ची - I सां I I मा ची - I सां I I मा ची - I सां I मा ची - I मा च ची - I मा च ची - I मा च च - I मा ची - I मा च च - I मा च च - I मा च च - I मा च - I मा च च

सं $_{\rm fl-1}$ $_{\rm I}^{\rm fl}$ $_{\rm II}^{\rm fl}$ $_{\rm II}$

गापा I प्रमा गा - | I - | - | - | 1 | द य I हरा ऽ I ऽ ऽ ऽ | |

॥ अंतरा ॥

१ , ० १ ० १ II पापा - | T घा घा - | I ना नी - | I पा पा - | I ना चे ऽ I आ लो ऽ I ना चे ऽ I ओ मा इ I आ मा र् I

० १ ० सं ${
m t}$ था नी - ${
m I}$ नी सां - ${
m I}$ - ${
m I}$ - ${
m I}$ - ${
m I}$ मां मां - ${
m I}$ मा मां - ${
m I}$ मां मां मां - ${
m I}$ मां मां - ${
m I}$ मां मां मां - ${
m I}$ मां मां मां - ${
m I}$ मां मां मा

 $\eta^{(k)}$ में $\eta^{(k)}$ । $\eta^{(k)}$ मां $\eta^{(k)}$ । $\eta^{(k)}$) $\eta^{(k)}$ । $\eta^{(k)}$ । $\eta^{(k)}$) $\eta^{(k)}$ । $\eta^{(k)}$) $\eta^{(k)}$ । $\eta^{(k)}$ । $\eta^{(k)}$) $\eta^{(k)}$)

o सं^१ं o १ o -| I -| -| -| मिंगांगां -| I गंगं -| I सांसां -| I नी ऽ I ऽऽऽ I ंजागे ऽ I आकाश् I छो टेऽ I बा

. १ ° १ ° ग्र नी - | घिष्या - | । घप्पा - | । मागा - | । - | - | । प्पा तास् | हासे ऽ । सक्छ । घरऽ । ऽऽऽ । आ

े पा - I प मा पा मा I पानी नी I निधाधा - I पा मा - I गा हो र I स्त्रों ते S I पा ह्तु I हो छे S I हा जा र्I प्र

ग १ ॰ १ ० रागमा मागा - | I - | - | - | | सगागा - | I गागारा I जा०० I पति ऽ I ऽऽऽ । आ छोर् I हे वे ऽ I

१ रापापाI $\stackrel{\mathbf{q}^{\circ}}{\text{मा मा -} 1}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{II}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{III}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{III}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{III}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{III}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{IIII}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{IIII}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{IIIII}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{IIIII}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{IIIIII}}$ $\stackrel{\mathbf{H}}{\text{IIIIIIIII}}$

ं ० १ ० १ ४ ० :-| I -|-|-| I पापा | I धाधा | I ^धनो नी -| I नी नी पा ऽ I ऽ ऽ ऽ I में बे ऽ I में घे ऽ I सो ना ऽ I ओ शा **इ** १०१ प्राचीन I नांसां नI नांनां नI संगांगांन्I जायूना I मांणिक्I गोणाऽI ऽऽऽI पाताय्

॰ $\mathbf{v}^{\mathbf{r}}$ । $\mathbf{v}^{\mathbf{r}}$) $\mathbf{v}^{\mathbf{r}}$ । $\mathbf{v}^{\mathbf{r}}$ । $\mathbf{v}^{\mathbf{r}}$) $\mathbf{v}^{\mathbf{r$

सां I नो ना $_{1}$ I निधाधा $_{1}$ I पापमापा I मागा $_{1}$ I $_{2}$ = I वे छे $_{2}$ I सुधा $_{3}$ I निकर् $_{4}$ I कर $_{5}$ I I

१०१ ० १ ० १ -1-1 I सासासानिमा | राग-| I -| I सारा-| I गा ऽऽI आ सो आ मा र्| आ सोऽ I ऽI ओ गोऽ I आ

ण । I मा पा । I घा नी । I । । । । । विधा को ऽ I भु च न I भ रा ऽ I ऽ ऽ ऽ ो आ

नो -। I सिं सी -। I घोषाध्या I मा गा मा I छो ऽ I न यन I घोषा०० I आ मा र I

र^१. ० प^१ ० गोरा | I गाग•पा I मागा - I न । - | II आ लो ऽ I हद्या हरा ऽ I ऽ ऽ ऽ II

जेथाय शाके सवार अधम.दीनेर होते दीन,
संईखाने जे चरण तो मर राजे,
सवार पिछे, सवार नीचे, सब हारादेर माभे।
जखन तो माय प्रणाम करि आमि,
प्रणाम आमार कोनखाने जाय थामि,
तो मार चरण जेथाय नामे अपमानेर तले,
संथाय आमार प्रणाम नामे ना जे,
संवार पिछे, सबार नीचे, सबहारादेर माझे,
अहङ्कार तो पाय ना नागाल जेथाय तुमि फेरो,
रिक्तभूषण दीनदरिद्र साजे—सबार पिछे, सबार नीचे,
सब हारादेर माभे। संगी होये आछो जेथाय संगीहीनेर घरे,
सेथाय आमार हटय नामे ना जे,
सवार पिछे, सबार नीचे, सब-हारादेर माभे॥
रागिणो भैरवी ता० दादरा मध्यलय

१ ६ १ घूर्ण । र ० । ॥ १ । । सा सा घा । चित्र प्रदेश हो । या सा घा चे घो चे घो चे घा चे घा चे घा चे घा चे घा चे घो चे घो चे घो चे घो चे घो चे घो चे घो

म_{गारा 1} सान्। रागामापा [गुमान मगारागान] तेऽ दि १ ऽऽ । ऽऽन्। से इ खानित ई ।

 $m{v}$ १ ० $m{q}$ १ $m{I}$ ध्रुसां सां- $m{I}$ ती ती पा $m{I}$ पती $m{q}$ ध्रुप्त- $m{J}$ पा मापा $m{I}$ स बार $m{I}$ पिछे ऽ $m{I}$ स बार $m{I}$ नी चे ऽ

 ${\bf q}_{{\bf n}_1}^{{\bf o}_1} = {\bf q}_{{\bf n}_1}^{{\bf o}_2} =$

-1-1-1I

अंतरा

१ ० १ \mathbf{I}_{I} ध्राध्रानI ती सांनI सर्वे ज स्वन I तो माय् I प्रणाम् I कर्र \mathbf{x} अ

० १ ० १ $\underline{\eta}^{,o}$ - $\underline{\eta}^{,l}$ $\underline{\eta}^{,l}$

े पुर्व में पुर्व सो निवासी है। सिर्वेश में मूर्व सो निवासी निवासी सिर्वेश को निवासी सिर्वेश के सिर्वेश को निवासी सिर्वेश के सिर्

रं १ १ ० १ थ्रे १ - सां । I नो नो वा I पती नो । I घा घा । I या पा । I था यI ना में ऽ I अ प ऽ I मा ने र् I त छे ऽ I

्रें १ ० १ ० मापाञ्चा रेञ्चलां सां-। I सांनी -। I पानिञ्चाप। I मा पा से थाय् I आ मार् I त णाम् I ना मे ऽ I नाजे

र \circ १ म \circ माI गुरा गुरा I रा गुरा I ने हैं I

१ ० <u>ग</u>गा गु। दिस्सान I - । न । I संब्हार संदेर I साम्देर I ऽऽऽI'

। संचारी ॥

 ${}^{\xi}$ र सं । ${}^{\xi}$ सं

मा गु $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{1}$ $_{2}$ $_{3}$ $_{4}$ $_{4}$ $_{1}$ $_{4}$ $_$

१ -11 तिसां नधा I ती सां रां I तिसां नधा I ती सां रां I तिसां नधा I ती सां रां I तिसां नधा I तिसां रां I

संग्रं I ने स्ता ने I न न न I न न न म संग्रां I ह I स ज र I र र र I र र र I र र र I र र र I र र र I र र र I र र र I र र र I र र र I र र र I र र र I र र र I

I गुं सां-I संग्रं $\frac{\mathbf{t}}{\mathbf{t}}$ सां-I ती ती \mathbf{t} पा \mathbf{t} पा \mathbf{t} पा \mathbf{t} हा

॥ आभोग ॥

१ मुन् । $\frac{1}{2}$ रं $\frac{1}{2}$

१ स्था 1 मं 0 श्री में 0

१ । H°) H° । H° । H°) H°)

. सांती I निधाती धार्मिया घाषा । मापामा I जे ऽ I सा. बार् I कि ऽ I स बार् I

े गुरा गुरा F से बा मा मा F में गुरा गुरा गुरा मा मा F से बहा F रा देर् F म

हे मोर चित्त, पुण्य तीर्थ, जागोरे घी?,

पर भारतेर महामानवेर सागर-तीरे।

हेंथाय दाइ।ये दुवाह वाडाये निम नरदेवतारे,

उदार छंदे परमानंदे, बंदन करि ताँरे।

ध्यानगंभीर एई जे भूबर,

नदोजपमालाधृत प्रांतर,

हेथाय नित्य हेरो पवित्र, धरित्रीरे,

ं एइ भारतेर महामानवेर, सागतीरे।

केंद्वो नाहि जाने कार आव्हाने कत मानुषेर घारा,

दुर्वार स्रोते एलो कोथा होते समुद्रे होलो हारा। हेथाय आर्य, हेथा अनार्य, हेथाय द्राविड् चीन,

शक हुनद्छ पाडान मोगल एक देहे होलो लान।

पश्चिम आजि खुलियाछे द्वार,

संथा होते सबे आने उपहार,

दिवे आर निवे मिलाबे मिलिवे जाबे ना फिरे,

एइ भारतेर महामानवर सागर तीरे॥

एषो है आयं, एषो अनार्य, हिन्दु मुसलमान ।

एवा एवो आज तुमि इंग्राज एवो एवो खृष्टान।

एषो ब्राह्मण, शुचि करि मन, घरो हात सबाकार,

एषो हे पतित,होक् अपनीत, सब अपमानभार ॥

मार अभिषेके एवो एपो त्वरा,

मंगलघट हायनि जे भरा।

सवार परशे पवित्र-करा तीथनीरे,

आजि भारतर महामानवेर सागर तीरे।

राग प्रभाती ता० दादरा मध्यलय ॥ स्थायी ॥

II सगांगां-। I गंं -। -। ! सां-। -। • ! पा। सां 11 हे मोर्ऽा चिऽऽी त्तऽऽऽऽऽऽऽ

र^{-१} नीधा I ध्वानधा निम्न न र्रान्। पा ा जागो रे I धीऽऽारेऽऽ ऽाऽऽऽ।

॥ अंतरा ॥

, I । सा साधा I घा घ्वा, नि] निधा । निधा I घ्वा है था यू I दाँ डा ऽ I ये ऽ ऽ I ऽ

१ 0 1+1 सा साधा I घा घा घा I घा घा घा I घा घा घा I सा घा I सा घा I दा चा हु I बा

रा दिया गा गा रिगा । गा रिगापापा पा रिगा। ऽ र दिदा र र छिन्दे रिपर मा रिने ऽ

१०१-। पा गापा I -। पा घा । घार्सा सां । सां सां -। । ऽ । ध्यानग । म्भार । पई जे । मूध र ।

१ ° । \mathbf{r} सारा \mathbf{I} पांसां \mathbf{I} पांसां \mathbf{I} ने \mathbf{I}

निश्चा । 1 धर्सा । सां 1 सरां रेंसां नी 1 धा । नी 1 हे था य्1 नि 2 त्य 1 हे रो प 1 नि 2 त्र 1

नि $^{
m o}$ ति $^{
m c}$ $^{
m c}$

१ ० १ ० गं १ १ रसा - | - | - | - | सा गां गां वां गां गं गां गं गां । रेऽऽ Iऽऽऽ I के हो ना I हि लाऽ I ने ऽ

संसं I ं ति सां ति I भी धा पा I पा -। धा I धनी -। -। I ० ते I का तो सा I जुप ् I धा S S I र S I

निर् $\mathbf{f}_{\mathbf{q}_1}$ निर् \mathbf{q}_1 निर् \mathbf{q}_2 निर् \mathbf{q}_1 निर्वेश निर्वेश

पाः। प्पारा गा। गरा । । । सा । रा I गा गरा I गा। इ. दे हो हो । हा ऽऽ I रा ऽऽ I कत मा I नु

श्राधसां I सां I पापा धा I ध्या गापा I प्रा I या । धा अ I ना S ये I है था य् I द्वावि ड I चीन S

० १ ० १ ० । I पा पा धा I धा सां सां I सां सां I सां सां I में आ जि I ख़ लि या I छे द्वा र्I से था हो I ते स

संशंगां I गंरा सां सां I नी धा नी I पा धा धा I सां सां \circ ० वे I आ ने उ I पहार् I दि वे आ I र नि

o १ प्राप्त करें सामा I नी भा नी I निपा भा भा I भा नी I मिला बे I मिलि वे I जा बे ना I कि रे S

o १ o १ o qu I मा गा -) I गा गवा वा I गा रा गा I रसा -) -1 सा मा I न बे र I सा गर I ती SSI र SSI S

१ ० १ ० संग रेगा I गा गा गा I गा रा गा I रेना - 1 - 1 I 1 - 1 - 1 मंगं ५ ८ I जा गो रे 1 थी ८ ८ I रे ८ ८ I ८ ८ ८ ५

गं गां I $\stackrel{\text{i'}}{\text{ti-1-1}}I$ स्मां -1 -1 I पा -1 गां I गां गां गां I षो हे I आ SS I ये SS I SS I SS I

 \vec{n}° . \vec{i}° . \vec{i}° सं \vec

० १ ° ० ग धापा I मा गा गा I गा गा I गा I रसा - 1 - 1 I मिइं I ब्राऽइ I ए पो ए I पो खुष्टा 1 ० न् ऽऽ I

॰ १ ० १ ० । रा गा निमान ना मा निमान ना निमान ना निमान हुए । निमान हुए । प्राप्त के प्रा

•सधा 1 प्राधानी 1 पा 1 । 1 सा सधाधा 1 । धा 2 बाह्य 2 $^{$

१ ० १ ० $\frac{1}{1}$ प्राचा । $\frac{1}{1}$ कार $\frac{1}{1}$ प्राचा । $\frac{1}{1}$ कार $\frac{1}{1}$ कार $\frac{1}{1}$ कार $\frac{1}{1}$ कार $\frac{1}{1}$ कार $\frac{1}{1}$

॰ ग^१ ० १ ०' गागा-| ¹ पापागा ¹ गारागा ¹ रसा -| -| ¹ -| -| ¹ प नीत् ¹ सब्ध ¹ पमान् ¹ माऽऽ¹ ऽऽर् १ ० १ ० १ पा गा पा I पा पा घा I घातां मां मां I सां सां I सां सां I सां सां I सां सां I मां I अ I भिषे के I प पो ए I चो त्व रा I भें I

र्ग I रां संगंगां I रां । सां I नो धा नी धा प धा सां ग I छ ट I हो यूनि I जे भ रा स्व वा र

o १ o $^{
m fa}$ $^{
m I}$ सांसांसां $^{
m I}$ संंगिया नी $^{
m I}$ पा $^{
m I}$ धा $^{
m I}$ प र शे $^{
m I}$ प वि $^{
m I}$ ते ते $^{
m Z}$ ये $^{
m I}$

० १ ० १ विशेषा भा ने I निशेषा भा ने I ने रेऽ I ऽऽऽI ऽऽऽI आजिभा I र ने रI

१ • ृश • १ रबा - | - | 1 - | रागा रिगापागा रिमा - | १ ऽऽरऽ ऽऽरिजागो रे स्थिऽऽ रिऽ

11 -1 -1 -1 II 11 z z z 1 z

> एबार तोरा आमार जाबार बेळाते, सवाइ जयध्वित कर। भोरेर आकाश राङा होलो रे आमार पथ होलो सुंदर॥

कि निये वा जाबो सेथा ओगो तोरा भाबिस्ने ता शून्य हातेई चील्बो विद्ये, आमार व्याकुल अंतर। माला परे जाबो मिलन बेशे, श्रामार पिथक-सज्जा नय॥ बाधा विपद आछे माझेर देशे मने राखिने सेई भय। जात्रा जखन होवे सारा, उठबे ज्वले संध्यातारा॥ पूरबीते करुण बाँश्री, द्वारे बाजवे मधुर स्वर॥

राग रामकली, ताल दोद्रा, मध्यलय।

र्रं . μ° . μ° . μ° मा मापा Π° मापा Π

्र ०१ (नुधापा मिगा । । । । । । । । । । । । । । । । । । स्वाई । जयऽ। ध्वा निऽ। कऽऽ। ऽऽन्

१ १ $\frac{1}{1}$ नासां $-\frac{1}{1}$ संग्रं सां $-\frac{1}{1}$ नी सां नी $\frac{1}{1}$ पानी ध्रा $\frac{1}{1}$ भो रेगु आ काश $\frac{1}{1}$ रागां $\frac{1}{1}$ हो $\frac{1}{1}$ लो

१ ० १ ० १ - | ! सा सा नि ! सा रा | ! रा गा - | ! गमा - | - | ! - | - | - र ! स बा ई ! ज य ऽ ! ध्व नि ऽ ! क ऽऽ ! ऽ ऽऽ

० १ I । । । I मा मापा I I I ऽऽ्यिका मार्ग I I

॥ श्रंतरा ॥

o $\{ y_1 \in \mathcal{F} \mid y_1 \in \mathcal{F} \mid y_2 \in \mathcal{F} \mid$

१ - I नी सांगुi I गुंसारां I नी सांI सिंगुंI गुं I S I तो राS I भाविस्I ने साS I श्रा

१ 0 १ ० १ ० १ गां Π गां Π

॰ १ ० १ ० सां सां नो I नी धा - I पा - I मा सा नो I सा रा - I व्या कु S I ल अं S I त S \neq I तो रा S I ज Z I

१ 0 १ गागा - | I गमा - | - | - | - | - | - | - | - | - | मा मा पा I ध्वनि S I क S S I S S S I S S रू आ मार्" I

॥ संचारी ॥

o १ o ए१ o सासा-| I गा गा -| I मा मा पा | गा मा गा I रां सा नि माला S I प रे S | जा बो S I मिल न् I बे हो S

१ ०१ । १ ०१ । I सासाराह्गा-। गाह्गमा-। - | I मामा-। I मामागा I I पथिक् I सऽज्ञा I न ऽय I बाधाऽ I विपद I

१ ० १ १ ० १ वधा पा मगा रिमा न पमा रिमा गा सन्ते रिसा रा न रिमा न गा ने ऽसे रिम• ५ य. रिभा मार्रिप धिक्रिस ६ जा।

. ° १ ° ! गमा - | - | I - | - | - | I I न ऽ ऽ I ऽऽऽ I ऽऽय् I

॥ आभोग ॥

धा $^{\mathsf{P}}$ नी सांगुं $^{\mathsf{P}}$ गुं $^{\mathsf{Q}}$ सां $^{\mathsf{P}}$ नी सांगुं $^{\mathsf{P}}$ सां $^{\mathsf{P}}$ सां $^{\mathsf{P}}$ नी सांगुं $^{\mathsf{P}}$ सां $^{\mathsf{P}}$

१ - Π सां र मां Π ती ती न Π सां न Π पा न Π

१ ० १ ० १ ० सार्: -! I गा गा -! I मा -! -! I -! -! -| I मा जय S I ध्व नि S I क S S I S S S I S S S I "आ

मा पा I I मार" I I

Gitanjali Eng., Trs. No. 94

जेदिन फुर्लो कमल किछुइ जानि नाइ, आमि छिलेम अन्यमने।
आमार साजिये साजि तारे आनि नाइ, सेजे रहलो संगोपने।
माझे माफे हिया आकुल प्राय, स्वपन देखे समके उठे बाय,
मन्द मधुर गंध आसे हाय, कोधाय दिखन समीरणे॥
ओगो सेइ सुगंधे फिराय उदासिया, आमाय देशे देशान्ते।
जेनो संधाने तार उठे निःश्वासिया भुवन नवीन बसंते।
के जानितो दूरे तो नेइ से, आमारि गो आमारि सेइ जे,
ए माधुरो फुटेछे हायरे, आमार हृदय उपवने॥

राग बागेसरी बहार ता० तेवरा, मध्य छय।

२ ३ १ २ २ ३ १ धानI घानI माने I नाने सां I निसारां I सां नI नाने I जे SI दिन्I फुट्छो I कSI सह्I SSSI

२ ३ १ २ ३ १ सा = I सा = I मा = I मा = I मा = I मा = I कि = I

२ ३ १ २ $\frac{1}{4}$ १ $\frac{1}{4}$ -1 -1 -1 $\frac{1}{4}$ मा मा $\frac{1}{4}$ मा मा $\frac{1}{4}$ मा मा $\frac{1}{4}$ प्रदासी दिन्ने मा अपना मा मा $\frac{1}{4}$

 \cdot २ ३ १ २ ३ धा $\cdot I$ घा $\cdot I$ घा $\cdot I$ घा $\cdot I$ घा $\cdot I$ मा $\cdot I$

्रेश २ र i २ १ २ ३ i नी सां रांIनी: सं i ः I सां सां Iनी घा नIन नI धा , ता i र i आ ०० I नि i र i х ${$

ર ર કે ધ્રા q ર સા q પ્રા q માં q મ

३ १ २ ३ १ . २ सा गा I गा मा - I पा - I घा - I नी - I सो I निसां रों गो . S I प ने S I दिन् I फूट्छो I क S

र १ २ ३ I सं-। I -। -। 1 -। -। 1 -। -। 1 I I म ल् I ऽऽऽ I ऽऽ I ऽऽ I I

॥ अंतरा ॥

१ २ ३ १ २ $f{z}$ धाधानIधानIधानI ${f{h}}$ सानI ${f{h}}$ सानI ${f{h}}$ सानI ${f{h}}$ हI आ ${f{g}}$ जुल्I

सं $^{
m R}$ सं $^{
m R}$ नी संत्रं $^{
m I}$ संत्रं $^{
m I}$ संत्रा सं

पंत्रे १ २ ३ १ २ १ मां -|I| पी मां गां I गां -|I| गां मां -|I| मां -|I| से |I| हा |I| को |I| शां |I| हा |I| से |I|

है मां पंगां \mathbf{I} मां पंगां \mathbf{I} मां पंगां \mathbf{I} मां गं \mathbf{I} मां गं \mathbf{I} मां गं \mathbf{I} सारां \mathbf{I}

्। I साँ रंसाँ I सं नी सां रं। I नी सां I धानी I नी । I मी I0 I1 से I2 I3 है है

સાંI in \mathbf{H} તાં \mathbf{H} તાં ન \mathbf{H} તાં ન \mathbf{H} તાં ન \mathbf{H}

॥ संचारी ॥

१ २ ३ १ २ ३ । सामाबा I मा - I मा - I मा न मा पा I पा - I पा - I से इ सु I न S I घे S I फिरा य्I उ S I दा S

१ . २ ३ १ २ ३ $_{
m I}$ पामपा घा m I, घा - $_{
m I}$ घा नी m I नो सां - $_{
m I}$ m I नी सां m I धा m I सि था m SI आ m SI मा m I दे री m SI दे m SI

्र ३ १ २ २ $\frac{1}{1}$ सां I घा - I घा घा - I घा ना I ना ना ना ना ना I चा ना I सां I चा ना I ना ना ना ना ना I सां I

२ ३ I-₁-II-₁-₁^I IssIssI

॥ आमोग ॥

१ २ ३ १ . २ \cdot ३ धाधा -|Iधा -Iधा नी,I नी सां -|Iसंगं -|I|सां गं के जा SI नि S4 तो SI5 ने इ

३ १ -|-| I मां माँ -| I मां वां I ^{एं १} गां मां -| I मां गां I ऽऽ दिमा ऽ द्वि ऽ रिरो ऽ िकु हे ऽ रि छे ऽ रि

३ १ २ संहै १ २ मां Π मां रां सां Π ना साँ Π स्थानी Π सां Π सं रां हा य् Π र Π

्रे र्१ रे हे १ । I सारा I नी सां । I नी सां । I नी सां । I नी सां । I ता दा I ह द य

ર. રે રેપ રેપ સ્તાર મેં તે સાં I માં I મ

२ - | सां I ना रां I र सां - | II २ लो I क S 1 मल II

स्वरोंका-शुन्दिपत्र

शुद्ध	• अशुद्ध	पंक्ति	पुण्ड
;	गां	१२.	२
सुया	ं सासा	ર ર	4
ঘা	वा	8	.
रा सान	रा-। सा	۷	,,
ससा	सा सा	ર	9 '
गु	'रा	8	έ•
ঘূা	धा	Ę	१ o
ध्रा सां	धा सां	१०	११
सा I- ₋	सा1-।-	१	. १५
र्'र्'	र्• र्•	११	9 9
(र्सा)	(सा सा)	Cq.	१८
সূা	ঘা	9	79
गुां	गां	१०	રક્ષ
নি ঘা	नि घा	१४ -	,,
. ध्राण	ध्वा पा	",	,,
र्ा	. (रा•••)	8	₹'₹
गु सा-।	रा सा-।	••	

		(ख)	
<i>घुच</i> ठ	पंक्ति	अ शुद्ध	शुद्ध
२६	ž	गांगां।	गुां गुां
"	,,	₹	सं
51	१७	रां '	ग
,,	55	स	गु
२७	१	निस	निस
"	१२	ঘা ঘা	ंसां नि
સ્ દ	ધ	२ धा	३ धा
3 8	१४	गा -।	१ गा -।
38	9	-1 -1 -1	३ -1 -1 -i
3 4	ષ્	सा ^ध पा	मा ध्व
11	११	मं रं	์ กำจำ
4 &	.	स्रां	सा
39	કે બ	घा एा	ध्रा-।
		3	3
39	१७	-1 -1	₹ -1 -1
₹€	१४	-1-1	-।रा
ક ર	१०	रा .	₹ा

(ग)

<i>ઈ.</i> e.	पंक्ति,	अशुद्ध	शुद्ध
ં કર	,,	गु	रा
,,	• १०	र्ग	, रा
;,	१२	• गुारागुा	्गु। रा गुा
83	٠ 9	धा	धा रं
"	٤,	, र्र	ાં
કર્ દ્	8	^प ^१ भ्रा	^{ष्ठ्} या
". •	19	२ पा मा	३ [°] पा मा
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	"	३ -। -। ∙ा	-1 -1 -1
٠ ,,	"	o -1 -1 -1	(1-1-1)
. કર્દ		नो _{ष्ट्रा} ध्रा	^{नो} घा घा
ક ર્દ	१६	प नी	ववा
"	"	^{नी} धा	नी _{धा}
89	4	म -। गप	मा-। गा पा
• •,	۶ ٠	सन्	सन्
,, · ·	१५	पनी	पन्ती
· 21	"	नी घ	. <u>न</u> ीध
४८	ક .•	र्ग गुर्व	गु [•] गुं

		(घ)	
वृष्ठ	पाक	अशुद्ध	शुद्ध
४८	Ę	q al	प्नी
,,	6	नीधा	नी धा
ห	१०	र्ां	गु
**); 05	^{र्} सा	^{र्} मा
••	१२	[*] नो _{घा}	व्धा
ર્દ ૭	१५	नोधा	^{नो} सां
60	8	पा मा	गा मा
८ ४	१०	पा मा 🛚 पा	पा मा ${f I}$ घा
7 •	१४	सां नी	स्र्ताः।
64	१	मा । गा मा	मां ागा मा
,,	ų	मा पा	मा पा
८ ६	8	गा रा	गा ग
37	۷	नि 🛚 घुनी	नी I धुनी
17	१३	नि _{धा} नि _{धा}	नि _{ष्ट्रा} निष्ट्रा
35	१४	पा मा	पा मा
£ 0	१५	पा मा	पा मा
"	97	वा मा	पा में।
६१	१	गा मा	गा मेा

		(ङ)	
वृष्ठ	्रपाक्त	अशुद्ध	शुद्ध
		3	.3
£ 3	• 9	नि	नि
,,	१० •	मागु	मा गुा
६६	१५	सनी	सनी
e 3	٠,	पा -।	वा मां
. \$5	१	ग -।	म _{ग -।}
₹.o c•	१७	_{रंसं} सं	सं _{रंसां}
१०२	۷	(न घ्वता पा)	o I -1 -1 -1 I
१०३	3	-। सा	-। -। सा
१०४	१०	रां सं-।	गुंसं
१०५	Ę	नी धा	नुध्या
१०६	१	नी सं	नीसं!
> ;	3	39	,, .
,,	4	मगा	• मगुा
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	• 9	मा मा	ममा
१०७	ક	I रामा -। I	रा रा मा
१०७	Ę	सां ^{नि} सां	धा सां
"	१३	ं ्रां∙सां I नि	

(च)

		(- /	
पृष्ठ	ंकि	अशुद्ध	शुद्ध
१०८	१	सा 🛚 ग	रा I सा
308	3	भां	भ्रा
११०	ų	गां	गुं
,,	S	घ्रा नि	धा ।
१११	१०	वा वा	गा गा
,,,	१२	निस	निस
,,	٠,	नी सारा	गु सासा
,,	• •	से	हो
१२०	8	निसां	निसा
१२१	ફ	सनि	संनि
٠,	१०	निर	निरं
१२२	Ę	^र मां	रं सां
**	"	सां नु	मां नी
१२२	१३	निस्वा	निसा
१२३	u,	रा	रां
99	8	ना	नी
१२४	3	निसा	निसा
,,	ų	नि _{रा}	परा
"	₹.३	नि	नि
१२६	8	· र े	₹*

(छ)

<i>वेद</i> इ	पंकि	अशुद्ध	शु इ
१२६		प _{ति}	मनु
१३०	93	नि घा	<u> निघा</u>
१३३	१	धानी	घानुं।
२ अप	·	स्रनि	सन्
१५३	9	į	रॅ
१५४	Ą	í	<u>र्</u>
१ स्वरू	१३	<u>र</u>	ä
1. ris .	4	न्रो	नीः
3.93	ε	नि	नि
१७ई	१५	स्वा ।	नी -!
१९७ .	C e	गुरे	गुरे
१८६	*	मां गां	गां गां
• •	१४	सां सां सां	निधा मा
११३	ŕ	० यां स्वा	० गंसां
१६४	3	मन्	संवि
5 E Z.	. 4	परें	पारें
•, •	· १२	नि	नि
••	१ंध	सगु	संग्रं
989	११	सधा	ं संघा
٠,	71.	धुर	<u>ध</u> ्र [ँ]

		(ज)	
पृष्ठ	पंकि	अशुद्ध	शुद्ध
२००	१ध	सां सां नि	सां सां नि
२०१	É	सा	सा
२०२	. શ	नि	1न
,,	4	मगुा	मगा
२०४	۷	धा	धा
२०५	3	पानी	पनी
२०६	१	रा	٩Ť
२ ११	१४	गुा	गुां
२१ ६	१४	मो	मा
२१ ७	લ	मा मा	मा गा
२२३	१०	रू। सां	रे रेंस — —
२२४	१२	गा	ग्।
,,	१४	ঘূ	त्रां
२३३	१६	नि	1न्
२३४	3	ঘূা	त्रं।
"	१४	स्यां	₹ंरां
२३५	8	ध नुी	धनुी
33	3	घ्रा	্ঘা
77	१२	_{नि} ष्ट्रा	<u>नि</u> ्धा
२३६	8	गु	ं गुां
"	१२	^{नी} धा	<u>नि</u> धा

(班)

	·c-		77772
पुष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
२३७	ે ૧૫	रंस	રંસ
२४१	१४	पं	-1
२४५	• १७	न्रो	नी
૨ ૪૭	१२°	नि	नि
२४६	१८	गा	गुा
२५१	٠,	रा	<u>रा</u>
.२५४	१०	धमा	धर्मा
,,	>5	गमा	ग मा
२ ५६	4	नि घृः	नि धा
,,	17	नुो	नी
,,	१०	ঘূা	घा
२५८	१	घृा I	·! I
२६४	3	सां	मां
२८१	१	-) I qt	-। I पा
२८६	१	गामा -।	-। गामा
266	१६	गा	• गा
२१६	. 3	सां	गु। स्रो
२६८	٠ ٤	नी	नी
338	*&	नी	नी
300	3 .	ंसा.सा	स _{नी सा}

(ञ)

	`	,	
वृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	, शुद्ध
३०३	१७	सा	स्रां
३२२	4	₹ I	<u>र्</u>
३२३	ર	गा	गुा
"	१३	र्	<u>.</u>
15	१	रेगुां	र गा र र गुरं
इस्प	3	म -। धा	मा घा
३२७	٤	मा पा पा	मा -। पा
३२६	8	र्ग	रा
३३१	9	पा	नी
338	۷	रां वें	गुं ^{गुं} लां
३३ ६	२	रां	र्गं
३४२	२	नी	नी
383	१४	निसां	निवां
27 .	i	संॄ	_{से} <u>सं</u> नो
३४४	१	नीन	
38 *	ų	ਲ	नी संबु
,,	٠,	पाप	
38 5	4	नि भ	
		খ	. घा

(ट)

वेद्ध .	• पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३४८	१०	सानिसा	सा 🛘 तिसा-।
17	• "	रा -।I-।I	रा- []
" ३५०	११ •	संग्	संरा
३५१	રક	_{विध्वा}	_{नि} धा
3 49	१	साधा	सासा
३६१ .	१२	नी ^{नि} ध् <mark>रा</mark>	_{नि} नि _{धा}
३६२ *	Ę	मांगां	मांगुां
\$ &&	É	I ^{सं} नी	$_{ m I}$ सं $_{ m fl}$

बंगला भाषाका शुद्धि-पत्र।

8	१०	S.	• इ •
,,		महदाने	मैहादाने
<i>ڊ</i> .	·	उज्वल	उउउवल
१२	3	दू:ख	दुः ख
. ,,	8	दू:खे	दु:खे
	१३	दूखर	दु:खेर

		(ह)	
पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१५	१६	दुनयने	दुनयाने
११	१२	जे खाने जला	ने जखनि जेखाने
२३	8	थोमन	अमॅन
"	c _q	हृद्ये	हृद्य
"	\$	चुग	चुरि
;,	"	धुरी	घुरि
"	ε	तोबू	तोबु
२६	१०	टू टे	दुरे
> >	१३	अमाय	थामाय
33	१	भूलानो	भुलानो
₹६	१४	स्रो	से
80	१४	मोरे	मरे
88	6	शामळ	श्यामल (दूसरे
		ज	गह भी इस्रोतरह)
27	१४	क ं	कुंजे
"	१७	गु'जेर	गु ंजरे
ध र्द	११	चाव	चाश्रो
"	१३	अमा	श्रामार्
५२	१२	आ नंदे री	आनंदेरि
"	,,	सागरथेके	सागर थेके
"	"	. एष छे	एषे छे

		(5)		
वृ द ष्ठ .	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	
•43	१	छे	आ ज	
५६	• •	जाले	जले	
خ ج	१६ •	क्षेतेरे	खेतेर	
£8	. ક્ષ	हारे	हा रे	
દં૭	१३	ं नामजे	नामे जे	
"	१४	दिके	दिकेइ	
90 .	१३	चरण ध्वनि	चरणध्वनि	
os	eq	हृद्य हरण	हृद्य इरण	
,,	१३	एइ	ओइ	
"	"	नुय छे	नुयेछे (इसी	
• •	तरह दूसरे जगह 'छे' धा			
•		के साथ रहेगा।)		
, ७ ८	१	गिरि-शिखर	गिरि शिखर	
5 7	"	कानन भूमि	काननभुमि	
> 2	£	विपासा हरा	विपासाहरा	
७१	9	हे के हे के	है के है के	
"	"	पोडे	पडे	
17 • •	· `	दारे दारे	द्वारे द्वारे	
७५	१६	हृद्ये	हद् य	
.७६	8	. रूप	रूप (और	
			(जगह इसी तरह)	

(ढ)

		•	
वृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	, शुद्ध
६२	9	पागल करा	पागलकरा
,,	२ १	चरण पाते	चरणपाते
>>	,,	नृत्य	नृत्ये
33	£	बांधन हारा	, बाँधनहारा
*,	"	भरिछे	भरछे
55	ξ	ढेऊ	ढेंड
१००	ર	कलश खानि	कलशवानि
१००	१०	आजाना	अजाना
१०३	9	छुटोलो	हुर्स्रो
१०६	११	श्रावन	श्रावण
91	१५	कुजन	कूजन
5•	"	कानन भुमि	काननभुमि
>9	१७	संमुख	समुख
१०६	१४	सूरे	सुरे
११२	8	बन्धू	वन्धु
"	५०	धूम	धुम
٠,	. १२	नाई	नाइ
**	१४	त्मि	तुमि
११५	4	नोमारिविरह	तामारि विरह
,,	१०	नीरव	नीरबे
,,	१ १	े पहाय दले	पहाबदले

		(ण)	
पृष्ठ .	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
११६	2	ज्वा ळारे	उवालोरे
,,	. 8	सेजे	से जे
<i>j</i> "	έ. •	गाःछे	गाहिछे
/ .,	٠,٠	लागी	लागि
>>	٠ ٠	. व्रम	प्रेम
:,	3	नोरमान	तोर मान
· •	१ १	गगन तल	गगनतल
3,	१७	काथा	कोथा
૧ ૨૫	१	जाने	जानो
१ २७	१	बिदारो-	बिहारो,
,,	v	आनंद्घन	आनंद्धन
१३१	9	पर	पर
"	१्२	मनोहरण वेशे	मनोहरणबेशे
,,	१३	हेथाय	जेथाय
51	••	पले	एलो
,,	51	जुगुल .	जुगल
१३५	१५	थरि	धरि
***	• "	तोमार	तोमाय 🦒
१३५	€.	क्रांति बिहोन	क्रांतिबिहीन
. \$3.8	ų	रात्रि । '	रात्रि
१४५	१३	ं आमारा	आमारो

वृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्धि
१४६	ર્દ	कूडि	कुँ डि
,1	۷	पुजा गौरव	्यूजागीरव
17	8	युजारि	पूजारि
१४६	શ્ રે	मंदिर द्वारे	•
१५२	9	हबे,	हबे
1,	१०	छेटे	छेडे
"	***	प्राणेर,	प्राणेर
,,	१२	भनि	भन्
,,	१३	दुलवे	!दुलचे
१५७	Ę	आने	लाजे
,,	१०	द्या	हिया
,,	११	भरी	भरि,
71	१२	फाँकी	फाँकि
,,	१३	ढाका ढाकि	ढाकाढाकि
१६०		(१६० पत्रये ल	प्रस्ट छैन उठेगा)
१६०	१४	पुजा	पूजा
,,	१६	सरा	हारा
१६३	Ę	सुनिया	शुनिया
१६७	9	निद्रा मगन	निद्रामगन
"	१०	पाइनि	पाइने
1+	१३	अश्र धारे	बश्रुभारे

(খ)

र्षे 🖊	पंकि	अशुद्ध	शुद्ध
१७४	Ę	कजे	केडे
"	9	नीशीथ	निशीथ
	4	कोरो	करो
;,	3)	शशिरे	शशीरे
"	17	तोमारे	तोमार
•••	११	जाबे	जाबे
· •	१२	सुनवा	शुनबो
१७७	6	सुकाय	शुकाये
•	د	लुकाय	लुकाये
39	,,	गीतसुधा रस	गीतसुधारसे
१७०	9	नाहे	ना हे
• •	१३	फिराया	फिरायो
् ७३	११	गाइतेछिलेम	गाइते छिलेम
,,	१४	गुणिहनेर	गुणहोनेर
"	१५	सूर	सुर
१ ७६	१२	आज .	आजि 🦾
79	१३	विलंबित	बिड़-ंबित
.35	१४	हृद्य दल	हृद्यदल
19	१५.	संगित	संगोत
Ke	3	रजनी .	रजनी,
		धरणी तले	धरणीतले

(द)

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध '	शुद्ध
१६५	Le	नदी पारेर	नदीपारेर्
200	ક	केदे	केँदे
२०३	ષ્	आमोरा	आमारो
२१८	११	छाडिते . '	छाड्ते
२१ ह	2	परेते	पॅरते
२२२	ષ	SI .	Ŕ
२२६	१	आलस	अलस
२२६	8	हृद्य	हदये
२२६	4	पूरस्कार	पुरस्कार
२३३	ķ	थालि	ਵਾਲਿ
••	\$	केद	केंद
२३७	ષ	पाई	पाय
२४०	হ	धुला	धूला
२४०	6	लागी	लागि
२५३	3	ति खिलेर	निखिलेर
२५५	१ ०	जो	जे
• •	११	केवल गाइते	गाइते केवल
17	ं १७	से जन	सेजन
"	१८	सारा टा	साराटि
२ ६ २	ą	आँकाशी	आका शे
	6	ं पाणी '	पाणि